

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY
साप्ताहिक
WEEKLY

सं. 11]	नई दिल्ली, मार्च 18—मार्च 24, 2018, शनिवार/ फाल्गुन 27, 1939—चैत्र 3, 1940
No. 11]	NEW DELHI, MARCH 18—MARCH 24, 2018, SATURDAY/PHALGUNA 27, 1939—CHAITRA 3, 1940

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृथक संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 2018

का.आ. 454.—केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) में का.आ. संख्यांक 2989 (अ), तारीख 20 नवंबर, 2014 द्वारा प्रकाशित अधिसूचना का संशोधन करती है, अर्थात्:--

उक्त अधिसूचना में, "विशेष न्यायाधीश (2जी स्पैक्टरम मामले) के न्यायालय, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली तथा अपीलीय रिवीजनल न्यायालयों में (2जी) स्पैक्टरम मुकदमें के अभियोजन, अपील/रिवीजन तथा इनसे संबंधित अन्य किसी मामले में अभियोजन के लिए" शब्दों के स्थान पर, "विशेष न्यायाधीश (2जी स्पैक्टरम मामले) का न्यायालय, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) द्वारा अन्वेषण किए गए 2जी स्पैक्टरम से संबंधित उद्भूत मामलों के अभियोजन के लिए" शब्द रखे जाएंगे।

[फा. सं. 225/59/2014-ए.वी.डी.-2]

एस.पी.आर. त्रिपाठी, अवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS**(Department of Personnel and Training)**

New Delhi, the 16th February, 2018

S.O. 454.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby amends the notification published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii) vide number S.O. 2989 dated the 20th November, 2014, namely:-

In the said notification for the words “appeals/revisions or other proceedings arising out of the cases related to 2G Spectrum investigated by the Delhi Special Police Establishment (CBI) in the Court of Special Judge (2G Spectrum cases), Central Bureau of Investigation, New Delhi and appellate/revisonal Courts”, the words “arising out of the cases related to 2G Spectrum investigated by the Delhi Special Police Establishment (CBI) in the Court of Special Judge (2G Spectrum cases), Central Bureau of Investigation, New Delhi” shall be substituted .

[F. No. 225/59/2014-AVD-II]

S. P. R. TRIPATHI, Under Secy.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय**(वाणिज्य विभाग)**

नई दिल्ली, 20 मार्च, 2018

का.आ. 455.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (गुणवत्ता नियंत्रण एवं निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 12, के उपनियम (2) के साथ पठित, निर्यात (गुणवत्ता नियंत्रण एवं निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स आर.वी.ब्रिग्स एंड कं. (प्रा.) लि., मेन रोड बारबिल, वार्ड न. 7, प्लॉट न. 2797/1424, पी.ओ./पी. एस. - बारबिल जिला, क्योन्नर, ओडिशा -758035, को इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की शासकीय राजपत्र भाग-II, खण्ड-3, उप खण्ड(ii), में दिनांक 20 दिसम्बर, 1965 की अधिसूचना सं. का.आ. 3975 के तहत प्रकाशित अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूचियों में विनिर्दिष्ट खनिज और अयस्क समूह-I, क्रम सं. 2 पर निर्दिष्ट लौह अयस्क एवं मैंगनीज अयस्क को निर्यात से पूर्व निम्नलिखित शर्तों के अधीन पारादीप पत्तन, में उक्त खनिज और अयस्क के निरीक्षण करने के लिए एक अभिकरण के रूप में मान्यता देती है, अर्थात् :

- (i) यह अभिकरण, खनिज और अयस्क समूह- I का निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के अधीन निरीक्षण की पद्धति की जाँच करने के लिये निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा निमित्त नामनिर्दिष्ट अधिकारियों को पर्याप्त सुविधाएं देगी; और
- (ii) यह अभिकरण, इस अधिसूचना के अधीन अपने कार्यों के पालन में निदेशक (निरीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण) निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा समय-समय पर, लिखित रूप में, दिए गए ऐसे निर्देशों से आबद्ध होंगी ।

[फा.सं. के-16014/1/2018-निर्यात निरीक्षण]

संतोष कुमार सारंगी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)**

New Delhi, the 20th March, 2018

S.O. 455.— In exercise of the powers conferred by the sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), read with sub-rule (2) of rule 12 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, the Central Government hereby recognises M/s R. V. Briggs & Co. Pvt. Ltd., Main Road, Barbil, Ward no. 7, Plot no. 2797/1424, P.O./P.S.- Barbil Distt. Keonjher, Keonjhar, Odisha - 758035, as an agency for a period of three years from the date of publication of this notification, for the inspection of Iron Ore and Manganese Ore specified at serial number 2 under Minerals and Ores Group-I, in the Schedule to the notification number

S.O. 3975, dated the 20th December, 1965, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 20th December, 1965, prior to export of the said Minerals and Ores at Paradip Port, subject to the following conditions, namely: -

- (i) the said agency shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to carry out the inspection specified under rule 4 of the Export of Minerals and Ores - Group I (Inspection) Rules, 1965;
- (ii) the said agency shall, in performance of its function as specified in this notification shall be bound by such directions, as the Director (Inspection and Quality Control), Export Inspection Council, may give in writing from time to time.

[F.No. K-16014/1/2018- Export Inspection]

SANTOSH KUMAR SARANGI, Jt. Secy.

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग)

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2018

का.आ. 456.—केंद्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय (खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग) के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन निम्नलिखित कार्यालयों, जिसके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारीवृन्द ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को राजपत्र में अधिसूचित करती है :-

1. भारतीय खाद्य निगम,
जिला कार्यालय,
धनबाद
2. भारतीय खाद्य निगम,
जिला कार्यालय,
डाल्टनगंज (झारखंड)

[सं. ई-11011/1/2008-हिंदी]

कमल दत्ता, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Food and Public Distribution)

New Delhi, the 23rd February, 2018

S.O. 456.—In pursuance of Sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for Official Purpose of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following office under the administrative control of the Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution (Department of Food and Public Distribution), whereof more than 80% of staff have acquired the working knowledge of Hindi :

1. Food Corporation of India,
District Office,
Dhanbad-682020
2. Food Corporation of India,
District Office,
Daltonganj-682020

[No. E-11011/1/2008- Hindi]

KAMAL DATTA, Jt. Secy.

(उपभोक्ता मामले विभाग)

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 2018

का.आ. 457.—केंद्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 (1987 में यथा संशोधित) के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में, उपभोक्ता मामले विभाग के निम्नलिखित कार्यालय में हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों की संख्या 80 % से अधिक हो जाने के परिणामस्वरूप उसे एतद्वारा अधिसूचित करती है :-

1. राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, नई दिल्ली

[फा. सं. ई-11012/13/2017-हिंदी]

अवधेश कुमार चौधरी, आर्थिक सलाहकार

(Department of Consumer Affairs)

New Delhi, the 27th February, 2018

S.O. 457.—In pursuance of Sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for Official Purpose of the Union) Rules, 1976 (as amended in 1987) the Central Government hereby notifies the following office the Department of Consumer Affairs, wherein the percentage of the staff having working knowledge of Hindi has gone above 80% :

1. National Consumer Dispute Redressal Commission, New Delhi.

[No. E-11012/13/2017- Hindi]

AWDHESH KUMAR CHOUDHARY, Economic Advisor

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 2018

का.आ. 458.—राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान (आरजीआईपीटी) अधिनियम, 2007 के नियम 5(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा श्री पुष्प कुमार जोशी, निदेशक (मानव संसाधन), एचपीसीएल को तत्काल प्रभाव से तीन वर्षों की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश होने तक, जो भी पहले हो, आरजीआईपीटी के पुर्नगठित शासक मंडल में सदस्य के तौर पर नियुक्त करती है ।

[फा. सं. जे-25021/13/2014-सामान्य (पार्ट)]

मृत्युंजय झा, अवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 16th February, 2018

S.O. 458.—In exercise of the powers conferred under Rule 5(1) of the Rajiv Gandhi Institute of Petroleum Technology (RGIT) Act 2007, the Central Government hereby appoints Shri Pushp Kumar Joshi, Director (HR) HPCL as Member on the reconstituted Board of Governors of RGIT with immediate effect for a period of three years or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. J-25021/13/2014-Gen. (Pt.)]

MRITYUNJAY JHA, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 2018

का.आ. 459.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप धारा (1) के अधीन जारी की गई, भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. 2023 तारीख 28.08.2017 जिसका प्रकाशन

भारत के राजपत्र संख्या 35, भाग-II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) तारीख 02.09.2017 में किया गया है। इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट ओडिशा राज्य के तहसील : **आसिका**, जिला : **गंजाम** की भूमि में, ओडिशा राज्य में पारादीप से तेलंगाना राज्य में हैदराबाद तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे "पारादीप-हैदराबाद पाइपलाइन परियोजना" के संबंध में पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के लिये अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं। और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में संक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाए; और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील- आसिका	जिला - गंजाम	राज्य -ओडिशा		
गाँव का नाम	प्लॉट नं.		क्षेत्रफल	
		हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5
खारिआ	1544	00	02	11
	1542	00	18	41
	1610	00	03	65
	1523	00	00	20
	1522	00	00	15
	1521	00	00	46
	1520	00	00	42
	1518	00	00	10
	1519	00	00	37
	1515	00	00	94
	1514	00	01	89
	1513	00	01	29
	1512	00	02	10
	1511	00	00	61
	1510	00	02	40
	1505	00	02	03
	1509	00	00	18

	1506	00	02	73
	1500	00	00	47
	1170	00	00	33
	1169	00	03	21
	1160	00	02	09
	1166	00	07	87
	1164	00	00	78
	1165	00	02	99
	1163	00	03	40
	1162/6434	00	00	11
	1132	00	00	42
	1127	00	00	49
	1126	00	00	98
	1125	00	00	10
	1128	00	00	88
	1131	00	00	50
	1130	00	00	45
	1129	00	01	39
	1124	00	01	11
	1115	00	01	06
	1116	00	00	84
	1117	00	01	76
	1114	00	02	06
	1070	00	02	32
	1073	00	02	44
	1071	00	00	33
	1072	00	00	54
	1074	00	00	40
	1066	00	01	13
	1063	00	01	77
	1062	00	00	22
	1065	00	00	99

	1064	00	01	17
	1028	00	01	30
	1027	00	00	75
	1026	00	00	59
	1021	00	01	70
	1022	00	00	82
	1025	00	00	10
	1020	00	00	81
	1023	00	00	90
	1024	00	07	01
	684	00	01	99
	685	00	02	26
	686	00	01	17
	684/6443	00	02	41
	683	00	04	19
	678	00	00	15
	682	00	02	59
	679	00	01	35
	680	00	02	33
	681	00	00	96
	667	00	00	34
	700	00	00	76
	699/6913	00	03	99
	699/6914	00	05	74
	800	00	01	96
	799	00	04	80
	793	00	05	98
	795	00	00	10
	792	00	05	07
	791	00	00	70
	781	00	00	51
	782	00	01	15

	780	00	00	17
	783	00	01	20
	778	00	00	10
	776	00	00	29
	777	00	02	81
	773	00	06	17
	771	00	03	15
	772	00	03	13
	770	00	02	73
	6359	00	04	61
	2840	00	07	12
	2839/6921	00	00	10
	2841	00	02	89
	2842	00	01	29
	2845	00	00	10
	2843	00	02	53
	2844	00	02	27
	2847	00	00	61
	3060	00	01	35
	3060/6944	00	03	26
	3060/6950	00	01	09
	3060/6951	00	01	09
	3060/6958	00	00	67
	3060/6959	00	00	67
	3059	00	01	83
	3059/7052	00	06	33
	3059/7050	00	06	33
	3061	00	01	77
	3063	00	00	52
	3064	00	00	54
	3065	00	00	10
	3059/6931	00	06	18

	3059/6932	00	05	69
	3059/6933	00	06	03
	3059/6935	00	11	25
	2921	00	02	20
	2920	00	08	99
	2925	00	00	10
	2934	00	01	96
	2919	00	03	88
	2917	00	00	22
	2916	00	00	64
	2915	00	01	50
	2914	00	01	01
	2913	00	01	55
	2910	00	00	29
	2980	00	01	33
	2979	00	04	92
	2978	00	02	50
	2977	00	02	61
	2953	00	00	10
	2976	00	07	82
	2997	00	04	37
	2975	00	00	57
	2974	00	00	43
	2973	00	00	17
	3001	00	07	07
	3000	00	08	20
	3008	00	02	88
	2321	00	02	13
	6207	00	03	77
	6283	00	06	83
	6284	00	03	82
	6281	00	00	49

	6278	00	00	10
	6282	00	00	55
	6255	00	02	37
घटकुरि	1221	00	02	27
	1222	00	06	26
	1223	00	00	10
	1234	00	04	36
	1249	00	00	27
	1248	00	00	45
	1247	00	02	05
	1269	00	00	84
	1268	00	00	95
	1265/3844	00	02	00
	1285	00	00	81
	1286	00	02	24
	1284	00	00	50
	1290	00	01	31
	1283	00	00	39
	1291	00	01	06
	1313	00	01	33
	1282	00	01	08
	1324	00	00	63
	1317	00	01	11
	1323	00	00	38
	1318	00	01	45
	1322	00	00	36
	1321	00	01	56
	1319	00	00	97
	1320	00	01	03
	1353	00	01	26
	1371	00	01	74
	1354	00	00	54

	1355	00	00	10
	1356	00	00	49
	1369	00	00	45
	1368	00	00	65
	1358	00	02	45
	1367	00	01	07
	1366	00	01	03
	1359	00	00	28
	1365	00	01	88
	1408	00	00	32
	1364	00	02	66
	1422	00	00	13
	1409	00	02	83
	1407	00	00	10
	1410	00	05	74
	1419	00	00	40
	1418	00	00	28
	1417	00	00	45
	1416	00	01	32
	1413	00	00	10
	1414	00	02	27
	1415	00	01	94
	1465	00	00	31
	1464	00	01	33
	1463	00	00	12
	1462	00	01	45
	1461	00	01	40
	1460	00	00	72
	1459	00	00	23
	1458	00	01	30
	1644	00	03	62
	1645	00	03	58

	1641	00	03	09
	1640	00	03	21
	1634	00	02	45
	2561	00	02	98
	2569	00	03	59
	2570	00	03	16
	2587	00	00	15
	2586	00	02	90
	2588	00	00	34
	2589	00	03	72
	2651	00	01	50
	2655	00	01	38
	2654	00	00	50
	2657	00	02	25
	2659	00	00	64
	2658	00	01	36
	2663	00	00	24
	2664	00	03	00
	2668	00	01	25
	2669	00	01	99
	2669/4227	00	00	99
	2692	00	01	71
	2691	00	03	35
	2692/3822	00	01	14
	2690	00	02	91
	2801	00	06	43
	2802	00	00	38
	2803	00	01	88
	2799/3877	00	02	01
	2798	00	01	90
	2797	00	02	26
	2790	00	00	11

	2791	00	01	32
	2786	00	01	74
	2777	00	04	71
	2773	00	00	66
	2775	00	00	83
	2774	00	01	46
	2766	00	00	35
	2765	00	01	37
	2763	00	01	05
	2762	00	01	07
	2761	00	00	97
	2760	00	00	96
	2759	00	01	55
	3373	00	01	95
	3366	00	01	79
	3365	00	01	73
	3363	00	05	87
	3363/3845	00	03	52
	3356	00	01	28
	3357	00	00	39
	3353	00	01	65
	3352	00	01	33
	3351	00	01	54
	3350	00	01	49
	3349	00	01	54
	3348	00	01	60
	3343	00	01	46
	3344	00	01	16
	3341	00	01	37
	3339	00	00	97
	3338	00	01	25
	3333	00	01	57

	3334	00	00	25
	3329	00	01	40
	3327	00	00	86
	3328	00	00	50
	3322	00	00	91
	3320	00	00	55
	3319	00	00	85
	3317	00	01	04
	3316	00	00	14
	3314	00	01	05
	3310	00	02	27
कोटिनडा	757	00	06	11
	756	00	01	36
	758	00	00	19
	1296	00	03	47
	1297	00	03	00
	1298	00	02	83
	1301	00	02	72
	1302	00	02	78
	1341	00	02	73
	1345	00	02	87
	1200	00	04	16
	1201	00	04	18
	1205	00	00	10
	1204	00	00	10
	1203	00	04	28
	1202	00	00	13
	1196	00	02	03
	1195	00	01	55
	1193	00	03	04
	1185	00	02	15
	1184	00	00	46

	1183	00	01	26
	1182	00	01	37
	1181	00	03	24
	1180	00	02	74
	1175	00	01	20
	1175/1499	00	01	95
	1174	00	02	61
	1173	00	04	05
	1172	00	03	55
	1171	00	03	37
	1170	00	03	13
	1162	00	00	95
	1163	00	01	13
	1164	00	00	10
	1154	00	01	99
	1153	00	01	71
	1144	00	02	15
	1143	00	02	04
	1140	00	03	83
	1071	00	03	15
	1091	00	00	45
	1092	00	00	36
	1072	00	03	15
	1090	00	01	60
	1089	00	01	88
	1093	00	00	20
	1085	00	02	22
	1094	00	01	98
	1098	00	02	17
	1097	00	01	03
	1099	00	00	37
	1096	00	00	10

	1101	00	02	60
	1102	00	02	85
	1105	00	04	43
	1106	00	01	92
	1107	00	01	97
	1109	00	04	02
	1110	00	04	08
	1421	00	00	10
	1427	00	05	83
	1426	00	01	96
	1422	00	00	15
	1425	00	02	20
	1423	00	00	10
	1424	00	04	04
भेक्टराइपली	38	00	01	68
	40	00	01	75
	41	00	01	56
	51	00	01	81
	50	00	02	68
	49	00	02	23
	48	00	00	94
	58	00	04	26
	45	00	00	24
	59	00	02	46
	60	00	02	66
	70	00	01	05
	71	00	01	15
	69	00	00	78
	72	00	01	39
	83	00	01	66
	82	00	01	79
	110	00	01	88

	109	00	01	37
	111	00	00	68
	108	00	01	34
	113	00	01	47
	107	00	00	82
	106	00	01	96
	101	00	01	77
	102	00	01	40
	103	00	00	25
	99	00	00	10
	98	00	03	58
	96	00	02	14
	130	00	01	77
	129	00	03	88
	155	00	03	00
	156	00	00	10
	152	00	00	10
	160	00	02	21
	159	00	00	19
	161	00	01	61
	165	00	00	91
	162	00	00	13
	163	00	03	47
	164	00	00	78
	145	00	03	72
	144	00	03	57
	146	00	00	10
	143	00	06	90
	338	00	02	48
	340	00	00	18
	341	00	00	18
	337	00	01	94

	336	00	01	99
	332	00	03	96
	333	00	04	55
	330	00	00	12
	576	00	04	01
	546	00	01	95
	575	00	00	15
	575/2220	00	00	10
	545	00	03	72
	547	00	02	48
	548	00	00	42
	553	00	04	42
	544	00	06	48
	533	00	09	21
	533/2232	00	04	06
	543	00	01	51
	532	00	01	66
	531	00	02	75
	512	00	01	48
	530	00	01	33
	523	00	00	70
	524	00	02	70
	525	00	00	71
	526	00	03	78
	500	00	06	03
	497	00	00	14
	498	00	01	31
	499	00	04	01
	494	00	00	67
मागुर	1979	00	00	96
	1981	00	04	66
	1982	00	04	01

	1978	00	01	82
	1991	00	00	10
	1990	00	09	51
	1989	00	03	36
	1993	00	05	65
	1992	00	02	40
	1948	00	04	54
	1946	00	00	23
तरसिंगि	848	00	01	40
	849	00	07	29
	842	00	00	77
	850	00	00	14
	806	00	00	78
	807	00	01	35
	810	00	00	51
	811	00	00	98
	814	00	01	26
	815	00	00	94
	818	00	01	77
	819	00	02	04
	822	00	02	55
	823	00	01	33
	824	00	00	85
	825	00	00	10
	1114	00	03	54
	1113	00	04	15
	1112	00	04	42
	1109	00	01	09
	1107	00	00	10
	1108	00	04	66
	1631	00	00	25
	1633	00	06	22

	1634	00	04	69
	1562	00	00	41
	1561	00	01	73
	1563	00	02	12
	1566	00	01	87
	1567	00	00	10
	1568	00	02	04
	1569	00	04	09
	1574	00	02	12
	1575	00	01	68
	1576	00	01	20
	1577	00	01	21
	1578	00	01	57
	1579	00	01	76
	1582	00	01	05
	1583	00	05	73
	1584	00	00	57
	1528	00	01	60
	1527	00	06	06
	1526	00	10	04
	1694	00	00	18
	1695	00	05	51
	1699	00	02	05
	1700	00	00	60
	1698	00	01	23
	1701	00	01	71
	1705	00	00	75
	1697	00	00	10
	1702	00	00	90
	1704	00	03	43
	1703	00	00	22
	1709	00	02	72

	1710	00	02	57
	1509	00	01	69
	1510	00	00	20
	1508	00	01	67
	1507	00	03	49
	1500	00	00	78
	1501	00	00	10
	1505	00	01	26
	1504	00	02	29
	1503	00	00	98
	1483	00	00	18
केन्दुपदर	190	00	04	40
	189	00	04	03
	188	00	03	60
	187	00	03	42
	186	00	03	23
	185	00	00	54
	184	00	02	91
	167	00	00	42
	167/2500	00	03	57
	167/2501	00	03	57
	154	00	04	65
	156	00	05	72
	150	00	02	93
	130	00	02	75
	127	00	01	52
	126	00	01	47
	76	00	00	10
	76/2499	00	01	61
	77	00	01	71
	78	00	00	53
	85	00	00	10

	79	00	00	10
	80	00	01	35
	81	00	01	66
	82	00	00	62
	451	00	05	94
	447	00	00	15
	446	00	00	96
	445	00	02	57
	444	00	02	06
	443	00	02	68
	442	00	00	10
	479	00	05	25
	481	00	04	92
	480	00	00	84
	484	00	05	39
	429	00	00	29
	430	00	02	25
	431	00	00	10
	428	00	04	98
	432	00	01	40
	426	00	01	35
	295	00	00	41
	296	00	02	49
	297	00	02	39
	299	00	00	81
	300	00	01	72
	309	00	03	02
	310	00	02	12
	321	00	01	97
	320	00	01	77
	323	00	02	63
	326	00	02	71

	329	00	01	82
	333	00	02	79
	335	00	00	31
	336	00	01	01
	339	00	03	50
	344	00	00	24
	343	00	02	82
	346	00	00	10
	345	00	01	56
	350	00	01	83
	351	00	02	14
	357	00	03	31
	358	00	00	50
	2106	00	00	50
	2103	00	01	58
	2102	00	01	99
	2101	00	02	28
	2104	00	00	10
	2100	00	01	12
	2099	00	09	17
	2117	00	00	10
	2118	00	00	47
	2094	00	03	00
	2095	00	00	44
	2093	00	01	37
	2121	00	13	74
	2119	00	00	44
	2120	00	02	87
मेण्टापड़ा	1812	00	00	44
	1811	00	03	95
	1809	00	00	28
	1810	00	00	51

	1822	00	02	00
	1823	00	00	53
	1824	00	00	52
	1826	00	00	84
	1827	00	00	10
	1830	00	00	89
	1841	00	02	96
	1854	00	00	10
	1855	00	03	10
	1857	00	00	41
	1858	00	00	57
	1856	00	01	08
	1859	00	00	78
	1861	00	00	23
	1860	00	00	36
	1867	00	00	10
	1870	00	00	50
	1869	00	00	65
	1868	00	00	12
	1865	00	00	41
	1873	00	01	31
	1874	00	02	96
	1878	00	04	69
	1891	00	00	89
	1895	00	03	17
	1927	00	09	11
	1933	00	06	48
	1932	00	01	50

[फा. सं. 11025(11)/236/2017-ओआर-I/ई-13717]

पवन कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 26th February, 2018

S.O. 459.— Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, published in the Gazette of India No. 35 Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated 02.09.2017 vide S.O. Number

2023 dated 28.08.2017 issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), (hereinafter referred to as the said Act) the Central Government declared its intension to acquire the right of user in the land situated in Tehsil-Aska, District-Ganjam in Odisha State, specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of petroleum products from Paradip in the State of Odisha to Hyderabad in the State of Telengana by the Indian Oil Corporation Limited for implementing the "Paradip-Hyderabad Pipeline Project".

And whereas the copies of the Gazette were made available to the public. And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of section 6 of the said Act, has submitted his report of Central Government;

And whereas, the Central Government after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire right of the user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user of the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vests on the date of publication of the declaration, in Indian Oil Corporation Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : ASKA	District : GANJAM	State : ODISHA		
Name of the Village	Plot No.	Area		
		Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5
KHARIA	1544	00	02	11
	1542	00	18	41
	1610	00	03	65
	1523	00	00	20
	1522	00	00	15
	1521	00	00	46
	1520	00	00	42
	1518	00	00	10
	1519	00	00	37
	1515	00	00	94
	1514	00	01	89
	1513	00	01	29
	1512	00	02	10
	1511	00	00	61
	1510	00	02	40
	1505	00	02	03
	1509	00	00	18
	1506	00	02	73
	1500	00	00	47
	1170	00	00	33
	1169	00	03	21
	1160	00	02	09
	1166	00	07	87
	1164	00	00	78

	1165	00	02	99
	1163	00	03	40
	1162/6434	00	00	11
	1132	00	00	42
	1127	00	00	49
	1126	00	00	98
	1125	00	00	10
	1128	00	00	88
	1131	00	00	50
	1130	00	00	45
	1129	00	01	39
	1124	00	01	11
	1115	00	01	06
	1116	00	00	84
	1117	00	01	76
	1114	00	02	06
	1070	00	02	32
	1073	00	02	44
	1071	00	00	33
	1072	00	00	54
	1074	00	00	40
	1066	00	01	13
	1063	00	01	77
	1062	00	00	22
	1065	00	00	99
	1064	00	01	17
	1028	00	01	30
	1027	00	00	75
	1026	00	00	59
	1021	00	01	70
	1022	00	00	82
	1025	00	00	10
	1020	00	00	81
	1023	00	00	90
	1024	00	07	01
	684	00	01	99
	685	00	02	26
	686	00	01	17
	684/6443	00	02	41
	683	00	04	19
	678	00	00	15
	682	00	02	59
	679	00	01	35

	680	00	02	33
	681	00	00	96
	667	00	00	34
	700	00	00	76
	699/6913	00	03	99
	699/6914	00	05	74
	800	00	01	96
	799	00	04	80
	793	00	05	98
	795	00	00	10
	792	00	05	07
	791	00	00	70
	781	00	00	51
	782	00	01	15
	780	00	00	17
	783	00	01	20
	778	00	00	10
	776	00	00	29
	777	00	02	81
	773	00	06	17
	771	00	03	15
	772	00	03	13
	770	00	02	73
	6359	00	04	61
	2840	00	07	12
	2839/6921	00	00	10
	2841	00	02	89
	2842	00	01	29
	2845	00	00	10
	2843	00	02	53
	2844	00	02	27
	2847	00	00	61
	3060	00	01	35
	3060/6944	00	03	26
	3060/6950	00	01	09
	3060/6951	00	01	09
	3060/6958	00	00	67
	3060/6959	00	00	67
	3059	00	01	83
	3059/7052	00	06	33
	3059/7050	00	06	33
	3061	00	01	77
	3063	00	00	52

	3064	00	00	54
	3065	00	00	10
	3059/6931	00	06	18
	3059/6932	00	05	69
	3059/6933	00	06	03
	3059/6935	00	11	25
	2921	00	02	20
	2920	00	08	99
	2925	00	00	10
	2934	00	01	96
	2919	00	03	88
	2917	00	00	22
	2916	00	00	64
	2915	00	01	50
	2914	00	01	01
	2913	00	01	55
	2910	00	00	29
	2980	00	01	33
	2979	00	04	92
	2978	00	02	50
	2977	00	02	61
	2953	00	00	10
	2976	00	07	82
	2997	00	04	37
	2975	00	00	57
	2974	00	00	43
	2973	00	00	17
	3001	00	07	07
	3000	00	08	20
	3008	00	02	88
	2321	00	02	13
	6207	00	03	77
	6283	00	06	83
	6284	00	03	82
	6281	00	00	49
	6278	00	00	10
	6282	00	00	55
	6255	00	02	37
GHATAKURI	1221	00	02	27
	1222	00	06	26
	1223	00	00	10
	1234	00	04	36
	1249	00	00	27

	1248	00	00	45
	1247	00	02	05
	1269	00	00	84
	1268	00	00	95
	1265/3844	00	02	00
	1285	00	00	81
	1286	00	02	24
	1284	00	00	50
	1290	00	01	31
	1283	00	00	39
	1291	00	01	06
	1313	00	01	33
	1282	00	01	08
	1324	00	00	63
	1317	00	01	11
	1323	00	00	38
	1318	00	01	45
	1322	00	00	36
	1321	00	01	56
	1319	00	00	97
	1320	00	01	03
	1353	00	01	26
	1371	00	01	74
	1354	00	00	54
	1355	00	00	10
	1356	00	00	49
	1369	00	00	45
	1368	00	00	65
	1358	00	02	45
	1367	00	01	07
	1366	00	01	03
	1359	00	00	28
	1365	00	01	88
	1408	00	00	32
	1364	00	02	66
	1422	00	00	13
	1409	00	02	83
	1407	00	00	10
	1410	00	05	74
	1419	00	00	40
	1418	00	00	28
	1417	00	00	45
	1416	00	01	32

	1413	00	00	10
	1414	00	02	27
	1415	00	01	94
	1465	00	00	31
	1464	00	01	33
	1463	00	00	12
	1462	00	01	45
	1461	00	01	40
	1460	00	00	72
	1459	00	00	23
	1458	00	01	30
	1644	00	03	62
	1645	00	03	58
	1641	00	03	09
	1640	00	03	21
	1634	00	02	45
	2561	00	02	98
	2569	00	03	59
	2570	00	03	16
	2587	00	00	15
	2586	00	02	90
	2588	00	00	34
	2589	00	03	72
	2651	00	01	50
	2655	00	01	38
	2654	00	00	50
	2657	00	02	25
	2659	00	00	64
	2658	00	01	36
	2663	00	00	24
	2664	00	03	00
	2668	00	01	25
	2669	00	01	99
	2669/4227	00	00	99
	2692	00	01	71
	2691	00	03	35
	2692/3822	00	01	14
	2690	00	02	91
	2801	00	06	43
	2802	00	00	38
	2803	00	01	88
	2799/3877	00	02	01
	2798	00	01	90

	2797	00	02	26
	2790	00	00	11
	2791	00	01	32
	2786	00	01	74
	2777	00	04	71
	2773	00	00	66
	2775	00	00	83
	2774	00	01	46
	2766	00	00	35
	2765	00	01	37
	2763	00	01	05
	2762	00	01	07
	2761	00	00	97
	2760	00	00	96
	2759	00	01	55
	3373	00	01	95
	3366	00	01	79
	3365	00	01	73
	3363	00	05	87
	3363/3845	00	03	52
	3356	00	01	28
	3357	00	00	39
	3353	00	01	65
	3352	00	01	33
	3351	00	01	54
	3350	00	01	49
	3349	00	01	54
	3348	00	01	60
	3343	00	01	46
	3344	00	01	16
	3341	00	01	37
	3339	00	00	97
	3338	00	01	25
	3333	00	01	57
	3334	00	00	25
	3329	00	01	40
	3327	00	00	86
	3328	00	00	50
	3322	00	00	91
	3320	00	00	55
	3319	00	00	85
	3317	00	01	04
	3316	00	00	14

	3314	00	01	05
	3310	00	02	27
KOTINADA	757	00	06	11
	756	00	01	36
	758	00	00	19
	1296	00	03	47
	1297	00	03	00
	1298	00	02	83
	1301	00	02	72
	1302	00	02	78
	1341	00	02	73
	1345	00	02	87
	1200	00	04	16
	1201	00	04	18
	1205	00	00	10
	1204	00	00	10
	1203	00	04	28
	1202	00	00	13
	1196	00	02	03
	1195	00	01	55
	1193	00	03	04
	1185	00	02	15
	1184	00	00	46
	1183	00	01	26
	1182	00	01	37
	1181	00	03	24
	1180	00	02	74
	1175	00	01	20
	1175/1499	00	01	95
	1174	00	02	61
	1173	00	04	05
	1172	00	03	55
	1171	00	03	37
	1170	00	03	13
	1162	00	00	95
	1163	00	01	13
	1164	00	00	10
	1154	00	01	99
	1153	00	01	71
	1144	00	02	15
	1143	00	02	04
	1140	00	03	83
	1071	00	03	15
	1091	00	00	45

	1092	00	00	36
	1072	00	03	15
	1090	00	01	60
	1089	00	01	88
	1093	00	00	20
	1085	00	02	22
	1094	00	01	98
	1098	00	02	17
	1097	00	01	03
	1099	00	00	37
	1096	00	00	10
	1101	00	02	60
	1102	00	02	85
	1105	00	04	43
	1106	00	01	92
	1107	00	01	97
	1109	00	04	02
	1110	00	04	08
	1421	00	00	10
	1427	00	05	83
	1426	00	01	96
	1422	00	00	15
	1425	00	02	20
	1423	00	00	10
	1424	00	04	04
VENKATARAIPALLI	38	00	01	68
	40	00	01	75
	41	00	01	56
	51	00	01	81
	50	00	02	68
	49	00	02	23
	48	00	00	94
	58	00	04	26
	45	00	00	24
	59	00	02	46
	60	00	02	66
	70	00	01	05
	71	00	01	15
	69	00	00	78
	72	00	01	39
	83	00	01	66
	82	00	01	79
	110	00	01	88
	109	00	01	37

	111	00	00	68
	108	00	01	34
	113	00	01	47
	107	00	00	82
	106	00	01	96
	101	00	01	77
	102	00	01	40
	103	00	00	25
	99	00	00	10
	98	00	03	58
	96	00	02	14
	130	00	01	77
	129	00	03	88
	155	00	03	00
	156	00	00	10
	152	00	00	10
	160	00	02	21
	159	00	00	19
	161	00	01	61
	165	00	00	91
	162	00	00	13
	163	00	03	47
	164	00	00	78
	145	00	03	72
	144	00	03	57
	146	00	00	10
	143	00	06	90
	338	00	02	48
	340	00	00	18
	341	00	00	18
	337	00	01	94
	336	00	01	99
	332	00	03	96
	333	00	04	55
	330	00	00	12
	576	00	04	01
	546	00	01	95
	575	00	00	15
	575/2220	00	00	10
	545	00	03	72
	547	00	02	48
	548	00	00	42
	553	00	04	42
	544	00	06	48

	533	00	09	21
	533/2232	00	04	06
	543	00	01	51
	532	00	01	66
	531	00	02	75
	512	00	01	48
	530	00	01	33
	523	00	00	70
	524	00	02	70
	525	00	00	71
	526	00	03	78
	500	00	06	03
	497	00	00	14
	498	00	01	31
	499	00	04	01
	494	00	00	67
MAGURA	1979	00	00	96
	1981	00	04	66
	1982	00	04	01
	1978	00	01	82
	1991	00	00	10
	1990	00	09	51
	1989	00	03	36
	1993	00	05	65
	1992	00	02	40
	1948	00	04	54
	1946	00	00	23
TARASINGI	848	00	01	40
	849	00	07	29
	842	00	00	77
	850	00	00	14
	806	00	00	78
	807	00	01	35
	810	00	00	51
	811	00	00	98
	814	00	01	26
	815	00	00	94
	818	00	01	77
	819	00	02	04
	822	00	02	55
	823	00	01	33
	824	00	00	85
	825	00	00	10
	1114	00	03	54

	1113	00	04	15
	1112	00	04	42
	1109	00	01	09
	1107	00	00	10
	1108	00	04	66
	1631	00	00	25
	1633	00	06	22
	1634	00	04	69
	1562	00	00	41
	1561	00	01	73
	1563	00	02	12
	1566	00	01	87
	1567	00	00	10
	1568	00	02	04
	1569	00	04	09
	1574	00	02	12
	1575	00	01	68
	1576	00	01	20
	1577	00	01	21
	1578	00	01	57
	1579	00	01	76
	1582	00	01	05
	1583	00	05	73
	1584	00	00	57
	1528	00	01	60
	1527	00	06	06
	1526	00	10	04
	1694	00	00	18
	1695	00	05	51
	1699	00	02	05
	1700	00	00	60
	1698	00	01	23
	1701	00	01	71
	1705	00	00	75
	1697	00	00	10
	1702	00	00	90
	1704	00	03	43
	1703	00	00	22
	1709	00	02	72
	1710	00	02	57
	1509	00	01	69
	1510	00	00	20
	1508	00	01	67
	1507	00	03	49

	1500	00	00	78
	1501	00	00	10
	1505	00	01	26
	1504	00	02	29
	1503	00	00	98
	1483	00	00	18
KENDUPADARA	190	00	04	40
	189	00	04	03
	188	00	03	60
	187	00	03	42
	186	00	03	23
	185	00	00	54
	184	00	02	91
	167	00	00	42
	167/2500	00	03	57
	167/2501	00	03	57
	154	00	04	65
	156	00	05	72
	150	00	02	93
	130	00	02	75
	127	00	01	52
	126	00	01	47
	76	00	00	10
	76/2499	00	01	61
	77	00	01	71
	78	00	00	53
	85	00	00	10
	79	00	00	10
	80	00	01	35
	81	00	01	66
	82	00	00	62
	451	00	05	94
	447	00	00	15
	446	00	00	96
	445	00	02	57
	444	00	02	06
	443	00	02	68
	442	00	00	10
	479	00	05	25
	481	00	04	92
	480	00	00	84
	484	00	05	39
	429	00	00	29
	430	00	02	25

	431	00	00	10
	428	00	04	98
	432	00	01	40
	426	00	01	35
	295	00	00	41
	296	00	02	49
	297	00	02	39
	299	00	00	81
	300	00	01	72
	309	00	03	02
	310	00	02	12
	321	00	01	97
	320	00	01	77
	323	00	02	63
	326	00	02	71
	329	00	01	82
	333	00	02	79
	335	00	00	31
	336	00	01	01
	339	00	03	50
	344	00	00	24
	343	00	02	82
	346	00	00	10
	345	00	01	56
	350	00	01	83
	351	00	02	14
	357	00	03	31
	358	00	00	50
	2106	00	00	50
	2103	00	01	58
	2102	00	01	99
	2101	00	02	28
	2104	00	00	10
	2100	00	01	12
	2099	00	09	17
	2117	00	00	10
	2118	00	00	47
	2094	00	03	00
	2095	00	00	44

	2093	00	01	37
	2121	00	13	74
	2119	00	00	44
	2120	00	02	87
MENTAPADA	1812	00	00	44
	1811	00	03	95
	1809	00	00	28
	1810	00	00	51
	1822	00	02	00
	1823	00	00	53
	1824	00	00	52
	1826	00	00	84
	1827	00	00	10
	1830	00	00	89
	1841	00	02	96
	1854	00	00	10
	1855	00	03	10
	1857	00	00	41
	1858	00	00	57
	1856	00	01	08
	1859	00	00	78
	1861	00	00	23
	1860	00	00	36
	1867	00	00	10
	1870	00	00	50
	1869	00	00	65
	1868	00	00	12
	1865	00	00	41
	1873	00	01	31
	1874	00	02	96
	1878	00	04	69
	1891	00	00	89
	1895	00	03	17
	1927	00	09	11
	1933	00	06	48
	1932	00	01	50

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 2018

का.आ. 460.— केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई, भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. 2021 तारीख 28.08.2017 जिसका प्रकाशन भारत के राजपत्र संख्या 35, भाग-II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) तारीख 02.09.2017 में किया गया है। इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट ओडिशा राज्य के तहसील : **हिंजिलिकाटु**, जिला : **गंजाम** की भूमि में, ओडिशा राज्य में पारादीप से तेलंगाना राज्य में हैदराबाद तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे "पारादीप-हैदराबाद पाइपलाइन परियोजना" के संबंध में पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के लिये अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं। और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाए; और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का श्रवण करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी बिल्लगमों से मुक्त होकर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील- हिंजिलिकाटु	जिला - गंजाम	राज्य -ओडिशा		
गाँव का नाम	प्लॉट नं.		क्षेत्रफल	
		हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5
पुडिंग	40	00	00	10
	39	00	03	41
	35	00	06	44
	36	00	00	89
	34	00	00	77
	2397	00	01	97
	2396	00	00	34
	2398	00	00	10
	2399	00	03	31
	2395	00	00	83
	2392	00	05	25
	2393	00	02	03

	2391	00	00	93
	2389	00	08	60
	2390	00	00	10
	2390/4159	00	00	10
	2388	00	00	10
	2387	00	01	47
	2362	00	00	16
	1606	00	03	77
	2361	00	06	37
	1607	00	00	93
	2359	00	00	30
	1608	00	03	55
	1609	00	04	88
	1610	00	01	26
	2173	00	07	79
	2174	00	13	45
	2169	00	00	10
	2177	00	03	32
	2176	00	01	06
	2178	00	05	11
	2186	00	01	78
	2184	00	03	15
	2185	00	04	46
	2203	00	08	94
	2201	00	04	56
	2196	00	00	29
	2200	00	01	09
	2197	00	05	52
	2199	00	01	08

	2198	00	02	23
	2215	00	00	10
	2215/3967	00	00	10
	2112	00	02	34
	2116	00	03	71
	2111	00	01	26
	2117	00	01	77
	2118	00	03	43
	2095	00	07	14
	2097	00	00	57
	2096	00	03	47
	2100	00	02	98
	2081	00	00	22
	2080	00	04	19
	2077	00	03	71
	2075	00	00	10
	2074	00	02	87
	2070/3226	00	03	88
	2072	00	02	74
	2066	00	00	10
	2065	00	04	51
	2064	00	00	19
	2064/4055	00	00	63
	2637	00	00	10
	2638	00	03	54
	2670	00	03	71
	2669	00	01	26
	2669/3958	00	01	33
	2671	00	00	63

	2668	00	05	64
	2675	00	00	26
	2676	00	10	76
	2678	00	01	16
	2680	00	05	54
	2682	00	02	24
	2823	00	01	98
	2817	00	02	66
	2816	00	00	21
	2818	00	05	33
	2815	00	00	10
	2819	00	02	03
	2814	00	02	23
	2820	00	00	23
	2813	00	02	83
	2812	00	04	06
	2811	00	00	25
	2841	00	04	88
	2840	00	02	83
	2837	00	00	95
	2843	00	05	69
	2846	00	00	17
	2845	00	03	36
	2844	00	04	68
	2855	00	00	56
	2861	00	03	46
	2857	00	00	10
	2860	00	01	36
	2883	00	03	45

	2864	00	06	86
	2872	00	02	99
	2866	00	01	28
	2867	00	02	68
	2868	00	08	12
	2869	00	03	20
	2997	00	03	30
	2998	00	01	09
	2999	00	05	74
	3000	00	05	49
	3002/3899	00	00	94
	3007	00	02	02
	3008	00	09	84
	3012	00	00	83
	3012/3870	00	02	10
सिंगिपुर	53	00	03	35
	56	00	01	49
	55	00	01	49
	54	00	01	16
	66	00	03	04
	67	00	00	87
	72	00	00	14
	71	00	00	76
	70	00	04	66
	69	00	01	33
	80	00	05	70
	81	00	00	10
	1316/1888	00	03	25
	1307	00	00	35

	1308	00	04	11
	1308/2010	00	03	14
	1314	00	00	18
	1313	00	05	00
	1381	00	01	45
	1312	00	00	29
	1382	00	02	03
	1390	00	01	51
	1383	00	00	63
	1389	00	02	62
	1388	00	00	14
	1397	00	06	46
	1405	00	01	42
	1410	00	03	11
	1404	00	01	42
	1415	00	03	04
	1414	00	08	13
	1429	00	00	21
	1430	00	01	15
	1431	00	02	16
	1434	00	02	88
	1435	00	03	53
	1436	00	03	06
	1439	00	01	20
	1437	00	00	30
	1438	00	01	83
	1438/1927	00	01	12
	1450	00	00	87
	1219	00	00	10

	1218	00	03	35
	1451	00	03	01
	1452	00	00	24
	1212	00	02	05
	1211	00	00	81
	1213	00	02	00
	1210	00	00	10
	1214	00	00	14
	1209	00	02	18
	1208	00	01	93
	1207	00	00	43
	1128	00	00	14
	1130	00	02	32
	1131	00	01	30
	1132	00	00	10
	1133	00	03	18
	1191	00	01	89
	1187	00	10	73
	1186	00	00	54
	1185	00	00	10
	1182	00	03	00
	1181	00	02	79
	1180	00	03	42
	1164	00	00	92
	1165	00	01	00
	1173	00	02	07
	1172	00	02	04
	1167	00	00	69
	1168	00	00	44

	1169	00	00	32
	1170	00	00	10
	1171	00	08	57
	1171/1900	00	03	62
	1530	00	04	55
	1539	00	01	03
	1538	00	02	72
	1538/2003	00	03	96
	1538/1903	00	03	05
	1537	00	00	10
	1546	00	12	00
	1554	00	00	81
	1571	00	01	63
	1555	00	02	49
	1555/2004	00	01	74
	1569	00	00	10
	1568	00	04	77
	1566	00	00	84
	1567	00	01	22
	1576	00	01	05
	1577	00	02	54
	1575	00	03	10
	1582	00	06	34
	1585	00	00	15
	1584	00	00	28
	1583	00	06	62
	1599	00	06	18
	1596	00	00	12
	1598	00	06	19

	1615	00	05	37
	1616	00	04	64
	1623	00	04	43
	1624	00	05	34
	1625	00	08	68
	1633	00	01	12
	1632	00	00	70
	1631	00	04	85
	1630	00	00	59
	1637	00	02	40
	1637/2052	00	02	39
	1636	00	00	10
	1645	00	03	59
	1649	00	05	09
	1648	00	04	22
	1651	00	00	23
हिजिलि	3520	00	09	97
	3523	00	04	96
समपुर	167	00	02	30
	154/1452	00	05	76
	154	00	00	10
	153	00	00	32
	154/1451	00	02	65
	166/1830	00	00	15
	158	00	03	00
	157	00	03	82
	156	00	04	44
	155	00	00	40
	155/1769	00	00	24

	155/1759	00	00	11
	159	00	03	55
	312	00	01	31
	311	00	02	76
	310	00	01	16
	310/1394	00	00	85
	309	00	02	37
	309/1460	00	01	48
	308	00	00	76
	308/1467	00	03	00
	307	00	05	32
	269/1781	00	00	17
	269/1782	00	00	21
	269/1783	00	00	10
	255	00	04	64
	255/2042	00	06	59
	256/1293	00	00	10
	256/1386	00	03	32
	256	00	00	22
	256/1686/2124	00	00	10
	257	00	07	60
	461	00	09	08
	462	00	01	20
	462/1749	00	01	49
	464	00	05	49
	463/1469	00	01	71
	474	00	01	00
	473	00	00	90
	476	00	00	40

	478	00	00	18
	477	00	01	12
	477/1797	00	01	12
	477/1824	00	02	61
	488	00	08	91
	488/1961	00	02	34
	488/1962	00	02	20
	489	00	09	25
पोन्चिलिमा	131	00	01	89
	130	00	07	86
	134/2675	00	08	70
	134/2843	00	01	07
	129	00	00	64
	129/2842	00	00	65
	127	00	02	55
	135	00	07	63
	136/2669	00	04	25
	136	00	01	24
	137	00	00	10
	116	00	02	07
	116/2855	00	02	67
	138	00	05	08
	115	00	00	83
	139	00	03	75
	114	00	00	64
	112	00	09	11
	110	00	03	27
	111	00	03	78
	103	00	04	63

	103/2660	00	02	74
	104	00	00	67
	106/2674	00	04	02
	106	00	04	00
	1479	00	07	28
	1476	00	04	09
	1476/2784	00	02	88
	1476/2785	00	02	88
	1476/2831	00	01	44
	1476/2832	00	01	44
	1476/2833	00	00	45
	1476/2834	00	00	72
	1476/2835	00	00	72
	1476/3786	00	00	41
	1471	00	04	40
	1471/2814	00	07	46
	1475	00	08	26
	1505	00	19	41
	1516	00	02	96
	1515	00	00	10
	1569	00	00	91
	1622	00	01	65
	1620	00	04	92
	1621	00	08	35
	1619	00	00	46
	1613/2683	00	00	70
	1628	00	08	87
	1629	00	00	50
	1630/2656	00	06	85

	1630/2657	00	05	66
	1630/2218	00	00	46
	1635	00	03	39
	1634	00	03	13
	1636	00	01	03
	1681	00	01	38
	1682	00	01	14
	1680	00	16	01
	1679	00	04	90
	1677	00	04	89
	1671	00	06	55
	1676	00	01	21
	1676/2817	00	00	74
	1672	00	06	79
	1667	00	10	93
	1666	00	01	04
	1664	00	00	14
मकरझोल	498	00	05	69
	499	00	09	71
	493	00	04	67
	492	00	04	38
	490	00	04	24
	489	00	02	85
	486	00	00	10
	485	00	09	65
	487/9293	00	01	94
	482	00	04	86
	481	00	02	48
	307/8626	00	06	08

	320	00	02	01
	321	00	03	99
	319	00	00	10
	322	00	17	82
	323	00	08	88
	327	00	04	13
	330	00	00	60
	329	00	01	04
	328	00	02	81
	327/9295	00	02	11
	338	00	04	78
	341	00	03	92
	339	00	00	35
	340	00	00	74
	285	00	13	51
	292	00	00	31
	286	00	02	24
	273	00	02	35
	281	00	04	99
	280	00	02	77
	279	00	04	12
	278	00	03	00
	3700	00	01	61
	3699	00	04	03
	3701/8358	00	00	46
	3805	00	07	57
	3806	00	02	86
	3803	00	03	46
	3798	00	11	77

	3799	00	00	14
	3795	00	00	13
	3796	00	01	42
	3797	00	00	97
	3788	00	00	10
	3789	00	01	31
	3782	00	01	66
	3775	00	02	00
	3778	00	00	20
	3764/8717	00	01	75
	3764	00	00	12
	3756	00	01	00
	3756/8653	00	02	59
	4132	00	00	87
	3756/8431	00	00	97
	4128	00	00	42
	4131/8531	00	00	55
	4131	00	00	20
	4130	00	00	21
	4129	00	00	69
	4154	00	01	18
	4153	00	00	25
	4156	00	00	10
	4155/8640	00	00	90
	4155	00	00	52
	4171	00	00	86
	4170	00	00	48
	4185	00	00	12
	4184/8720	00	00	66

	4184	00	00	87
	4183	00	00	69
	4263	00	00	84
	4264/9220	00	00	10
	4283/9221	00	00	22
	4262	00	00	98
	4285	00	00	96
	4285/9223	00	00	30
	4284	00	00	54
	4287	00	00	85
	4286	00	00	47
	4234	00	01	38
	4233	00	02	56
	4301	00	00	10
	4315	00	00	20
	4316	00	00	46
	4223	00	00	10
	4332	00	02	24
	4331	00	00	63
	4349	00	00	10
	4348	00	01	79
	4347	00	01	46
	4346	00	00	51
	4359	00	01	28
	4378	00	00	25
	4377	00	00	38
	4381	00	00	46
	4382	00	00	10
	4383	00	00	22

	4380	00	00	72
	4379	00	00	22
	4388	00	00	64
	4387	00	00	69
	4386	00	00	81
	4394	00	00	62
	4393	00	00	54
	4402	00	00	50
	4401	00	00	81
	4405	00	00	85
	4406	00	02	73
	4407	00	00	38
	4442	00	06	47
	4469	00	01	03
	4485	00	03	98
	4468	00	00	26
	4467	00	00	10
	4457	00	00	76
	4459	00	04	62
	4456	00	00	93
	4460	00	01	28
	4453	00	01	74
	4461	00	00	75
	4462	00	01	47
	4455	00	01	89
	4454	00	02	25
	4463	00	00	31
	4464	00	00	74
	4522	00	02	76

	4523	00	01	67
	4518	00	00	20
	4521	00	01	14
	4535	00	01	53
	4520	00	01	73
	4519	00	01	80
	4536	00	01	81
	4545	00	03	86
	4544	00	02	33
	4543	00	08	09
	4542	00	00	13
	4925	00	05	07
	4926/8491	00	00	36
	4927	00	01	11
	4926	00	00	22
	4937	00	03	76
	4945	00	03	95
	4946	00	03	73
	4944	00	00	10
	4947	00	00	17
	4348	00	01	22
	4949	00	02	80
	4954	00	11	09
	4956	00	00	15
	6807	00	04	40
	6806	00	00	39
	6805	00	02	04
	6759	00	00	44
	6760	00	01	18

	6803	00	04	28
	6761	00	02	48
	6801	00	00	77
	6762	00	04	76
	6763	00	00	10
	6765	00	00	36
	6800	00	00	17
	6766	00	10	27
	6775	00	00	62
	6774	00	00	64
	6767	00	04	19
	6768	00	02	03
	6769	00	00	94
	6751	00	03	46
	6751/9378	00	00	48
	6750	00	02	80
	6211	00	01	76
	6212	00	00	57
	6214	00	00	10
	6213	00	02	45
	6227	00	01	74
	6226	00	08	25
	6228	00	00	32
	6396	00	00	77
	6395	00	04	85
	6394	00	02	32
	6400	00	00	26
	6401	00	01	38
	6401/8282	00	01	68

	6391	00	00	10
	6388/8312	00	01	21
	739/8388	00	01	91
	6907/8387	00	02	80
	5939/8384	00	02	41
	6385	00	00	40
	6383	00	07	35
	6382	00	02	20
	6381	00	00	10
	6258	00	00	10
	6310	00	03	75
	6311	00	03	09
	6318	00	02	13
	6317	00	03	21
	6315	00	03	60
	6314	00	00	39
बड़खण्डि	49	00	00	95
	8	00	05	65
	9	00	00	20
	7	00	01	72
	6	00	01	15
	5	00	00	85
	4	00	00	57
	27	00	00	30
	10	00	00	94
	11	00	02	69
	12	00	05	39
	13	00	00	85
	14	00	02	80

	15	00	01	78
	23	00	01	16
	16	00	00	83
	17	00	00	71
	20	00	00	92
	21	00	06	91
	22	00	00	43
	19/7266	00	00	54
	19	00	00	69
	18	00	00	61

[फा. सं. 11025(11)/236/2017-ओआर-I/ई-13717]

पवन कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 26th February, 2018

S.O. 460.— Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, published in the Gazette of India No. 35 Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated 02.09.2017 vide S.O. Number 2021 dated 28.08.2017 issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), (hereinafter referred to as the said Act) the Central Government declared its intension to acquire the right of user in the land situated in Tehsil-Hinjilikatu, District-Ganjam in Odisha State, specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of petroleum products from Paradip in the State of Odisha to Hyderabad in the State of Telengana by the Indian Oil Corporation Limited for implementing the “Paradip-Hyderabad Pipeline Project”.

And whereas the copies of the Gazette were made available to the public. And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of section 6 of the said Act, has submitted his report of Central Government;

And whereas, the Central Government after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire right of the user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user of the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vests on the date of publication of the declaration, in Indian Oil Corporation Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil: HINJILIKATU	District : GANJAM	State : ODISHA		
Name of the Village	Plot No.	Area		
		Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5
PUDING	40	00	00	10
	39	00	03	41
	35	00	06	44
	36	00	00	89

	34	00	00	77
	2397	00	01	97
	2396	00	00	34
	2398	00	00	10
	2399	00	03	31
	2395	00	00	83
	2392	00	05	25
	2393	00	02	03
	2391	00	00	93
	2389	00	08	60
	2390	00	00	10
	2390/4159	00	00	10
	2388	00	00	10
	2387	00	01	47
	2362	00	00	16
	1606	00	03	77
	2361	00	06	37
	1607	00	00	93
	2359	00	00	30
	1608	00	03	55
	1609	00	04	88
	1610	00	01	26
	2173	00	07	79
	2174	00	13	45
	2169	00	00	10
	2177	00	03	32
	2176	00	01	06
	2178	00	05	11
	2186	00	01	78
	2184	00	03	15
	2185	00	04	46
	2203	00	08	94
	2201	00	04	56
	2196	00	00	29
	2200	00	01	09
	2197	00	05	52
	2199	00	01	08
	2198	00	02	23
	2215	00	00	10

	2215/3967	00	00	10
	2112	00	02	34
	2116	00	03	71
	2111	00	01	26
	2117	00	01	77
	2118	00	03	43
	2095	00	07	14
	2097	00	00	57
	2096	00	03	47
	2100	00	02	98
	2081	00	00	22
	2080	00	04	19
	2077	00	03	71
	2075	00	00	10
	2074	00	02	87
	2070/3226	00	03	88
	2072	00	02	74
	2066	00	00	10
	2065	00	04	51
	2064	00	00	19
	2064/4055	00	00	63
	2637	00	00	10
	2638	00	03	54
	2670	00	03	71
	2669	00	01	26
	2669/3958	00	01	33
	2671	00	00	63
	2668	00	05	64
	2675	00	00	26
	2676	00	10	76
	2678	00	01	16
	2680	00	05	54
	2682	00	02	24
	2823	00	01	98
	2817	00	02	66
	2816	00	00	21
	2818	00	05	33
	2815	00	00	10
	2819	00	02	03

	2814	00	02	23
	2820	00	00	23
	2813	00	02	83
	2812	00	04	06
	2811	00	00	25
	2841	00	04	88
	2840	00	02	83
	2837	00	00	95
	2843	00	05	69
	2846	00	00	17
	2845	00	03	36
	2844	00	04	68
	2855	00	00	56
	2861	00	03	46
	2857	00	00	10
	2860	00	01	36
	2883	00	03	45
	2864	00	06	86
	2872	00	02	99
	2866	00	01	28
	2867	00	02	68
	2868	00	08	12
	2869	00	03	20
	2997	00	03	30
	2998	00	01	09
	2999	00	05	74
	3000	00	05	49
	3002/3899	00	00	94
	3007	00	02	02
	3008	00	09	84
	3012	00	00	83
	3012/3870	00	02	10
SINGIPUR	53	00	03	35
	56	00	01	49
	55	00	01	49
	54	00	01	16
	66	00	03	04
	67	00	00	87
	72	00	00	14

	71	00	00	76
	70	00	04	66
	69	00	01	33
	80	00	05	70
	81	00	00	10
	1316/1888	00	03	25
	1307	00	00	35
	1308	00	04	11
	1308/2010	00	03	14
	1314	00	00	18
	1313	00	05	00
	1381	00	01	45
	1312	00	00	29
	1382	00	02	03
	1390	00	01	51
	1383	00	00	63
	1389	00	02	62
	1388	00	00	14
	1397	00	06	46
	1405	00	01	42
	1410	00	03	11
	1404	00	01	42
	1415	00	03	04
	1414	00	08	13
	1429	00	00	21
	1430	00	01	15
	1431	00	02	16
	1434	00	02	88
	1435	00	03	53
	1436	00	03	06
	1439	00	01	20
	1437	00	00	30
	1438	00	01	83
	1438/1927	00	01	12
	1450	00	00	87
	1219	00	00	10
	1218	00	03	35
	1451	00	03	01
	1452	00	00	24

	1212	00	02	05
	1211	00	00	81
	1213	00	02	00
	1210	00	00	10
	1214	00	00	14
	1209	00	02	18
	1208	00	01	93
	1207	00	00	43
	1128	00	00	14
	1130	00	02	32
	1131	00	01	30
	1132	00	00	10
	1133	00	03	18
	1191	00	01	89
	1187	00	10	73
	1186	00	00	54
	1185	00	00	10
	1182	00	03	00
	1181	00	02	79
	1180	00	03	42
	1164	00	00	92
	1165	00	01	00
	1173	00	02	07
	1172	00	02	04
	1167	00	00	69
	1168	00	00	44
	1169	00	00	32
	1170	00	00	10
	1171	00	08	57
	1171/1900	00	03	62
	1530	00	04	55
	1539	00	01	03
	1538	00	02	72
	1538/2003	00	03	96
	1538/1903	00	03	05
	1537	00	00	10
	1546	00	12	00
	1554	00	00	81
	1571	00	01	63

	1555	00	02	49
	1555/2004	00	01	74
	1569	00	00	10
	1568	00	04	77
	1566	00	00	84
	1567	00	01	22
	1576	00	01	05
	1577	00	02	54
	1575	00	03	10
	1582	00	06	34
	1585	00	00	15
	1584	00	00	28
	1583	00	06	62
	1599	00	06	18
	1596	00	00	12
	1598	00	06	19
	1615	00	05	37
	1616	00	04	64
	1623	00	04	43
	1624	00	05	34
	1625	00	08	68
	1633	00	01	12
	1632	00	00	70
	1631	00	04	85
	1630	00	00	59
	1637	00	02	40
	1637/2052	00	02	39
	1636	00	00	10
	1645	00	03	59
	1649	00	05	09
	1648	00	04	22
	1651	00	00	23
HINJILI	3520	00	09	97
	3523	00	04	96
SAMPUR	167	00	02	30
	154/1452	00	05	76
	154	00	00	10
	153	00	00	32
	154/1451	00	02	65

	166/1830	00	00	15
	158	00	03	00
	157	00	03	82
	156	00	04	44
	155	00	00	40
	155/1769	00	00	24
	155/1759	00	00	11
	159	00	03	55
	312	00	01	31
	311	00	02	76
	310	00	01	16
	310/1394	00	00	85
	309	00	02	37
	309/1460	00	01	48
	308	00	00	76
	308/1467	00	03	00
	307	00	05	32
	269/1781	00	00	17
	269/1782	00	00	21
	269/1783	00	00	10
	255	00	04	64
	255/2042	00	06	59
	256/1293	00	00	10
	256/1386	00	03	32
	256	00	00	22
	256/1686/2124	00	00	10
	257	00	07	60
	461	00	09	08
	462	00	01	20
	462/1749	00	01	49
	464	00	05	49
	463/1469	00	01	71
	474	00	01	00
	473	00	00	90
	476	00	00	40
	478	00	00	18
	477	00	01	12
	477/1797	00	01	12
	477/1824	00	02	61

	488	00	08	91
	488/1961	00	02	34
	488/1962	00	02	20
	489	00	09	25
POCHILIMA	131	00	01	89
	130	00	07	86
	134/2675	00	08	70
	134/2843	00	01	07
	129	00	00	64
	129/2842	00	00	65
	127	00	02	55
	135	00	07	63
	136/2669	00	04	25
	136	00	01	24
	137	00	00	10
	116	00	02	07
	116/2855	00	02	67
	138	00	05	08
	115	00	00	83
	139	00	03	75
	114	00	00	64
	112	00	09	11
	110	00	03	27
	111	00	03	78
	103	00	04	63
	103/2660	00	02	74
	104	00	00	67
	106/2674	00	04	02
	106	00	04	00
	1479	00	07	28
	1476	00	04	09
	1476/2784	00	02	88
	1476/2785	00	02	88
	1476/2831	00	01	44
	1476/2832	00	01	44
	1476/2833	00	00	45
	1476/2834	00	00	72
	1476/2835	00	00	72
	1476/3786	00	00	41

	1471	00	04	40
	1471/2814	00	07	46
	1475	00	08	26
	1505	00	19	41
	1516	00	02	96
	1515	00	00	10
	1569	00	00	91
	1622	00	01	65
	1620	00	04	92
	1621	00	08	35
	1619	00	00	46
	1613/2683	00	00	70
	1628	00	08	87
	1629	00	00	50
	1630/2656	00	06	85
	1630/2657	00	05	66
	1630/2218	00	00	46
	1635	00	03	39
	1634	00	03	13
	1636	00	01	03
	1681	00	01	38
	1682	00	01	14
	1680	00	16	01
	1679	00	04	90
	1677	00	04	89
	1671	00	06	55
	1676	00	01	21
	1676/2817	00	00	74
	1672	00	06	79
	1667	00	10	93
	1666	00	01	04
	1664	00	00	14
MAKARAJHOL	498	00	05	69
	499	00	09	71
	493	00	04	67
	492	00	04	38
	490	00	04	24
	489	00	02	85
	486	00	00	10

	485	00	09	65
	487/9293	00	01	94
	482	00	04	86
	481	00	02	48
	307/8626	00	06	08
	320	00	02	01
	321	00	03	99
	319	00	00	10
	322	00	17	82
	323	00	08	88
	327	00	04	13
	330	00	00	60
	329	00	01	04
	328	00	02	81
	327/9295	00	02	11
	338	00	04	78
MAKARAJHOL	341	00	03	92
	339	00	00	35
	340	00	00	74
	285	00	13	51
	292	00	00	31
	286	00	02	24
	273	00	02	35
	281	00	04	99
	280	00	02	77
	279	00	04	12
	278	00	03	00
	3700	00	01	61
	3699	00	04	03
	3701/8358	00	00	46
	3805	00	07	57
	3806	00	02	86
	3803	00	03	46
	3798	00	11	77
	3799	00	00	14
	3795	00	00	13
	3796	00	01	42
	3797	00	00	97
	3788	00	00	10

	3789	00	01	31
	3782	00	01	66
	3775	00	02	00
	3778	00	00	20
	3764/8717	00	01	75
	3764	00	00	12
	3756	00	01	00
	3756/8653	00	02	59
	4132	00	00	87
	3756/8431	00	00	97
	4128	00	00	42
	4131/8531	00	00	55
	4131	00	00	20
	4130	00	00	21
	4129	00	00	69
	4154	00	01	18
	4153	00	00	25
	4156	00	00	10
	4155/8640	00	00	90
	4155	00	00	52
	4171	00	00	86
	4170	00	00	48
	4185	00	00	12
	4184/8720	00	00	66
	4184	00	00	87
	4183	00	00	69
	4263	00	00	84
	4264/9220	00	00	10
	4283/9221	00	00	22
	4262	00	00	98
	4285	00	00	96
	4285/9223	00	00	30
	4284	00	00	54
	4287	00	00	85
	4286	00	00	47
	4234	00	01	38
	4233	00	02	56
	4301	00	00	10
	4315	00	00	20

	4316	00	00	46
	4223	00	00	10
	4332	00	02	24
	4331	00	00	63
	4349	00	00	10
	4348	00	01	79
	4347	00	01	46
	4346	00	00	51
	4359	00	01	28
	4378	00	00	25
	4377	00	00	38
	4381	00	00	46
	4382	00	00	10
	4383	00	00	22
	4380	00	00	72
	4379	00	00	22
	4388	00	00	64
	4387	00	00	69
	4386	00	00	81
	4394	00	00	62
	4393	00	00	54
	4402	00	00	50
	4401	00	00	81
	4405	00	00	85
	4406	00	02	73
	4407	00	00	38
	4442	00	06	47
	4469	00	01	03
	4485	00	03	98
	4468	00	00	26
	4467	00	00	10
	4457	00	00	76
	4459	00	04	62
	4456	00	00	93
	4460	00	01	28
	4453	00	01	74
	4461	00	00	75
	4462	00	01	47
	4455	00	01	89

	4454	00	02	25
	4463	00	00	31
	4464	00	00	74
	4522	00	02	76
	4523	00	01	67
	4518	00	00	20
	4521	00	01	14
	4535	00	01	53
	4520	00	01	73
	4519	00	01	80
	4536	00	01	81
	4545	00	03	86
	4544	00	02	33
	4543	00	08	09
	4542	00	00	13
	4925	00	05	07
	4926/8491	00	00	36
	4927	00	01	11
	4926	00	00	22
	4937	00	03	76
	4945	00	03	95
	4946	00	03	73
	4944	00	00	10
	4947	00	00	17
	4348	00	01	22
	4949	00	02	80
	4954	00	11	09
	4956	00	00	15
	6807	00	04	40
	6806	00	00	39
	6805	00	02	04
	6759	00	00	44
	6760	00	01	18
	6803	00	04	28
	6761	00	02	48
	6801	00	00	77
	6762	00	04	76
	6763	00	00	10
	6765	00	00	36

	6800	00	00	17
	6766	00	10	27
	6775	00	00	62
	6774	00	00	64
	6767	00	04	19
	6768	00	02	03
	6769	00	00	94
	6751	00	03	46
	6751/9378	00	00	48
	6750	00	02	80
	6211	00	01	76
	6212	00	00	57
	6214	00	00	10
	6213	00	02	45
	6227	00	01	74
	6226	00	08	25
	6228	00	00	32
	6396	00	00	77
	6395	00	04	85
	6394	00	02	32
	6400	00	00	26
	6401	00	01	38
	6401/8282	00	01	68
	6391	00	00	10
	6388/8312	00	01	21
	739/8388	00	01	91
	6907/8387	00	02	80
	5939/8384	00	02	41
	6385	00	00	40
	6383	00	07	35
	6382	00	02	20
	6381	00	00	10
	6258	00	00	10
	6310	00	03	75
	6311	00	03	09
	6318	00	02	13
	6317	00	03	21
	6315	00	03	60
	6314	00	00	39

BADAKHANDI	49	00	00	95
	8	00	05	65
	9	00	00	20
	7	00	01	72
	6	00	01	15
	5	00	00	85
	4	00	00	57
	27	00	00	30
	10	00	00	94
	11	00	02	69
	12	00	05	39
	13	00	00	85
	14	00	02	80
	15	00	01	78
	23	00	01	16
	16	00	00	83
	17	00	00	71
	20	00	00	92
	21	00	06	91
	22	00	00	43
	19/7266	00	00	54
	19	00	00	69
	18	00	00	61

[F. No. 11025(11)/236/2017-OR-I/E-13717]

PAWAN KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 2018

का.आ. 461.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम एवं खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप धारा (1) के अधीन जारी की गई, भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1812 तारीख 03.08.2017 जिसका प्रकाशन भारत के राजपत्र संख्या 32, भाग-II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) तारीख 12.08.2017 में किया गया है, द्वारा उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट ओडिशा राज्य के तहसील : कणास, जिला : पुरी की भूमि में, ओडिशा राज्य में पारादीप से तेलंगाना राज्य में हैदराबाद तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे "पारादीप-हैदराबाद पाइपलाइन परियोजना" के संबंध में पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के लिये अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं। और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है। और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाता है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा;

अनुसूची

तहसील-कणास	जिला - पुरी	राज्य - ओडिशा		
गाँव का नाम	प्लॉट नं.		क्षेत्रफल	
		हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5
अँलाजोड़ि	1134	00	07	03
	1140	00	00	29
	1136	00	09	46
	1137	00	02	04
	1347	00	13	33
	1325	00	06	52
	1326	00	00	10
	1324	00	02	47
	1328	00	03	00
	1329	00	00	68
	1317	00	02	75
	1327	00	01	87
	1331	00	00	63
	1330	00	02	82
	1314	00	10	70
	1312	00	00	39
	1315	00	04	71
	1311	00	05	00
	1310	00	03	49
	1293	00	02	57
	1294	00	08	16
	1290	00	02	16
	1295	00	03	60
	1296	00	09	97

	1284	00	05	37
	1270	00	02	65
	1272	00	18	36
	1271	00	00	57
	1263	00	01	49
	1273	00	02	40
	1262	00	05	58
	1246	00	12	51
	1249	00	05	84
	1247	00	02	16
	1248	00	00	33
	1250	00	04	74
	1251	00	03	92
	1252	00	04	33
	1253	00	01	40

[फा. सं. आर-11025(11)/236/2017-ओआर-I/ई-13717]

पवन कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 26th February, 2018

S.O. 461.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, published in the Gazette of India No. 32, Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated 12.08.2017 vide S.O. Number 1812 dated 03.08.2017 issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) hereinafter referred to as the said Act, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land situated in Tehsil- Kanas, District-Puri in Odisha State, specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of petroleum products from Paradip in the State of Odisha to Hyderabad in the State of Telangana by Indian Oil Corporation Limited for implementing the “Paradip-Hyderabad Pipeline Project”.

And whereas the copies of the Gazette were made available to the public, And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of section 6 of the said Act, has submitted his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire right of the user in the land specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vests on the date of publication of the declaration, in Indian Oil Corporation Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : KANAS	District : PURI	State : ODISHA		
Name of the Village	Plot No.	Area		
		Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5
ANLAJORI	1134	00	07	03
	1140	00	00	29
	1136	00	09	46
	1137	00	02	04
	1347	00	13	33
	1325	00	06	52
	1326	00	00	10
	1324	00	02	47
	1328	00	03	00
	1329	00	00	68
	1317	00	02	75
	1327	00	01	87
	1331	00	00	63
	1330	00	02	82
	1314	00	10	70
	1312	00	00	39
	1315	00	04	71
	1311	00	05	00
	1310	00	03	49
	1293	00	02	57
	1294	00	08	16
	1290	00	02	16
	1295	00	03	60
	1296	00	09	97
	1284	00	05	37
	1270	00	02	65
	1272	00	18	36
	1271	00	00	57
	1263	00	01	49
	1273	00	02	40
	1262	00	05	58
	1246	00	12	51
	1249	00	05	84
	1247	00	02	16
	1248	00	00	33

	1250	00	04	74
	1251	00	03	92
	1252	00	04	33
	1253	00	01	40

[F. No. 11025(11)/236/2017-OR-I/E-13717]

PAWAN KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 2018

का.आ. 462.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप धारा (1) के अधीन जारी की गई, भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. 2027 तारीख 28.08.2017 जिसका प्रकाशन भारत के राजपत्र संख्या 35, भाग-II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) तारीख 02.09.2017 में किया गया है। इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट ओडिशा राज्य के तहसील : **पात्रपुर**, जिला : **गंजाम** की भूमि में, ओडिशा राज्य में पारादीप से तेलंगाना राज्य में हैदराबाद तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे "पारादीप-हैदराबाद पाइपलाइन परियोजना" के संबंध में पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के लिये अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं। और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिष्चय किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाए; और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी बिल्लंगमों से मुक्त होकर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील-पात्रपुर	जिला - गंजाम	राज्य - ओडिशा		
गाँव का नाम	प्लॉट नं.		क्षेत्रफल	
		हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5
गुडिपदर	392	00	00	81
	393	00	02	80
	394	00	01	20
	395	00	00	46
	396	00	00	29
	349	00	00	10
	351	00	00	65
	352	00	02	88
	360	00	00	26

	361	00	03	09
	362	00	07	29
	363	00	01	25
	365	00	00	96
	298	00	00	20
	297	00	01	40
	296	00	04	84
	295	00	00	67
	301	00	00	16
	302	00	01	16
	293	00	02	25
	292	00	01	93
	291	00	00	10
	290	00	02	79
	289	00	01	93
	288	00	00	10
	287	00	00	80
	286	00	02	45
	285	00	01	10
	284	00	00	10
	419	00	01	01
	425	00	03	31
	424	00	01	91
	465	00	00	11
	426	00	04	02
	427	00	04	88
	428	00	02	70
	448	00	02	47
	447	00	00	18
	446	00	04	10
	445	00	02	07
	444	00	00	11
	440	00	00	13
	434	00	00	10
	436	00	02	65
	439	00	01	11
	438	00	01	48
	491	00	00	12
	492	00	01	33
	493	00	00	10

	712	00	01	04
	716	00	00	48
	713	00	05	93
	714	00	01	23
	715	00	06	04
	711	00	00	62
	736	00	00	27
	739	00	02	56
	740	00	04	29
	741	00	03	52
	742	00	03	65
	691	00	06	13
	690	00	04	27
	693	00	00	59
	694	00	00	14
	687	00	06	67
	688	00	01	05
	822	00	06	56
	823	00	01	78
	821	00	03	66
	824	00	04	67
	825	00	04	75
ब्राह्मणनुआगाँ	1810	00	04	33
	1810/2664	00	01	49
	1815	00	02	67
	1814	00	00	27
	1816	00	07	36
	1819	00	05	05
	1869	00	01	69
	1870	00	08	30
	1901	00	01	42
	1902	00	00	16
	1871	00	04	53
	1872	00	02	48
	1873	00	00	49
	1900	00	09	16
	1896	00	02	96
	1940	00	00	15
	1897	00	02	16
	1899	00	00	35

	1895	00	02	18
	1957	00	06	29
	1954	00	02	12
	1952	00	01	52
	1953	00	01	25
	1953/2692	00	00	76
	1955	00	00	52
	1555/2735	00	03	27
	1965	00	01	12
	1967	00	01	65
	1968	00	05	46
	1969	00	03	29
	1970	00	01	23
	2513	00	00	92
	1971	00	02	91
	1978	00	06	52
	1979	00	02	05
	1981	00	02	22
	1980	00	01	62
	1982	00	00	30
	1977	00	00	37
	1985	00	02	12
	1986	00	00	18
	2018	00	00	10
	1991	00	01	96
	2021	00	04	70
	2022	00	01	78
	2023	00	00	10
	2020	00	03	37
	2024	00	00	48
	2017	00	01	80
	2016	00	01	59
	2015	00	00	24
	2013	00	04	40
	2012	00	02	78
	2069/2685	00	00	61
	2446	00	03	28
	2444	00	12	03
	2443	00	00	63
	2409	00	01	13

	2410	00	01	36
	2411	00	06	79
	2412	00	01	42
	2069	00	00	75
	2413	00	06	83
	2414	00	00	26
	2371	00	05	10
	2374	00	01	59
	2358	00	09	74
	2357/2688	00	00	25
	2359	00	00	10
	2360	00	01	26
	2361	00	04	79
	2362	00	00	39
	2123	00	02	05
	2124	00	00	32
	2126	00	03	34
	2139	00	00	27
	2140	00	02	73
	2141	00	01	50
	2155	00	02	62
	2156	00	03	22
	2157	00	00	24
	2169	00	03	33
	2170	00	01	59
	2173	00	02	08
	2174	00	01	85
	2175	00	01	00
	2165	00	07	63
	2166	00	03	86
	2164	00	00	10
	2167	00	01	38
	2168	00	02	17
सरधापुर	486	00	16	19
	485	00	03	19
	483	00	02	34
	463	00	01	27
	469	00	00	57
	470	00	01	37
	473	00	03	11

	474	00	03	12
	475	00	01	01
	476	00	00	83
	477	00	00	64
	471	00	01	17
	472	00	03	84
	550	00	01	34
	551	00	00	10
	552	00	00	17
	553	00	00	22
	554	00	00	24
	555	00	02	50
	556	00	01	33
	557	00	01	90
	558	00	00	47
	580	00	02	87
	581	00	01	45
	1492	00	03	76
	1491	00	01	95
	1493	00	01	65
	1494	00	02	01
	1495	00	10	85
	1496	00	02	94
	1499	00	04	01
	1500	00	05	68
	1505	00	07	11
	1506	00	00	37
	1507	00	00	10
	1510	00	02	02
	1511	00	02	20
	1512	00	15	49
	1477	00	06	66
	1476	00	00	11
	1519	00	00	80
	1520	00	10	42
	1596	00	05	47
	1521	00	00	10
	1522	00	00	99
	1595	00	01	28
	1525	00	01	97

	1526	00	01	89
	1528	00	00	33
	1592	00	01	81
	1524	00	05	94
	1348	00	01	13
	1349	00	02	83
	1350	00	01	24
	1346	00	02	36
	1344	00	04	81
	1343	00	04	79
	1292	00	01	66
	1293	00	10	92
	1289	00	01	38
	1290	00	02	96
	1291	00	04	10
	1165	00	01	43
	1247	00	00	23
	1246	00	03	87
	1245	00	03	89
	1244	00	00	76
	1243	00	01	10
	1242	00	00	77
	1241	00	03	46
	1240	00	00	39
	1178	00	03	61
	1179	00	03	78
	1180	00	03	22
	1181	00	00	63
	1233	00	07	14
	1234	00	04	98
	1235	00	00	41
	1254	00	00	46
पसागाँ	263	00	01	28
	289	00	04	92
	290	00	02	00
	292	00	00	87
	293	00	00	92
	288	00	00	73
	287	00	00	10
	294	00	02	54

	295	00	01	90
	269	00	02	60
	282	00	03	58
	281	00	01	97
	280	00	01	37
	279	00	01	18
	269	00	02	60
	266	00	00	10
	271	00	01	03
	272	00	00	85
	273	00	00	36
	274	00	00	63
	265	00	01	45
	264	00	09	78
	309	00	31	07
	398	00	00	94
	399	00	03	15
	400	00	04	01
	401	00	04	55
	402	00	02	62
	403	00	02	54
	404	00	02	81
	405	00	00	52
	384	00	00	37
	380	00	03	39
	378	00	01	32
	377	00	00	79
	376	00	00	85
	375	00	00	21
	351	00	03	78
	352	00	00	14
	355	00	00	30
	356	00	00	47
	357	00	02	95
	374	00	02	46
	373	00	03	25
	371	00	06	07
	368	00	00	65
	467	00	01	12
	471	00	07	11

	482	00	04	83
	481	00	02	20
	486	00	02	51
	487	00	03	30
	488	00	01	99
	516	00	01	70
	511	00	01	60
	510	00	02	80
	512	00	05	90
	549	00	00	25
	509	00	13	52
	564	00	01	72
	565	00	01	30
	566	00	00	30
	500	00	02	27
	508	00	00	71
	499	00	02	74
	498	00	02	27
	497	00	00	25
	978	00	05	52
	979	00	05	69
	980	00	05	34
	981	00	00	42
खड्डेगा राजेन्द्रपुर	1958	00	01	75
	1959	00	04	92
	1961	00	00	86
	1969	00	01	51
	1970	00	05	51
	1971	00	02	06
	1968	00	02	12
	1972	00	03	70
	1979	00	00	10
	1973	00	04	57
	1974	00	00	77
	1975	00	03	19
	1937	00	00	10
	2036	00	00	57
	2037	00	03	50
	2038	00	00	77
	2039	00	01	93

	2040	00	00	53
	2035	00	02	58
	2022	00	00	13
	2021	00	01	27
	2042	00	05	84
	2064	00	00	87
	2065	00	03	87
	2066	00	02	70
	2071	00	01	00
	2069	00	05	11
	2070	00	00	48
	2073	00	05	76
	2074	00	00	30
	2139	00	01	25
	2140	00	04	29
	2137	00	00	90
	2138	00	01	83
	2091	00	00	19
	2092	00	02	82
	2093	00	02	82
	2094	00	00	36
	2090	00	02	01

[फा. सं. आर-11025(11)/236/2017-ओआर-I/ई-13717]

पवन कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 26th February, 2018

S.O. 462.— Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, published in the Gazette of India No. 35 Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated 02.09.2017 vide S.O. Number 2027 dated 28.08.2017 issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), (hereinafter referred to as the said Act) the Central Government declared its intension to acquire the right of user in the land situated in Tehsil-Patrapur, District-Ganjam in Odisha State, specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of petroleum products from Paradip in the State of Odisha to Hyderabad in the State of Telengana by the Indian Oil Corporation Limited for implementing the “Paradip-Hyderabad Pipeline Project”.

And whereas the copies of the Gazette were made available to the public. And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, has submitted his report of Central Government;

And whereas, the Central Government after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire right of the user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user of the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the

Central Government, vests on the date of publication of the declaration, in Indian Oil Corporation Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil :PATRAPUR	District : GANJAM	State : ODISHA		
Name of the Village	Plot No.	Area		
		Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5
GUDIPADAR	392	00	00	81
	393	00	02	80
	394	00	01	20
	395	00	00	46
	396	00	00	29
	349	00	00	10
	351	00	00	65
	352	00	02	88
	360	00	00	26
	361	00	03	09
	362	00	07	29
	363	00	01	25
	365	00	00	96
	298	00	00	20
	297	00	01	40
	296	00	04	84
	295	00	00	67
	301	00	00	16
	302	00	01	16
	293	00	02	25
	292	00	01	93
	291	00	00	10
	290	00	02	79
	289	00	01	93
	288	00	00	10
	287	00	00	80
	286	00	02	45

285	00	01	10
284	00	00	10
419	00	01	01
425	00	03	31
424	00	01	91
465	00	00	11
426	00	04	02
427	00	04	88
428	00	02	70
448	00	02	47
447	00	00	18
446	00	04	10
445	00	02	07
444	00	00	11
440	00	00	13
434	00	00	10
436	00	02	65
439	00	01	11
438	00	01	48
491	00	00	12
492	00	01	33
493	00	00	10
712	00	01	04
716	00	00	48
713	00	05	93
714	00	01	23
715	00	06	04
711	00	00	62
736	00	00	27
739	00	02	56
740	00	04	29
741	00	03	52
742	00	03	65

	691	00	06	13
	690	00	04	27
	693	00	00	59
	694	00	00	14
	687	00	06	67
	688	00	01	05
	822	00	06	56
	823	00	01	78
	821	00	03	66
	824	00	04	67
	825	00	04	75
BRAMHANANUAGAON	1810	00	04	33
	1810/2664	00	01	49
	1815	00	02	67
	1814	00	00	27
	1816	00	07	36
	1819	00	05	05
	1869	00	01	69
	1870	00	08	30
	1901	00	01	42
	1902	00	00	16
	1871	00	04	53
	1872	00	02	48
	1900	00	09	16
	1896	00	02	96
	1940	00	00	15
	1897	00	02	16
	1899	00	00	35
	1895	00	02	18
	1957	00	06	29
	1954	00	02	12
	1952	00	01	52
	1953	00	01	25

1953/2692	00	00	76
1955	00	00	52
1555/2735	00	03	27
1965	00	01	12
1967	00	01	65
1968	00	05	46
1969	00	03	29
1970	00	01	23
2513	00	00	92
1971	00	02	91
1978	00	06	52
1979	00	02	05
1981	00	02	22
1980	00	01	62
1982	00	00	30
1977	00	00	37
1985	00	02	12
1986	00	00	18
2018	00	00	10
1991	00	01	96
2021	00	04	70
2022	00	01	78
2023	00	00	10
2020	00	03	37
2024	00	00	48
2017	00	01	80
2016	00	01	59
2015	00	00	24
2013	00	04	40
2012	00	02	78
2069/2685	00	00	61
2446	00	03	28
2444	00	12	03

2443	00	00	63
2409	00	01	13
2410	00	01	36
2411	00	06	79
2412	00	01	42
2069	00	00	75
2413	00	06	83
2414	00	00	26
2371	00	05	10
2374	00	01	59
2358	00	09	74
2357/2688	00	00	25
2359	00	00	10
2360	00	01	26
2361	00	04	79
2362	00	00	39
2123	00	02	05
2124	00	00	32
2126	00	03	34
2139	00	00	27
2140	00	02	73
2141	00	01	50
2155	00	02	62
2156	00	03	22
2157	00	00	24
2169	00	03	33
2170	00	01	59
2173	00	02	08
2174	00	01	85
2175	00	01	00
2165	00	07	63
2166	00	03	86
2164	00	00	10

	2167	00	01	38
	2168	00	02	17
SARADHAPUR	486	00	16	19
	485	00	03	19
	483	00	02	34
	463	00	01	27
	469	00	00	57
	470	00	01	37
	473	00	03	11
	474	00	03	12
	475	00	01	01
	476	00	00	83
	477	00	00	64
	471	00	01	17
	472	00	03	84
	550	00	01	34
	551	00	00	10
	552	00	00	17
	553	00	00	22
	554	00	00	24
	555	00	02	50
	556	00	01	33
	557	00	01	90
	558	00	00	47
	580	00	02	87
	581	00	01	45
	1492	00	03	76
	1491	00	01	95
	1493	00	01	65
	1494	00	02	01
	1495	00	10	85
	1496	00	02	94
	1499	00	04	01

1500	00	05	68
1505	00	07	11
1506	00	00	37
1507	00	00	10
1510	00	02	02
1511	00	02	20
1512	00	15	49
1477	00	06	66
1476	00	00	11
1519	00	00	80
1520	00	10	42
1596	00	05	47
1521	00	00	10
1522	00	00	99
1595	00	01	28
1525	00	01	97
1526	00	01	89
1528	00	00	33
1592	00	01	81
1524	00	05	94
1348	00	01	13
1349	00	02	83
1350	00	01	24
1346	00	02	36
1344	00	04	81
1343	00	04	79
1292	00	01	66
1293	00	10	92
1296	00	02	34
1289	00	01	38
1290	00	02	96
1291	00	04	10
1165	00	01	43

	1247	00	00	23
	1246	00	03	87
	1245	00	03	89
	1244	00	00	76
	1243	00	01	10
	1242	00	00	77
	1241	00	03	46
	1240	00	00	39
	1178	00	03	61
	1179	00	03	78
	1180	00	03	22
	1181	00	00	63
	1233	00	07	14
	1234	00	04	98
	1235	00	00	41
	1254	00	00	46
PAMMAGAN	263	00	01	28
	289	00	04	92
	290	00	02	00
	292	00	00	87
	293	00	00	92
	288	00	00	73
	287	00	00	10
	294	00	02	54
	295	00	01	90
	269	00	02	60
	282	00	03	58
	281	00	01	97
	280	00	01	37
	279	00	01	18
	269	00	02	60
	266	00	00	10
	271	00	01	03

272	00	00	85
273	00	00	36
274	00	00	63
265	00	01	45
264	00	09	78
309	00	31	07
398	00	00	94
399	00	03	15
400	00	04	01
401	00	04	55
402	00	02	62
403	00	02	54
404	00	02	81
405	00	00	52
384	00	00	37
380	00	03	39
378	00	01	32
377	00	00	79
376	00	00	85
375	00	00	21
351	00	03	78
352	00	00	14
355	00	00	30
356	00	00	47
357	00	02	95
374	00	02	46
373	00	03	25
371	00	06	07
368	00	00	65
467	00	01	12
471	00	07	11
482	00	04	83
481	00	02	20

	486	00	02	51
	487	00	03	30
	488	00	01	99
	516	00	01	70
	511	00	01	60
	510	00	02	80
	512	00	05	90
	549	00	00	25
	509	00	13	52
	564	00	01	72
	565	00	01	30
	566	00	00	30
	500	00	02	27
	508	00	00	71
	499	00	02	74
	498	00	02	27
	497	00	00	25
	978	00	05	52
	979	00	05	69
	980	00	05	34
	981	00	00	42
KHADANGARAJENDRAPUR	1958	00	01	75
	1959	00	04	92
	1961	00	00	86
	1969	00	01	51
	1970	00	05	51
	1971	00	02	06
	1968	00	02	12
	1972	00	03	70
	1979	00	00	10
	1973	00	04	57
	1974	00	00	77
	1975	00	03	19

1937	00	00	10
2036	00	00	57
2037	00	03	50
2038	00	00	77
2039	00	01	93
2040	00	00	53
2035	00	02	58
2022	00	00	13
2021	00	01	27
2042	00	05	84
2064	00	00	87
2065	00	03	87
2066	00	02	70
2071	00	01	00
2069	00	05	11
2070	00	00	48
2073	00	05	76
2074	00	00	30
2139	00	01	25
2140	00	04	29
2137	00	00	90
2138	00	01	83
2091	00	00	19
2092	00	02	82
2093	00	02	82
2094	00	00	36
2090	00	02	01

[F. No. R-11025(11)/236/2017-OR-I/E-13717]

PAWAN KUMAR, Under Secy.

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 7 मार्च, 2018

का.आ. 463.— केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) का धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3, उपखंड (ii) तारीख 08 फरवरी 2017 में पृष्ठ 2 से पृष्ठ 7 तक प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 500 (अ) तारीख 16 फरवरी, 2017 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में :—

अनुसूची

तहसील—मांगरोल

जिला—सुरत

राज्य —गुजरात

के स्थान पर		पढ़े	
मौजा / ग्राम	तहसील	मौजा / ग्राम	तहसील
बलेठी	मांगरोल	बलेठी	मांडवी
लुहारवाड	मांगरोल	लुहारवाड	मांडवी
देवगढ आधारवाडी	मांगरोल	देवगढ आधारवाडी	मांडवी
इसर	मांगरोल	इसर	मांडवी
चोरंबा	मांगरोल	चेरंबा	मांडवी
कीमडुंगरा	मांगरोल	कीमडुंगरा	मांडवी
लाडकुवा	मांगरोल	लाडकुवा	मांडवी
गोडधा	मांगरोल	गोडधा	मांडवी
कालीबेल	मांगरोल	कालीबेल	मांडवी
मोरीठा	मांगरोल	मोरीठा	मांडवी
तरसडा खुर्द	मांगरोल	तरसडा खुर्द	मांडवी
उमराखाडी	मांगरोल	उमराखाडी	मांडवी
सठवाव	मांगरोल	सठवाव	मांडवी
सरकुई	मांगरोल	सरकुई	मांडवी
दढवाडा	मांगरोल	दढवाडा	मांडवी
बेडधा	मांगरोल	बेडधा	मांडवी
काकडापार	मांगरोल	काकडापार	मांडवी

[फा. सं. आर-11025(11)/104/2017-ओआर-1/ई-8039]

पवन कुमार, अवर सचिव

ERRATUM

New Delhi, the 7th March, 2018

S.O. 463.— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S. O. 500 (E) dated 08th February 2017, published at pages 8 to 14 in part II, section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India, dated 16 February 2017, namely:-

In the Schedule to the said notification:-

SCHEDULE

Tehsil:- Mangrol		District:- Surat		State:- Gujarat	
For		Read			
Mouja/Village	Tehsil	Mouja/Village	Tehsil		
Balethi	Mangrol	Balethi	Mandvi		
Luharvad	Mangrol	Luharvad	Mandvi		
Devghad Adharwadi	Mangrol	Devghad Adharwadi	Mandvi		
Isar	Mangrol	Isar	Mandvi		
Choramba	Mangrol	Choramba	Mandvi		
Kim Dungra	Mangrol	Kim Dungra	Mandvi		
Ladkuva	Mangrol	Ladkuva	Mandvi		
Goddha	Mangrol	Goddha	Mandvi		
Kalibel Moritha	Mangrol	Kalibel	Mandvi		
		Moritha	Mandvi		
Tarasada Khurad	Mangrol	Tarasada Khurad	Mandvi		
Umara Khadi	Mangrol	Umara Khadi	Mandvi		
Sathvav	Mangrol	Sathvav	Mandvi		
Sarkui	Mangrol	Sarkui	Mandvi		
Dadhvada	Mangrol	Dadhvada	Mandvi		
Bedadha	Mangrol	Bedadha	Mandvi		
Kakdapar	Mangrol	Kakdapar	Mandvi		

[F. No. R-11025(11)/104/2017-OR-I/E-8039]

PAWAN KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 7 मार्च, 2018

का.आ. 464.— केन्द्रीय सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए "कोयली - अहमदनगर - सोलापुर पेट्रोलियम पाइपलाइन परियोजना के क्रियान्वयन हेतु इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, और जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाई जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना में युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के संबन्ध में श्री सी. जी. रावल, नायब कलेक्टर (अवकाश प्राप्त), सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पश्चिमी क्षेत्र पाइपलाइन्स प्रोजेक्ट्स 3/122, गुजरात रिफाइनरी टाउनशिप पी. ओ. - जवाहर नगर, वडोदरा गुजरात - 391320 को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तहसील:-उच्छल	जिला:- तापी		राज्य:-गुजरात		
मौजा / ग्राम	सर्वे / ब्लाक / सं. (प्लोट सं.)	सब-डीव-सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	आरे	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
आनंदपुर	28 / पैकी / 3 (62 - नया)		00	15	41
	28 / पैकी / 2 (61 - नया)		00	18	13
	28 / पैकी / 1 (60 - नया)		00	14	64
कटासवान	65 / पैकी / 2 (110 - नया)		00	35	75

[फा. सं. आर-11025(11)/104/2017-ओआर-I/ई-8039]

पवन कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 7th March, 2018

S.O. 464.— Whereas, it appears to the Central Government, that it is necessary in the public interest that for the transportation of Petroleum Product from the State of Gujarat a pipeline should be laid for implementing Koyli - Ahmednagar – Solapur Pipeline Project under the Indian Oil Corporation Limited.

And, whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person who is interested in the land described in the said Schedule may submit objection in writing to Shri C.G. Raval, Deputy Collector (Retd.), Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Western Pipeline Projects 3/122, Gujarat Refinery Township P.O.-Jawahar Nagar, Vadodara Gujarat-391320. within twenty one days from the date on which the copies of this notification issued under sub-section (1) of Section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India, are made available to the general public.

SCHEDULE

Tehsil:- Uchchhal	District:- Tapi		State :- Gujarat		
Mouja / Village	Survey/Block No.	Sub-Div-No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
Anandpur	28/Paiky/3 (62 - New)		00	15	41
	28/Paiky/2 (61 - New)		00	18	13

	28/Paiky/1 (60 - New)		00	14	64
Kateshwan	65/Paiky/2 (110 - New)		00	35	75

[F. No. R-11025(11)/104/2017-OR-I/E-8039]

PAWAN KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 7 मार्च, 2018

का.आ. 465.—केन्द्रीय सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए “कोयली — अहमदनगर — सोलापुर पेट्रोलियम पाइपलाइन परियोजना के क्रियान्वयन हेतु इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, और जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाई जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना में युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के संबन्ध में श्री सी. जी. रावल, नायब कलेक्टर (अवकाश प्राप्त), सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पश्चिमी क्षेत्र पाइपलाइन्स प्रोजेक्ट्स 3/122, गुजरात रिफाइनरी टाउनशीप पी. ओ. — जवाहर नगर, वडोदरा गुजरात — 391320 को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तहसील:—सोनगढ़	जिला:— तापी		राज्य:—गुजरात		
मौजा / ग्राम	सर्वे / ब्लाक / सं. (प्लोट सं.)	सब—डीव—सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	आरे	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
सीसोर	39(68 — नया)		00	28	95
	38(67 — नया)		00	08	25
	37(66 — नया)		00	08	27
	35(63 — नया)		00	20	31
	36/पैकी/2 (65 — नया)		00	18	28
	47(77 — नया)		00	04	89
	28(55 — नया)		00	08	64
	26/पैकी/1 (52 — नया)		00	10	36
	27(54 — नया)		00	09	06
	19(35 — नया)		00	28	71
	17/पैकी/1		00	06	63

(32 — नया)				
नहर	00	02	45	
134 / पैकी / 1	00	08	02	
(214 — नया)				
134 / पैकी / 3	00	12	37	
(216 — नया)				
135(218 — नया)	00	15	04	
136 / अ	00	05	54	
(219 — नया)				
138(222 — नया)	00	07	78	
144(228 — नया)	00	00	17	
145(229 — नया)	00	07	42	
137(221 — नया)	00	03	38	
315 / पैकी / 1अ	00	04	70	
(489 — नया)				
148 / ब	00	37	20	
(233 — नया)				
149 / पैकी / 1ब	00	03	88	
(235 — नया)				
150 पैकी 1	00	10	16	
(238 — नया)				
121(191 — नया)	00	04	52	
सड़क	00	02	00	
152(241 — नया)	00	15	31	
155(246 — नया)	00	27	03	
156(247 — नया)	00	00	10	
अमानी नदी	00	05	34	
174 / 1	00	07	84	
(276 — नया)				
174 / 2	00	08	02	
(277 — नया)				
173(275 — नया)	00	11	26	
163(259 — नया)	00	10	21	
170(270 — नया)	00	23	86	
168 / पैकी / 1	00	14	76	
(266 — नया)				
169(269 — नया)	00	32	22	
244 / पैकी / 1	00	11	39	

	(387 — नया) 244/पैकी/2 (388 — नया) 247/पैकी/1 (393 — नया) 243(386 — नया) 250(398 — नया) 249(397 — नया) 261(414 — नया) 258/पैकी/1 (409 — नया) 256/पैकी/3 (407 — नया)		00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	11 01 06 24 03 40 19 21	54 29 88 34 41 62 49 55
धजांबा	52(79 — नया) 51(78 — नया) 20/अ (32 — नया) नहर 21/ब (35 — नया) 20/ब (33 — नया) 22(36 — नया) 24/1 (38 — नया) 24/2 (39 — नया) 41(62 — नया) 42(63 — नया) 43(64 — नया) 106(167 — नया) 107(168 — नया) 39(59 — नया) 38(58 — नया) 37(57 — नया) 113(176 — नया) 35/1 (52 — नया)		00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	19 04 14 02 20 00 02 00 36 28 11 11 19 12 13 08 14 15 15 03	70 54 03 36 81 30 27 96 28 86 03 71 14 91 59 11 07 00 11

114(177 — नया)	00	25	60
सड़क	00	02	48
350	00	10	84
(495 — नया)			
351/अ	00	00	53
(496 — नया)			
349(494 — नया)	00	14	42
347(492 — नया)	00	17	63
346/2/पैकी/3(490 — नया)	00	07	10
346/2/पैकी/1(488 — नया)	00	10	40
341/1	00	10	53
(478 — नया)			
342/2	00	07	25
(481 — नया)			
342/3	00	05	20
(482 — नया)			
342/1	00	13	54
(480 — नया)			
340(477 — नया)	00	07	42
325/2	00	25	47
(459 — नया)			
327(462 — नया)	00	18	51
328(463 — नया)	00	21	29
322(455 — नया)	00	02	31
316(448 — नया)	00	12	00
319(451 — नया)	00	26	82
320/2	00	10	09
(453 — नया)			
318(450 — नया)	00	00	20
नाला	00	05	25
311(443 — नया)	00	12	13
सड़क	00	04	04
308(440 — नया)	00	06	43
307(439 — नया)	00	10	49
309(441 — नया)	00	21	55
305/1	00	14	65
(436 — नया)			

	305/2 (437 — नया)		00	10	65
	306(438 — नया)		00	10	29
उखलदा	190/पैकी1 (277 — नया)		00	08	58
	190/पैकी3 (279 — नया)		00	47	76
	190/पैकी2 (278 — नया)		00	00	58
	183(264 — नया)		00	05	10
	कच्चा रास्ता		00	01	80
	215(312 — नया)		00	17	63
	223/पैकी1 (325 — नया)		00	06	23
	222(324 — नया)		00	34	70
	217(314 — नया)		00	00	16
	219/पैकी2 (320 — नया)		00	01	62
	219/3 (318 — नया)		00	02	35
	220(321 — नया)		00	24	09
	सड़क		00	03	53
	314(485 — नया)		00	20	74
	315/पैकी2 (487 — नया)		00	07	61
	311(480 — नया)		00	45	29
	310(479 — नया)		00	13	94
	307/पैकी1 (471 — नया)		00	16	39
	308/पैकी1 (473 — नया)		00	03	14
	306/पैकी1 (469 — नया)		00	03	93
	306/पैकी2 (470 — नया)		00	15	81
	305(468 — नया)		00	03	30
	सड़क		00	03	06
	329(507 — नया)		00	23	63

	331(509 — नया)		00	18	98
	335(513 — नया)		00	19	63
	336 / अ				
	(515 — नया)		00	00	86
	उकई मुख्य नहर		00	19	89

[फा. सं. आर-11025(11)/104/2017-ओआर-1/ई-8039]

पवन कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 7th March, 2018

S.O. 465.— Whereas, it appears to the Central Government, that it is necessary in the public interest that for the transportation of Petroleum Product from the State of Gujarat a pipeline should be laid for implementing Koyli - Ahmednagar – Solapur Pipeline Project under the Indian Oil Corporation Limited.

And, whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person who is interested in the land described in the said Schedule may submit objection in writing to Shri C.G. Raval, Deputy Collector (Retd.), Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Western Pipeline Projects 3/122, Gujarat Refinery Township P.O.-Jawahar Nagar, Vadodara Gujarat-391320. within twenty one days from the date on which the copies of this notification issued under sub-section (1) of Section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India, are made available to the general public.

SCHEDULE

Tehsil:- Songadh	District:- Tapi		State :- Gujarat		
Mouja / Village	Survey/Block No.	Sub-Div-No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
Sisor	39(68-New)		00	28	95
	38(67-New)		00	08	25
	37(66-New)		00	08	27
	35(63-New)		00	20	31
	36/Paiki/2				
	(65-New)		00	18	28
	47(77-New)		00	04	89
	28(55-New)		00	08	64
	26/Paiki/1				
	(52-New)		00	10	36
	27(54-New)		00	09	06
	19(35-New)		00	28	71
	17/Paiki/1		00	06	63

	(32-New)				
	Unlined Canal	00	02	45	
	134/Paiki/1	00	08	02	
	(214-New)				
	134/Paiki/3	00	12	37	
	(216-New)				
	135(218-New)	00	15	04	
	136/A	00	05	54	
	(219-New)				
	138(222-New)	00	07	78	
	144(228-New)	00	00	17	
	145(229-New)	00	07	42	
	137(221-New)	00	03	38	
	315/Paiki/1A	00	04	70	
	(489-New)				
	148/B	00	37	20	
	(233-New)				
	149/Paiki/1B	00	03	88	
	(235-New)				
	150Paiki1(238-New)	00	10	16	
	121(191-New)	00	04	52	
	Road	00	02	00	
	152(241-New)	00	15	31	
	155(246-New)	00	27	03	
	156(247-New)	00	00	10	
	Amani Nadi	00	05	34	
	174/1	00	07	84	
	(276-New)				
	174/2	00	08	02	
	(277-New)				
	173(275-New)	00	11	26	
	163(259-New)	00	10	21	
	170(270-New)	00	23	86	
	168/Paiki/1	00	14	76	
	(266-New)				
	169(269-New)	00	32	22	
	244/Paiki/1	00	11	39	
	(387-New)				
	244/Paiki/2	00	11	54	

	(388-New)				
	247/Paiki/1		00	01	29
	(393-New)				
	243(386-New)		00	06	88
	250(398-New)		00	24	34
	249(397-New)		00	03	41
	261(414-New)		00	40	62
	258/Paiki/1		00	19	49
	(409-New)				
	256/Paiki/3		00	21	55
	(407-New)				
Dhajamba	52(79-New)		00	19	70
	51(78-New)		00	04	54
	20/A(32-New)		00	14	03
	Field Canal		00	02	36
	21/B(35-New)		00	20	81
	20/B(33-New)		00	00	30
	22(36-New)		00	02	27
	24/1(38-New)		00	00	96
	24/2(39-New)		00	36	28
	41(62-New)		00	11	86
	42(63-New)		00	11	03
	43(64-New)		00	19	71
	106(167-New)		00	12	14
	107(168-New)		00	13	91
	39(59-New)		00	08	59
	38(58-New)		00	14	11
	37(57-New)		00	15	07
	113(176-New)		00	15	00
	35/1(52-New)		00	03	11
	114(177-New)		00	25	60
	Asphalted Road		00	02	48
	350(495-New)		00	10	84
	351/A		00	00	53
	(496-New)				
	349(494-New)		00	14	42
	347(492-New)		00	17	63
	346/2/Paiki/3		00	07	10
	(490-New)				

	346/2/Paiki/1 (488-New)		00	10	40
	341/1 (478-New)		00	10	53
	342/2 (481-New)		00	07	25
	342/3 (482-New)		00	05	20
	342/1 (480-New)		00	13	54
	340(477-New)		00	07	42
	325/2 (459-New)		00	25	47
	327(462-New)		00	18	51
	328(463-New)		00	21	29
	322(455-New)		00	02	31
	316(448-New)		00	12	00
	319(451-New)		00	26	82
	320/2 (453-New)		00	10	09
	318(450-New)		00	00	20
	Nala		00	05	25
	311(443-New)		00	12	13
	Asphalt Road		00	04	04
	308(440-New)		00	06	43
	307(439-New)		00	10	49
	309(441-New)		00	21	55
	305/1 436-New)		00	14	65
	305/2 437-New)		00	10	65
	306(438-New)		00	10	29
Ukhalda	190/Paiki 1 (277-New)		00	08	58
	190/Paiki 3 (279-New)		00	47	76
	190/Paiki 2 (278-New)		00	00	58
	183(264-New)		00	05	10
	Cart Track		00	01	80

	215(312-New)		00	17	63
	223/Paiki I		00	06	23
	(325-New)				
	222(324-New)		00	34	70
	217(314-New)		00	00	16
	219/Paiki 2		00	01	62
	(320-New)				
	219/3		00	02	35
	(318-New)				
	220(321-New)		00	24	09
	Asphalt Road		00	03	53
	314(485-New)		00	20	74
	315/Paiki 2		00	07	61
	(487-New)				
	311(480-New)		00	45	29
	310(479-New)		00	13	94
	307/Paiki I		00	16	39
	(471-New)				
	308/Paiki I		00	03	14
	(473-New)				
	306/Paiki I		00	03	93
	(469-New)				
	306/Paiki 2		00	15	81
	(470-New)				
	305(468-New)		00	03	30
	Asphalt Road		00	03	06
	329(507-New)		00	23	63
	331(509-New)		00	18	98
	335(513-New)		00	19	63
	336/A		00	00	86
	(515-New)				
	Ukai Main Canal		00	19	89

[F. No. R-11025(11)/104/2017-OR-I/E-8039]

PAWAN KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 7 मार्च, 2018

का.आ. 466.— केन्द्रीय सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए "कोयली — अहमदनगर — सोलापुर पेट्रोलियम पाइपलाइन परियोजना के क्रियान्वयन हेतु इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, और जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाई जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना में युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के संबन्ध में श्री सी. जी. रावल, नायब कलेक्टर (अवकाश प्राप्त), सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पश्चिमी क्षेत्र पाइपलाइन्स प्रोजेक्ट्स 3/122, गुजरात रिफाइनरी टाउनशीप पी. ओ. — जवाहर नगर, वडोदरा गुजरात — 391320 को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तहसील:— करजन	जिला:— वडोदरा		राज्य:—गुजरात		
मौजा / ग्राम	सर्वे / ब्लाक / सं. (प्लोट सं.)	सब-डीव-सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	आरे	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
मालोद	108 (126 — नया)		00	26	60
	113 (131 — नया)		00	07	28
	114 (132 — नया)		00	21	35
	102 (120 — नया)		00	04	43
	101 (119 — नया)		00	05	07
	128 (147 — नया)		00	09	74
	129 (148 — नया)		00	08	01
	78 (94 — नया)		00	07	17
	130/पैकी (149 — नया)		00	06	25
	130/पैकी1 (150 — नया)		00	07	94

	138अ		00	20	98
	(159 — नया)				
	135		00	17	14
	(155 — नया)				
	136		00	05	64
	(156 — नया)				
	158		00	13	65
	(179 — नया)				
	172		00	19	66
	(193 — नया)				
	159		00	00	33
	(180 — नया)				
	कच्चा रास्ता		00	01	30
	171		00	15	55
	(192 — नया)				
	170		00	05	37
	(191 — नया)				
	169		00	11	30
	(190 — नया)				
	स्टेट हाईवे		00	03	97

[फा. सं. आर-11025(11)/104/2017-ओआर-I/ई-8039]

पवन कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 7th March, 2018

S.O. 466.— Whereas, it appears to the Central Government, that it is necessary in the public interest that for the transportation of Petroleum Product from the State of Gujarat a pipeline should be laid for implementing Koyli - Ahmednagar – Solapur Pipeline Project under the Indian Oil Corporation Limited.

And, whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person who is interested in the land described in the said Schedule may submit objection in writing to Shri C.G. Raval, Deputy Collector (Retd.), Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Western Pipeline Projects 3/122, Gujarat Refinery Township P.O.-Jawahar Nagar, Vadodara Gujarat-391320. within twenty one days from the date on which the copies of this notification issued under sub-section (1) of Section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India, are made available to the general public.

SCHEDULE

Tehsil:- Karjan	District:- Vadodara		State :- Gujarat		
Mouja / Village	Survey/Block No.	Sub-Div-No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
Malod	108		00	26	60
	(126-New)				
	113		00	07	28
	(131-New)				
	114		00	21	35
	(132-New)				
	102		00	04	43
	(120-New)				
	101		00	05	07
	(119-New)				
	128		00	09	74
	(147-New)				
	129		00	08	01
	(148-New)				
	78		00	07	17
	(94-New)				
	130/Paiki		00	06	25
	(149-New)				
	130/Paiki1		00	07	94
	(150-New)				
	138A		00	20	98
	(159-New)				
	135		00	17	14
	(155-New)				
	136		00	05	64
	(156-New)				
	158		00	13	65
	(179-New)				
	172		00	19	66
	(193-New)				
	159		00	00	33
	(180-New)				
	Cart Track		00	01	30
	171		00	15	55
	(192-New)				

	170 (191-New)		00	05	37
	169 (190-New)		00	11	30
	State Highway		00	03	97

[F. No. R-11025(11)/104/2017-OR-I/E-8039]

PAWAN KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 7 मार्च, 2018

का.आ. 467.— केन्द्रीय सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए "कोयली — अहमदनगर — सोलापुर पेट्रोलियम पाइपलाइन परियोजना के क्रियान्वयन हेतु इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, और जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाई जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना में युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के संबन्ध में श्री सी. जी. रावल, नायब कलेक्टर (अवकाश प्राप्त), सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पश्चिमी क्षेत्र पाइपलाइन्स प्रोजेक्ट्स 3/122, गुजरात रिफाइनरी टाउनशिप पी. ओ. — जवाहर नगर, वडोदरा गुजरात — 391320 को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तहसील:—वाघोडिया	जिला:— वडोदरा		राज्य:—गुजरात		
मौजा / ग्राम	सर्वे / ब्लॉक / सं. (प्लोट सं.)	सब-डीव—सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	आरे	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
रवाल	816 (1290—नया)		00	13	56
	814 / 1 (1287—नया)		00	04	22
	814 / 2 (1288—नया)		00	04	32
	815 (1289—नया)		00	12	70
चीपड	237 / 3 (517—नया)		00	18	80
गजादरा	605 / 1 (842 नया)		00	24	19
	605 / 1 / पैकी 1 (843 नया)		00	10	88

	605 / 2 (847 नया)		00	06	88
	605 / 3 पैकी / 1 पैकी 2 (848 नया)		00	18	66
	605 / 3 पैकी / 2 (846 नया)		00	01	90
लीबडा	660 / 5 / ड (970 नया)		00	00	20
	660 / 5 / ब (971 नया)		00	15	81
	660 / 7 / अ (966 नया)		00	20	52

[फा. सं. आर-11025(11)/104/2017-ओआर-I/ई-8039]

पवन कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 7th March, 2018

S.O. 467.— Whereas, it appears to the Central Government, that it is necessary in the public interest that for the transportation of Petroleum Product from the State of Gujarat a pipeline should be laid for implementing Koyli - Ahmednagar – Solapur Pipeline Project under the Indian Oil Corporation Limited.

And, whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person who is interested in the land described in the said Schedule may submit objection in writing to Shri C.G. Raval, Deputy Collector (Retd.), Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Western Pipeline Projects 3/122, Gujarat Refinery Township P.O.-Jawahar Nagar, Vadodara Gujarat-391320. within twenty one days from the date on which the copies of this notification issued under sub-section (1) of Section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India, are made available to the general public.

SCHEDULE

Tehsil:- Vaghodiya	District:- Vadodara		State :- Gujarat		
Mouja / Village	Survey/Block No.	Sub-Div-No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
Raval	816 (1290-New)		00	13	56
	814/1 (1287-New)		00	04	22
	814/2 (1288-New)		00	04	32

	815 (1289-New)		00	12	70
Chipad	237/3 (517-New)		00	18	80
Gajadra	605/1 (842 New)		00	24	19
	605/1/Paiki 1 (843 New)		00	10	88
	605/2 (847 New)		00	06	88
	605/3Paiki/1 Paiki2 (848 New)		00	18	66
	605/3Paiki/2 (846 New)		00	01	90
Limda	660/5/D (970 New)		00	00	20
	660/5/B (971 New)		00	15	81
	660/7/A (966 New)		00	20	52

[F. No. R-11025(11)/104/2017-OR-I/E-8039]

PAWAN KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 7 मार्च, 2018

का.आ. 468.— केन्द्रीय सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए "कोयली — अहमदनगर — सोलापुर पेट्रोलियम पाइपलाइन परियोजना के क्रियान्वयन हेतु इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, और जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाई जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना में युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के संबन्ध में श्री सी. जी. रावल, नायब कलेक्टर (अवकाश प्राप्त), सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पश्चिमी क्षेत्र पाइपलाइन्स प्रोजेक्ट्स 3/122, गुजरात रिफाइनरी टाउनशीप पी. ओ. — जवाहर नगर, वडोदरा गुजरात — 391320 को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तहसील:—डभोई	जिला:— वडोदरा		राज्य:—गुजरात		
मौजा / ग्राम	सर्वे / ब्लाक / सं. (प्लोट सं.)	सब-डीव-सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	आरे	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
मावली	366 (473 — नया)		00	12	78
छत्राल	नाला		00	07	90
	521 (597 — नया)		00	04	51
	408 (478 — नया)		00	13	12
	410 (480 — नया)		00	02	23
कोठारा	58 (81 — नया)		00	10	97
	59 (82 — नया)		00	12	72
	60 (83 — नया)		00	19	77
	55 (78 — नया)		00	23	44

[फा. सं. आर-11025(11)/104/2017-ओआर-I/ई-8039]

पवन कुमार, अवसर सचिव

New Delhi, the 7th March, 2018

S.O. 468.— Whereas, it appears to the Central Government, that it is necessary in the public interest that for the transportation of Petroleum Product from the State of Gujarat a pipeline should be laid for implementing Koyli - Ahmednagar – Solapur Pipeline Project under the Indian Oil Corporation Limited.

And, whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person who is interested in the land described in the said Schedule may submit objection in writing to Shri C.G. Raval, Deputy Collector (Retd.), Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Western Pipeline Projects 3/122, Gujarat Refinery Township P.O.-Jawahar Nagar, Vadodara Gujarat-391320. within twenty one days from the date on which the copies of this notification issued under sub-section (1) of Section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India, are made available to the general public.

SCHEDULE

Tehsil:- Dabhoi	District:- Vadodara		State :- Gujarat		
Mouja / Village	Survey/Block No.	Sub-Div-No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
Mavli	366 (473-New)		00	12	78
Chhatral	Nala		00	07	90
	521 (597 New)		00	04	51
	408 (478 New)		00	13	12
	410 (480 New)		00	02	23
Kothara	58 (81 New)		00	10	97
	59 (82 New)		00	12	72
	60 (83 New)		00	19	77
	55 (78 New)		00	23	44

[F. No. R-11025(11)/104/2017-OR-I/E-8039]

PAWAN KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 7 मार्च, 2018

का.आ. 469.—केन्द्रीय सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए "कोयली – अहमदनगर – सोलापुर पेट्रोलियम पाइपलाइन परियोजना के क्रियान्वयन हेतु इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, और जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाई जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना में युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के संबन्ध में श्री सी. जी. रावल, नायब कलेक्टर (अवकाश प्राप्त), सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पश्चिमी क्षेत्र पाइपलाइन्स प्रोजेक्ट्स 3/122, गुजरात रिफाइनरी टाउनशीप पी. ओ. – जवाहर नगर, वडोदरा गुजरात – 391320 को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तहसील:-सोनगढ़	जिला:- तापी		राज्य:-गुजरात		
मौजा / ग्राम	सर्वे / ब्लाक / सं. (प्लोट सं.)	सब-डीव-सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	आरे	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
गुनसदा	30/ब/2		00	01	63

[फा. सं. आर-11025(11)/104/2017-ओआर-I/ई-8039]

पवन कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 7th March, 2018

S.O. 469.—Whereas, it appears to the Central Government, that it is necessary in the public interest that for the transportation of Petroleum Product from the State of Gujarat a pipeline should be laid for implementing Koyli - Ahmednagar – Solapur Pipeline Project under the Indian Oil Corporation Limited.

And, whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person who is interested in the land described in the said Schedule may submit objection in writing to Shri C.G. Raval, Deputy Collector (Retd.), Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Western Pipeline Projects 3/122, Gujarat Refinery Township P.O.-Jawahar Nagar, Vadodara Gujarat-391320. within twenty one days from the date on which the copies of this notification issued under sub-section (1) of Section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India, are made available to the general public.

SCHEDULE

Tehsil:- Songadh	District:- Tapi		State :- Gujarat		
Mouja / Village	Survey/Block No.	Sub-Div-No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
Gunsada	30/B/2		00	01	63

[F. No. R-11025(11)/104/2017-OR-I/E-8039]

PAWAN KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 मार्च, 2018

का.आ. 470.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं गैस मन्त्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 910(अ) तारीख 23 मार्च 2015 जो भारत के राजपत्र सं. 681 तारीख 01 अप्रैल 2015 को प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में केरल राज्य में भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड की कोच्चि रिफाइनरी से सेलम तक द्रवित पेट्रोलियम गैस के परिवहन के लिए कोच्चि कोयम्बटूर सेलम पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से कोच्चि सेलम पाइपलाइन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 12/08/2015 से 03/09/2015 के बीच उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन, केंद्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केंद्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः अब केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केंद्रीय सरकार में निहित होने कि बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, कोच्चि सेलम पाइपलाइन प्राइवेट लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

राज्य: केरल		जिला: ऐरनाकुलम		तालुक: आलुवा	
नाम ग्राम	सर्वे नम्बर	क्षेत्रफल			
		हेक्टेयर	एरिया	वर्गमीटर	
1	2	3	4	5	
कीज़माड़ (खण्ड सं0 32)	142 / 8	0	06	32	
	142 / 9	0	01	35	
	142 / 11	0	09	43	
	150 / 6	0	09	60	
	150 / 7	0	08	45	
	150 / 8	0	10	79	
	150 / 9	0	02	79	
	153 / 2	0	03	48	
	153 / 5	0	02	78	
	153 / 6	0	06	31	
	153 / 7	0	05	90	
	153 / 8	0	07	08	
	153 / 9	0	06	35	
	156 / 1	0	24	01	
	156 / 2	0	05	28	
	156 / 3	0	04	86	
	156 / 4	0	03	49	
	156 / 5	0	03	98	
	156 / 6	0	03	88	
	156 / 7	0	01	93	
	157 / 1	0	00	93	
	157 / 4	0	02	66	
	165 / 1	0	10	84	
	165 / 2	0	02	61	
	165 / 5	0	03	74	
	165 / 9	0	08	68	

166/2	0	11	61
166/3	0	07	27
166/6	0	05	58
166/7	0	00	48
166/8	0	03	28
166/9	0	07	62
166/11	0	02	13
279/13	0	01	03
280/2	0	04	27
280/4	0	04	44
280/5	0	04	68
280/7	0	04	19
280/9	0	04	43
280/12	0	03	72
280/14	0	04	44
280/15	0	03	40
280/21	0	00	54
281/1	0	09	70
281/5	0	04	19
281/7	0	02	30
282/2	0	02	20
282/4	0	01	98
282/5	0	02	01
282/6	0	02	16
282/7	0	03	46
282/8	0	01	31
282/9	0	01	36
282/11	0	00	85
282/13	0	01	50
283	0	01	05
297	0	29	40
298/4	0	01	58
298/5	0	09	33
298/7	0	09	38
298/8	0	04	88
298/9	0	00	63
298/11	0	01	37
298/14	0	02	65

298 / 16	0	04	33
299 / 1	0	07	87
301 / 5	0	00	92
307 / 3	0	02	54
307 / 4	0	07	57
307 / 5	0	00	08
307 / 6	0	03	55
307 / 11	0	03	62
307 / 12	0	09	67
307 / 13	0	09	43
307 / 14	0	13	41

[फा. सं. आर-12031/196/2017-ओआर-I/ई-19746]

पवन कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 15th March, 2018

S.O. 470.— Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas SO No. 910 (E), dated 23/03/2015 published in Govt. of India Gazette No. 681 dated 01.04.2015 issued under sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (Central Act 50 of 1962) (herein after referred to as said Act), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Liquefied Petroleum Gas from Kochi Refinery of Bharat Petroleum Corporation Limited in the State of Kerala to Salem in the State of Tamilnadu.

AND, Whereas, the copies of the said Gazette notifications have been made available to the public between 12/08/2015 to 03/09/2015.

AND, Whereas, the Competent Authority in pursuance of sub section (1) of section 6 of the said Act has submitted his report to the Central Government.

AND, Whereas, the Central Government, after considering the said report, is satisfied that the Right of User in the said land specified in the schedule appended should be acquired.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declared that the Right of User in the Land specified in the schedule appended to this notification are hereby acquired.

AND, further, in exercise of powers conferred by sub section (4) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the Right of User in the said lands shall, instead of vesting in the Central Government vest free from all encumbrances in the Kochi – Salem Pipeline Private Limited.

SCHEDULE

STATE : KERALA

DISTRICT : ERNAKULAM

TALUK : ALUVA

VILLAGE	SURVEY NUMBERS	AREA		
		HECTARES	ARES	SQ MTRS
1	2	3	4	5
KEEZHMADU	142/8	0	06	32
BLOCK.NO. 32	142/9	0	01	35
	142/11	0	09	43
	150/6	0	09	60
	150/7	0	08	45

150/8	0	10	79
150/9	0	02	79
153/2	0	03	48
153/5	0	02	78
153/6	0	06	31
153/7	0	05	90
153/8	0	07	08
153/9	0	06	35
156/1	0	24	01
156/2	0	05	28
156/3	0	04	86
156/4	0	03	49
156/5	0	03	98
156/6	0	03	88
156/7	0	01	93
157/1	0	00	93
157/4	0	02	66
165/1	0	10	84
165/2	0	02	61
165/5	0	03	74
165/9	0	08	68
166/2	0	11	61
166/3	0	07	27
166/6	0	05	58
166/7	0	00	48
166/8	0	03	28
166/9	0	07	62
166/11	0	02	13
279/13	0	01	03
280/2	0	04	27
280/4	0	04	44

280/5	0	04	68
280/7	0	04	19
280/9	0	04	43
280/12	0	03	72
280/14	0	04	44
280/15	0	03	40
280/21	0	00	54
281/1	0	09	70
281/5	0	04	19
281/7	0	02	30
282/2	0	02	20
282/4	0	01	98
282/5	0	02	01
282/6	0	02	16
282/7	0	03	46
282/8	0	01	31
282/9	0	01	36
282/11	0	00	85
282/13	0	01	50
283	0	01	05
297	0	29	40
298/4	0	01	58
298/5	0	09	33
298/7	0	09	38
298/8	0	04	88
298/9	0	00	63
298/11	0	01	37
298/14	0	02	65
298/16	0	04	33
299/1	0	07	87
301/5	0	00	92

307/3	0	02	54
307/4	0	07	57
307/5	0	00	08
307/6	0	03	55
307/11	0	03	62
307/12	0	09	67
307/13	0	09	43
307/14	0	13	41

[F. No. R-12031/196/2017-OR-I/E-19746]

PAWAN KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 मार्च, 2018

का.आ. 471.—केंद्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं गैस मन्त्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 911(अ) तारीख 23 मार्च 2015 जो भारत के राजपत्र सं० 682 तारीख 01 अप्रैल 2015 को प्रकाशित की गई थी , द्वारा उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में केरल राज्य में भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड की कोच्चि रिफाइनरी से सेलम तक द्रवित पेट्रोलियम गैस के परिवहन के लिए कोच्चि कोयम्बटूर सेलम पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से कोच्चि सेलम पाइपलाइन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 12 अगस्त 2015 से 3 सितम्बर 2015 के बीच उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन , केंद्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केंद्रीय सरकार ने , उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात, और यह समाधान हो जाने पर की उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है ,उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः अब केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केंद्रीय सरकार में निहित होने कि बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त , कोच्चि सेलम पाइपलाइन प्राइवेट लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची राज्य: केरल जिला: ऐरनाकुलम तालुक: कुन्नाथुनाडू				
नाम ग्राम	सर्वे नम्बर	क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एरिया	वर्गमीटर
1	2	3	4	5
किज़ाक्कम्बलम (खण्ड सं0 25)	54/2	0	20	84
	54/9	0	04	24
	55/1	0	29	36
	56/7	0	01	23
	58/8	0	07	34
	60/3	0	03	57
	60/4	0	00	79
	60/23	0	00	68
	61/1	0	04	32
	61/2	0	02	88
	61/3	0	00	89
	61/7	0	01	60
	61/8	0	00	62
	61/9	0	01	82
	61/10	0	01	51
	61/11	0	02	25
	61/12	0	01	44
	61/13	0	00	42
	61/15	0	02	09
	61/19	0	02	97
	66/1	0	05	99
	66/2	0	05	91
	66/3	0	11	84
	66/4	0	14	29
	71/2	0	20	61
	72/1	0	05	10
	72/2	0	05	55
	72/3	0	04	18
	73/9	0	00	91
	74/1	0	04	04
	74/2	0	01	95
	74/6	0	01	09
	74/7	0	02	92
	74/8	0	06	57
	76/5	0	00	47
	76/15	0	08	14

77 / 1	0	17	96
77 / 3	0	01	33
77 / 4	0	02	59
77 / 5	0	01	42
77 / 6	0	00	43
77 / 11	0	06	32
78 / 5	0	04	05
78 / 6	0	03	52
78 / 8	0	04	73
94 / 1	0	11	77
95 / 7	0	21	60
95 / 8	0	14	10
95 / 9	0	00	42
99 / 11	0	10	04
99 / 12	0	02	55
99 / 13	0	07	46
99 / 14	0	01	57
99 / 15	0	00	51
99 / 16	0	01	51
99 / 17	0	00	60
100 / 1	0	02	37
100 / 3	0	06	36
100 / 9	0	04	88
100 / 17	0	01	48
101 / 2	0	04	23
101 / 3	0	01	05
101 / 11	0	00	57
101 / 12	0	03	46
101 / 13	0	01	97
101 / 14	0	02	76
101 / 15	0	10	88
101 / 16	0	00	71
101 / 17	0	03	22
101 / 18	0	01	47
101 / 19	0	00	99
118 / 5	0	00	84
118 / 8	0	05	11
118 / 11	0	02	12

118/12	0	04	42
118/13	0	02	62
118/14	0	01	01
118/15	0	02	48
119/9	0	09	37
120/13	0	00	74
120/17	0	00	92
121/1	0	04	19
121/2	0	01	56
121/3	0	02	03
121/4	0	02	59
121/7	0	00	33
121/8	0	01	60
121/9	0	02	20
121/10	0	03	66
121/15	0	09	35
121/21	0	01	53
122/1	0	07	60
122/7	0	01	89
122/8	0	03	90
122/9	0	01	04
122/10	0	02	11
122/11	0	05	85
122/18	0	01	05
125/1	0	07	61
125/2	0	00	97
125/5	0	01	14
125/6	0	06	01
125/18	0	03	60
125/21	0	00	18
126/5	0	00	87
126/6	0	04	66
126/15	0	01	52
136/2	0	04	69
136/3	0	05	79
136/4	0	01	62
137/4	0	03	79
137/5	0	01	63

137/6	0	03	08
137/8	0	00	27
137/9	0	03	27
137/10	0	01	48
137/11	0	07	09
137/17	0	05	58
137/19	0	03	20
141/2	0	05	64
141/3	0	01	09
141/5	0	04	45
141/7	0	12	46
141/10	0	03	66
141/12	0	06	77
141/14	0	02	81
141/17	0	05	57
148/2	0	10	76
148/4	0	02	32
148/5	0	02	04
148/11	0	03	93
148/12	0	02	12
148/13	0	03	97
148/14	0	01	70
148/15	0	01	23
148/17	0	00	11
148/19	0	03	51
148/20	0	03	26
152/3	0	00	76
152/4	0	01	87
152/5	0	04	57
152/6	0	02	09
152/7	0	01	42
152/8	0	00	89
152/9	0	02	19
152/10	0	16	60
238/9	0	04	96
238/10	0	04	27
238/13	0	04	64
238/14	0	05	72

239 / 3	0	05	91
239 / 4	0	09	60
239 / 5	0	00	21
239 / 7	0	00	25
239 / 8	0	08	50
239 / 9	0	04	60
240 / 2	0	05	81
240 / 3	0	05	75
240 / 5	0	00	34
240 / 6	0	04	58
240 / 7	0	04	29
240 / 8	0	00	91
240 / 13	0	09	01
240 / 14	0	01	43
240 / 16	0	05	53
241 / 2	0	05	35
241 / 6	0	05	73
241 / 9	0	06	09
244 / 1	0	05	79
244 / 2	0	10	79
244 / 3	0	03	44
244 / 4	0	02	57
244 / 5	0	08	20
244 / 6	0	05	32
244 / 9	0	03	37
247 / 4	0	12	84
247 / 13	0	15	58
247 / 14	0	08	30
254 / 8	0	06	22
254 / 10	0	02	43
397 / 1	0	00	68
397 / 4	0	13	13
397 / 5	0	02	98
397 / 7	0	04	60
397 / 8	0	08	45
397 / 9	0	03	44
398 / 2	0	02	79

401/5	0	01	51
401/6	0	03	72
401/7	0	03	67
401/10	0	08	64
401/13	0	08	11
402/2	0	01	65
402/3	0	05	67
402/4	0	07	04
402/5	0	01	86
402/10	0	01	51
402/11	0	04	63
403/6	0	04	57
403/8	0	00	97
404/3	0	12	56
404/5	0	05	16
405/19	0	02	65
416/1	0	06	91
419/2	0	01	55
419/3	0	07	03
419/4	0	09	28
419/5	0	06	22
419/9	0	03	75
421	0	19	74
429/8	0	00	10
429/10	0	00	14
429/11	0	01	64
429/12	0	03	15
429/14	0	03	31
429/15	0	02	57
429/18	0	03	95
429/19	0	03	72
429/21	0	02	05
429/22	0	00	28
429/23	0	02	58
430/2	0	04	04
430/4	0	05	82

	430 / 5	0	04	80
	430 / 6	0	01	19
	430 / 7	0	00	63
	430 / 9	0	08	74
	430 / 10	0	03	57
	430 / 11	0	00	45
	431 / 3	0	00	14
किज़ाक्कम्बलम (खण्ड सं० 26)	36 / 1	0	03	30
	36 / 2	0	03	44
	36 / 4	0	01	28
	36 / 5	0	00	29

[फा. सं. आर-12031/196/2017-ओआर-I/ई-19746]

पवन कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 15th March, 2018

S.O. 471.— Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas SO No. 911 (E), dated 23.03.2015 published in Govt. of India Gazette No. 682 dated 01.04.2015 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (Central Act 50 of 1962) (hereinafter referred to as said Act), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Liquefied Petroleum Gas from Kochi Refinery of Bharat Petroleum Corporation Limited in the State of Kerala to Salem in the State of Tamilnadu.

AND, Whereas, the copies of the said Gazette notifications have been made available to the public between 12.08.2015 to 03.09.2015.

AND, Whereas, the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has submitted his report to the Central Government.

AND, Whereas, the Central Government, after considering the said report, is satisfied that the Right of User in the said land specified in the schedule appended should be acquired.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declared that the Right of User in the Land specified in the schedule appended to this notification are hereby acquired.

AND, further, in exercise of powers conferred by sub-section (4) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the Right of User in the said lands shall, instead of vesting in the Central Government vest free from all encumbrances in the Kochi – Salem Pipeline Private Limited.

SCHEDULE

STATE : KERALA

DISTRICT : ERNAKULAM

TALUK : KUNNATHUNADU

VILLAGE	SURVEY NUMBERS	AREA		
		HECTARES	ARES	SQ MTRS
1	2	3	4	5
KIZHAKKAMBALAM				
BLOCK. NO. 25	54/2	0	20	84
	54/9	0	04	24
	55/1	0	29	36
	56/7	0	01	23
	58/8	0	07	34
	60/3	0	03	57
	60/4	0	00	79
	60/23	0	00	68
	61/1	0	04	32
	61/2	0	02	88
	61/3	0	00	89
	61/7	0	01	60
	61/8	0	00	62
	61/9	0	01	82
	61/10	0	01	51
	61/11	0	02	25
	61/12	0	01	44
	61/13	0	00	42
	61/15	0	02	09
	61/19	0	02	97
	66/1	0	05	99
	66/2	0	05	91
	66/3	0	11	84
	66/4	0	14	29
	71/2	0	20	61
	72/1	0	05	10
	72/2	0	05	55
	72/3	0	04	18

73/9	0	00	91
74/1	0	04	04
74/2	0	01	95
74/6	0	01	09
74/7	0	02	92
74/8	0	06	57
76/5	0	00	47
76/15	0	08	14
77/1	0	17	96
77/3	0	01	33
77/4	0	02	59
77/5	0	01	42
77/6	0	00	43
77/11	0	06	32
78/5	0	04	05
78/6	0	03	52
78/8	0	04	73
94/1	0	11	77
95/7	0	21	60
95/8	0	14	10
95/9	0	00	42
99/11	0	10	04
99/12	0	02	55
99/13	0	07	46
99/14	0	01	57
99/15	0	00	51
99/16	0	01	51
99/17	0	00	60
100/1	0	02	37
100/3	0	06	36
100/9	0	04	88

100/17	0	01	48
101/2	0	04	23
101/3	0	01	05
101/11	0	00	57
101/12	0	03	46
101/13	0	01	97
101/14	0	02	76
101/15	0	10	88
101/16	0	00	71
101/17	0	03	22
101/18	0	01	47
101/19	0	00	99
118/5	0	00	84
118/8	0	05	11
118/11	0	02	12
118/12	0	04	42
118/13	0	02	62
118/14	0	01	01
118/15	0	02	48
119/9	0	09	37
120/13	0	00	74
120/17	0	00	92
121/1	0	04	19
121/2	0	01	56
121/3	0	02	03
121/4	0	02	59
121/7	0	00	33
121/8	0	01	60
121/9	0	02	20
121/10	0	03	66
121/15	0	09	35

121/21	0	01	53
122/1	0	07	60
122/7	0	01	89
122/8	0	03	90
122/9	0	01	04
122/10	0	02	11
122/11	0	05	85
122/18	0	01	05
125/1	0	07	61
125/2	0	00	97
125/5	0	01	14
125/6	0	06	01
125/18	0	03	60
125/21	0	00	18
126/5	0	00	87
126/6	0	04	66
126/15	0	01	52
136/2	0	04	69
136/3	0	05	79
136/4	0	01	62
137/4	0	03	79
137/5	0	01	63
137/6	0	03	08
137/8	0	00	27
137/9	0	03	27
137/10	0	01	48
137/11	0	07	09
137/17	0	05	58
137/19	0	03	20
141/2	0	05	64
141/3	0	01	09

141/5	0	04	45
141/7	0	12	46
141/10	0	03	66
141/12	0	06	77
141/14	0	02	81
141/17	0	05	57
148/2	0	10	76
148/4	0	02	32
148/5	0	02	04
148/11	0	03	93
148/12	0	02	12
148/13	0	03	97
148/14	0	01	70
148/15	0	01	23
148/17	0	00	11
148/19	0	03	51
148/20	0	03	26
152/3	0	00	76
152/4	0	01	87
152/5	0	04	57
152/6	0	02	09
152/7	0	01	42
152/8	0	00	89
152/9	0	02	19
152/10	0	16	60
238/9	0	04	96
238/10	0	04	27
238/13	0	04	64
238/14	0	05	72
239/3	0	05	91
239/4	0	09	60

239/5	0	00	21
239/7	0	00	25
239/8	0	08	50
239/9	0	04	60
240/2	0	05	81
240/3	0	05	75
240/5	0	00	34
240/6	0	04	58
240/7	0	04	29
240/8	0	00	91
240/13	0	09	01
240/14	0	01	43
240/16	0	05	53
241/2	0	05	35
241/6	0	05	73
241/9	0	06	09
244/1	0	05	79
244/2	0	10	79
244/3	0	03	44
244/4	0	02	57
244/5	0	08	20
244/6	0	05	32
244/9	0	03	37
247/4	0	12	84
247/13	0	15	58
247/14	0	08	30
254/8	0	06	22
254/10	0	02	43
397/1	0	00	68
397/4	0	13	13
397/5	0	02	98

397/7	0	04	60
397/8	0	08	45
397/9	0	03	44
398/2	0	02	79
401/5	0	01	51
401/6	0	03	72
401/7	0	03	67
401/10	0	08	64
401/13	0	08	11
402/2	0	01	65
402/3	0	05	67
402/4	0	07	04
402/5	0	01	86
402/10	0	01	51
402/11	0	04	63
403/6	0	04	57
403/8	0	00	97
404/3	0	12	56
404/5	0	05	16
405/19	0	02	65
416/1	0	06	91
419/2	0	01	55
419/3	0	07	03
419/4	0	09	28
419/5	0	06	22
419/9	0	03	75
421	0	19	74
429/8	0	00	10
429/10	0	00	14
429/11	0	01	64
429/12	0	03	15

	429/14	0	03	31
	429/15	0	02	57
	429/18	0	03	95
	429/19	0	03	72
	429/21	0	02	05
	429/22	0	00	28
	429/23	0	02	58
	430/2	0	04	04
	430/4	0	05	82
	430/5	0	04	80
	430/6	0	01	19
	430/7	0	00	63
	430/9	0	08	74
	430/10	0	03	57
	430/11	0	00	45
	431/3	0	00	14
KIZHAKKAMBALAM				
BLOCK. NO. 26	36/1	0	03	30
	36/2	0	03	44
	36/4	0	01	28
	36/5	0	00	29

[F. No. R-12031/196/2017-OR-I/E-19746]

PAWAN KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 मार्च, 2018

का.आ. 472.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं गैस मन्त्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 911(अ) तारीख 23 मार्च, 2015 जो भारत के राजपत्र सं० 682 तारीख 01 अप्रैल, 2015 को प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में केरल राज्य में भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड की कोच्चि रिफाइनरी से सेलम तक द्रवित पेट्रोलियम गैस के परिवहन के लिए कोच्चि कोयम्बटूर सेलम पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से कोच्चि सेलम पाइपलाइन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 12 अगस्त, 2015 से 3 सितम्बर, 2015 के बीच उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन, केंद्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केंद्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, और यह समाधान हो जाने पर की उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः अब केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केंद्रीय सरकार में निहित होने कि बजाए, सभी विल्लंगों से मुक्त, कोच्चि सेलम पाइपलाइन प्राइवेट लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

राज्य: केरल		जिला: ऐरनाकुलम		तालुक: कुन्नाथुनाडू	
नाम ग्राम	सर्वे नम्बर	क्षेत्रफल			
		हेक्टेयर	एरिया	वर्गमीटर	
1	2	3	4	5	
वाज़कुलम (खण्ड सं. 24)	61/7	0	01	34	
	61/8	0	04	27	
	61/9	0	04	22	
	61/12	0	02	98	
	61/19	0	05	85	
	62/1	0	04	58	
	62/7	0	04	71	
	62/9	0	05	14	
	63/1	0	02	07	
	63/2	0	04	98	
	63/3	0	01	39	
मारमपिल्लि (खण्ड सं. 23)	3/11	0	04	19	
	6/1	0	04	54	
	238/2	0	14	15	
	238/3	0	02	76	
मारमपिल्लि (खण्ड सं. 24)	48/11	0	05	91	

48 / 12	0	06	65
48 / 13	0	02	15
49 / 1	0	01	78
49 / 2	0	03	93
49 / 5	0	05	23
49 / 6	0	02	13
50 / 1	0	04	11
50 / 2	0	04	77
54 / 3	0	01	20
54 / 6	0	04	80
54 / 7	0	00	86
54 / 8	0	07	35
54 / 11	0	00	78
54 / 13	0	09	85
54 / 18	0	00	65
55 / 5	0	07	15
55 / 7	0	00	33
55 / 9	0	01	47
55 / 10	0	01	37
55 / 11	0	02	14
55 / 12	0	02	66
56 / 5	0	00	36
56 / 6	0	04	54
56 / 7	0	03	80
56 / 8	0	05	78

56 / 11	0	00	23
56 / 12	0	05	91
56 / 13	0	02	31
56 / 15	0	05	65
64 / 4	0	04	96
64 / 5	0	01	06
64 / 6	0	03	06
64 / 7	0	02	38
65 / 15	0	06	27
65 / 16	0	05	08
109 / 3	0	10	92
109 / 6	0	01	95
126 / 2	0	23	80
127 / 1	0	50	00
136 / 1	0	13	06

[फा. सं. आर-12031/196/2017-ओआर-1/ई-19746]

पवन कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 15th March, 2018

S.O. 472.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 911 (E), dated 23/03/2015 published in Govt. of India Gazette No. 682 dated 01.04.2015 issued under sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (Central Act 50 of 1962) (hereinafter referred to as said Act), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Liquefied Petroleum Gas from Kochi Refinery of Bharat Petroleum Corporation Limited in the State of Kerala to Salem in the State of Tamilnadu.

AND, Whereas, the copies of the said Gazette notifications have been made available to the public between 12/08/2015 to 03/09/2015.

AND, Whereas, the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has submitted his report to the Central Government.

AND, Whereas, the Central Government, after considering the said report, is satisfied that the Right of User in the said land specified in the schedule appended should be acquired.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declared that the Right of User in the Land specified in the schedule appended to this notification are hereby acquired.

AND, further, in exercise of powers conferred by sub-section (4) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the Right of User in the said lands shall, instead of vesting in the Central Government vest free from all encumbrances in the Kochi – Salem Pipeline Private Limited.

SCHEDULE

STATE : KERALA

DISTRICT : ERNAKULAM

TALUK : KUNNATHUNADU

VILLAGE	SURVEY NUMBERS	AREA		
		HECTARES	ARES	SQ MTRS
1	2	3	4	5
VAZHAKKULAM	61/7	0	01	34
BLOCK. NO. 24	61/8	0	04	27
	61/9	0	04	22
	61/12	0	02	98
	61/19	0	05	85
	62/1	0	04	58
	62/7	0	04	71
	62/9	0	05	14
	63/1	0	02	07
	63/2	0	04	98
	63/3	0	01	39
MARAMPILLY	3/11	0	04	19
BLOCK NO. 23	6/1	0	04	54
	238/2	0	14	15
	238/3	0	02	76
MARAMPILLY	48/11	0	05	91
BLOCK NO. 24	48/12	0	06	65
	48/13	0	02	15
	49/1	0	01	78
	49/2	0	03	93
	49/5	0	05	23
	49/6	0	02	13
	50/1	0	04	11
	50/2	0	04	77
	54/3	0	01	20
	54/6	0	04	80
	54/7	0	00	86
	54/8	0	07	35
	54/11	0	00	78
	54/13	0	09	85
	54/18	0	00	65
	55/5	0	07	15
	55/7	0	00	33
	55/9	0	01	47

55/10	0	01	37
55/11	0	02	14
55/12	0	02	66
56/5	0	00	36
56/6	0	04	54
56/7	0	03	80
56/8	0	05	78
56/11	0	00	23
56/12	0	05	91
56/13	0	02	31
56/15	0	05	65
64/4	0	04	96
64/5	0	01	06
64/6	0	03	06
64/7	0	02	38
65/15	0	06	27
65/16	0	05	08
109/3	0	10	92
109/6	0	01	95
126/2	0	23	80
127/1	0	50	00
136/1	0	13	06

[F. No. R-12031/196/2017-OR-I/E-19746]

PAWAN KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 मार्च, 2018

का.आ. 473.—केंद्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं गैस मन्त्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 911(अ) तारीख 23 मार्च, 2015 जो भारत के राजपत्र सं. 682 तारीख 01 अप्रैल, 2015 को प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में केरल राज्य में भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड की कोच्चि रिफाइनरी से सेलम तक द्रवित पेट्रोलियम गैस के परिवहन के लिए कोच्चि कोयम्बटूर सेलम पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से कोच्चि सेलम पाइपलाइन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 12/08/2015 से 03/09/2015 के बीच उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन, केंद्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केंद्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात, और यह समाधान हो जाने पर की उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः अब केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम कि धारा 6 कि उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन कि तारीख को केंद्रीय सरकार में निहित होने कि बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त , कोच्चि सेलम पाइपलाइन प्राइवेट लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

राज्य: केरल

जिला: ऐरनाकुलम

तालुक: कुन्नाथुनाडू

नाम ग्राम	सर्वे नम्बर	क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एरिया	वर्गमीटर
1	2	3	4	5
कुन्नाथुनाडू (खण्ड सं० 36)	18/4	0	19	03
	22/1	0	00	45
	22/3	0	06	47
	22/4	0	05	31
	22/5	0	08	96
	22/7	0	11	63
	43/1	0	05	33
	43/2	0	14	98
	44/2	0	13	16
	44/4	0	00	26
	74/1	0	19	34
	74/2	0	13	99
	75/1	0	05	72
	75/2	0	07	82
	75/4	0	16	74
	75/5	0	02	97
	75/9	0	05	95
	133/10	0	03	70
	133/11	0	05	60
	133/12	0	00	11
	133/13	0	01	79
	135/2	0	23	26
	135/4	0	01	28
	135/5	0	05	73
	135/6	0	07	20
	144/3	0	04	07
	144/4	0	00	85
	144/5	0	09	80
	145/7	0	00	74
	145/8	0	07	26
	145/9	0	02	92

145 / 12	0	00	14
145 / 13	0	08	64
147 / 2	0	03	42
147 / 7	0	17	27
147 / 12	0	01	74
244 / 10	0	03	49
244 / 13	0	07	08
254 / 2	0	05	61
254 / 3	0	08	61
254 / 4	0	08	41
258 / 2	0	00	75
258 / 4	0	05	29
258 / 6	0	11	75
258 / 9	0	02	98
258 / 10	0	02	92
258 / 11	0	02	59
260 / 3	0	00	45
260 / 4	0	04	05
260 / 9	0	07	95
260 / 10	0	13	33
260 / 12	0	03	86
261 / 2	0	02	49
261 / 3	0	03	28
263 / 1	0	02	01
278 / 1	0	00	43
278 / 2	0	03	00
278 / 6	0	08	32
279 / 1	0	03	62
279 / 11	0	03	57
279 / 12	0	04	54
282 / 1	0	10	76
282 / 2	0	02	13
282 / 9	0	00	73
283 / 13	0	03	46
283 / 14	0	04	69
286 / 10	0	01	21
298 / 12	0	00	55

298/14	0	05	30
298/15	0	02	20
299/2	0	00	27
299/3	0	01	41
299/4	0	02	10
299/7	0	02	35
299/14	0	03	61
299/17	0	00	31
300/1	0	02	40
300/3	0	04	65
301/4	0	06	50
301/5	0	01	80
301/8	0	04	18
301/14	0	00	48
301/18	0	02	39
301/19	0	07	90
301/20	0	04	55
305/1	0	02	12
324/1	0	34	00
326/3	0	06	22
326/4	0	01	79
327/9	0	19	16

[फा. सं. आर-12031/196/2017-ओआर-I/ई-19746]

पवन कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 15th March, 2018

S.O. 473.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas SO No. 911 (E), dated 23.03.2015 published in Govt. of India Gazette No. 682 dated 01.04.2015 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (Central Act 50 of 1962) (herein after referred to as said Act), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Liquefied Petroleum Gas from Kochi Refinery of Bharat Petroleum Corporation Limited in the State of Kerala to Salem in the State of Tamilnadu.

AND, Whereas, the copies of the said Gazette notifications have been made available to the public between 12.08.2015 to 03.09.2015.

AND, Whereas, the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has submitted his report to the Central Government.

AND, Whereas, the Central Government, after considering the said report, is satisfied that the Right of User in the said land specified in the schedule appended should be acquired.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declared that the Right of User in the Land specified in the schedule appended to this notification are hereby acquired.

AND, further, in exercise of powers conferred by sub-section (4) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the Right of User in the said lands shall, instead of vesting in the Central Government vest free from all encumbrances in the Kochi – Salem Pipeline Private Limited.

SCHEDULE

STATE : KERALA

DISTRICT : ERNAKULAM

TALUK : KUNNATHUNADU

VILLAGE	SURVEY NUMBERS	AREA		
		HECTARES	ARES	SQ MTRS
1	2	3	4	5
KUNNATHUNADU BLOCK. NO. 36	8/4	0	19	03
	22/1	0	00	45
	22/3	0	06	47
	22/4	0	05	31
	22/5	0	08	96
	23/7	0	11	63
	43/1	0	05	33
	43/2	0	14	98
	44/2	0	13	16
	44/4	0	00	26
	74/1	0	19	34
	74/2	0	13	99
	75/1	0	05	72
	75/2	0	07	82
	75/4	0	16	74
	75/5	0	02	97
	75/9	0	05	95
	133/10	0	03	70
	133/11	0	05	60
	133/12	0	00	11
	133/13	0	01	79
	135/2	0	23	26
	135/4	0	01	28
	135/5	0	05	73
	135/6	0	07	20
	144/3	0	04	07
	144/4	0	00	85
	144/5	0	09	80
	145/7	0	00	74
	145/8	0	07	26
	145/9	0	02	92
	145/12	0	00	14
	145/13	0	08	64
	147/2	0	03	42
	147/7	0	17	27
	147/12	0	01	74
	244/10	0	03	49
	244/13	0	07	08
	254/2	0	05	61
	254/3	0	08	61
	254/4	0	08	41
	258/2	0	00	75
	258/4	0	05	29
	258/6	0	11	75

258/9	0	02	98
258/10	0	02	92
258/11	0	02	59
260/3	0	00	45
260/4	0	04	05
260/9	0	07	95
260/10	0	13	33
260/12	0	03	86
261/2	0	02	49
261/3	0	03	28
263/1	0	02	01
278/1	0	00	43
278/2	0	03	00
278/6	0	08	32
279/1	0	03	62
279/11	0	03	57
279/12	0	04	54
282/1	0	10	76
282/2	0	02	13
282/9	0	00	73
283/13	0	03	46
283/14	0	04	69
286/10	0	01	21
298/12	0	00	55
298/14	0	05	30
298/15	0	02	20
299/2	0	00	27
299/3	0	01	41
299/4	0	02	10
299/7	0	02	35
299/14	0	03	61
299/17	0	00	31
300/1	0	02	40
300/3	0	04	65
301/4	0	06	50
301/5	0	01	80
301/8	0	04	18
301/14	0	00	48
301/18	0	02	39
301/19	0	07	90
301/20	0	04	55
305/1	0	02	12
324/1	0	34	00
326/3	0	06	22
326/4	0	01	79
327/9	0	19	16

[F. No. 12031/196/2017-OR-I/E-19746]

PAWAN KUMAR, Under Secy.

श्रम और रोजगार मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 मार्च, 2018

का.आ. 474.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण-सह-श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ सं. 10/2012) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8.3.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/7/2012-आई.आर. (सीएम-II)]

राजेंद्र सिंह, अनुभाग अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT

New Delhi, the 9th March, 2018

S.O. 474.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 10/2012) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of M/s. Singareni Collieries Company Ltd., and their Workman, received by the Central Government on 08.03.2018.

[No. L-22012/7/2012-IR (CM-II)]

RAJENDER SINGH, Section Officer

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD****Present:** Sri Muralidhar Pradhan, Presiding OfficerDated the 29th day of January, 2018**INDUSTRIAL DISPUTE No. 10/2012****Between:**

The General Secretary (Sri Riaz Ahmed),
Singareni Miners & Engg. Workers Union (HMS),
C-34, Sector-I, Godavarikhani,
Karimnagar Dist.- 505209

...Petitioner Union

AND

The General Manager,
M/s. Singareni Collieries Company Ltd.,
Bhupalapally Area, Bhupalapally,
Warangal District-506169

...Respondent

Appearances:

For the Petitioner : M/s. A. Sarojana & K. Vasudeva Reddy, Advocates
For the Respondent : M/s. P.A.V.V.S. Sarma & Vijaya Laxmi Panguluri,
Advocates

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-22012/ 7/2012- IR(CM-II) dated 28.3.2012 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 requiring this forum to decide the question:

SCHEDULE

“Whether the action of the management of General Manager M/s. Singareni Collieries Company Ltd., Bhupalapally Area in terminating the services of Sri Vanaparthi Rajam, Ex-Hammerman, KTK-3 Incline,

Bhupalapalli Area with effect from 12.2.2008 is justified or not? To what relief the concerned workman is entitled?"

On receipt of the reference this Tribunal has registered and numbered the reference as I.D. No.10/2012 and issued notices to both the Petitioner Union and the management. They both appeared before the court and engaged their respective counsels with the leave of the court and consent of either party.

2. The averments made in the claim statement in brief are as follows:

The Petitioner was initially joined the services of the Respondents' company in the year 1987 as Badli Filler and later he was confirmed as Coal Filler. Thereafter, he was converted as General Mazdoor and subsequently, he was promoted as Hammerman. The Petitioner was regular to his duties till the year 2006. The Petitioner submits that due to ill health and other family problems he remained absent during the year 2006. While the matters stood thus, charge sheet dated 11.1.2007 was issued to the Petitioner by the Respondents alleging that the Petitioner absented from duty during the year 2006, and it is also stated that the charge sheet was sent to the Petitioner's house which was returned undelivered, and as such a paper advertisement was issued, advising the Petitioner to attend for enquiry, and as the Petitioner did not attend the enquiry on the scheduled date, an exparte enquiry was conducted and he was dismissed from service. The Petitioner was undergoing treatment in his native village and he was not aware of either issuance of charge sheet or any publication made by the Respondents in the newspapers. The Petitioner could have certainly participated in the enquiry, if really he was in receipt of the charge sheet or notice of paper publication. It is stated that the Petitioner was unable to perform his duties regularly during the year 2006 only on account of his ill-health and other family problems, for this he could not attend his duties sincerely, but without considering any of his submissions, the Petitioner was dismissed from service vide office order dated 8.2.2008. It is also stated that the action of the Respondents' management in dismissing the Petitioner from service is wholly illegal, arbitrary, violative of the principles of natural justice. The Petitioner has rendered about 20 years of continuous service in the Respondents' management. He remained absent from duty only on account of his sickness and family problems which ought not to have been treated as a serious misconduct. The Petitioner made the above stated submissions, but without considering any of his submissions, the Petitioner was dismissed from service vide one office order. The Petitioner approached the Respondents to consider his case sympathetically but the management did not pay any heed to it. Therefore, the Petitioner was constrained to approach this Tribunal to declare the impugned order No. BHP/PER/20-D/655 dated 8.2.2.008 issued by the Respondents as illegal and arbitrary and to set aside the same and consequently to direct the Respondents to reinstate the Petitioner into service duly granting all other attendant benefits such as continuity of service, back wages etc..

3. The Respondents filed counter denying the averments made in the petition, with averments in brief as follows:

In the counter the Respondents while admitting some of the factual aspects to be true, stated that the Petitioner has been dismissed from service on proved charges of absenteeism, after conducting a detailed domestic enquiry duly following the principles of natural justice. The Petitioner had remained absent unauthorizedly from duty without sufficient cause on a number of days and attended four days for duty during the calendar year 2006. A charge sheet was sent to his last known home address as per the procedure as he was not attending for duty, which was returned undelivered. Subsequently, the same was published in Andhra Jyothi Telugu daily newspaper dated 31.3.2007 advising the Petitioner to attend an enquiry fixed on 4.4.2007. The Petitioner neither submitted any explanation to the charge sheet nor attended the enquiry, as such an exparte enquiry was conducted, wherein the charges levelled against the Petitioner were proved. The enquiry was conducted purely following the principles of natural justice. It is stated that basing on the evidence adduced before the Enquiry Officer, the Enquiry Officer submitted his report holding the charges levelled against the Petitioner was proved. A copy of the enquiry report and the enquiry proceeding was sent to the Petitioner by way of show cause notice giving an opportunity to make representation against the findings made in the enquiry report; since the charge levelled against the Petitioner is proved and it was serious in nature, punishment warranted was dismissal from service. The Disciplinary Authority has gone through the enquiry proceeding and his past record, and found that there was no extenuating circumstances to take a lenient view and lastly, Respondent No.1 was constrained to dismiss the Petitioner from service. It is stated that in fact the Petitioner was irregular to his duties and he did not improve his attendance even after issuing charge sheet, and after receiving the show cause notice. It is further stated that the punishment imposed on the Petitioner is justified and legal and as such the claim petition be dismissed in limini.

4. In view of the memo filed by the counsel for the Petitioner, stating therein, not to challenge the validity of the domestic enquiry, the domestic enquiry conducted in the present case is held as legal and valid vide order dated 15.11.2016.

5. Both the parties have advanced their arguments under Sec.11(A) of the Industrial Disputes Act, 1947, in support of their claim.

6. **In view of the above facts, the points for determination are:**

- I. Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Ltd., in imposing the punishment of dismissal from service to Sri Vanaparthi Rajam is legal and justified?
- II. Whether the Petitioner is entitled for reinstatement into service?
- III. If not, to what other relief he is entitled?

7. **Point No. I:** During the course of argument, the Learned Counsel appearing on behalf of the Petitioner submitted that due to his illness and other family problems, the Petitioner could not be able to attend his duty sincerely. But on account of absenteeism capital punishment of dismissal from service has been imposed on the Petitioner. When the Petitioner has taken a stand that due to illness he could not be able to attend his duties regularly and remained absent, the authority should have considered his case but, without considering any of the submissions of the Petitioner, the authority has passed one cryptic and unreasoned order and has given capital punishment to the Petitioner when several modes of punishment are enumerated in the company's Standing Orders.

8. On the other hand, the Learned Counsel appearing on behalf of the Respondents submitted that when the Petitioner was a chronic absentee and was found guilty in the charges levelled against him, the punishment imposed by the Respondents' management is legal and proper. When the Petitioner was not sincere in his duty and failed to maintain minimum musters in a year he is not entitled to be reinstated in service.

9. Admittedly, working in the Mines is hazardous and remaining absent is not unusual. In this case, due to illness the Petitioner could not be able to regular in his duty. In fact, due to illness the Petitioner has remained absent in his duties and a proceeding was initiated against him for his absenteeism followed by an enquiry. In the enquiry, the Petitioner did not participate and the charges levelled against the Petitioner were proved. For this, capital punishment has been imposed. After dismissal of service, the Petitioner has become jobless and unable to provide a square meal to his family members. He has already realised his mistake and has taken shelter in the Tribunal and is ready to provide bread and butter to his family members. When he has already realised his mistake atleast one chance should be given to him for reinstatement into service. Admittedly several modes of punishment are enumerated in company's Standing Orders. The Petitioner is a first offender. When punishment has been imposed, his past conduct has not been considered. While imposing capital punishment to his employees, the management should think of the condition of the worker as well as his family members so also his past conduct. In this case, the punishment imposed by the Respondent for dismissal of service is too harsh. Therefore, it can safely be stated that the action of the management in imposing the punishment of dismissal from service to Sri Vanaparthi Rajam is not legal and justified.

This point is answered accordingly.

10. Point Nos. II & III: In Point No.I, it has already been discussed that the punishment of dismissal from service to Sri Vanaparthi Rajam is not legal and justified. After dismissal of service as stated earlier, when the Petitioner has already realised his mistake and has come to the Tribunal with a prayer for reinstatement into service he should be given a chance to serve for his family members. Now, after dismissal of service the Petitioner has become jobless and he being the sole earning member of his family, is unable to provide a square meal to his family members. In such a circumstances, atleast the Petitioner should be given a chance to maintain his livelihood and to work under the Respondents' management. But, in the circumstances stated above, the Petitioner is not entitled to get all the relief as claimed in his petition. But the Petitioner is entitled to be given a chance to work in the Respondent's management.

Thus, Point Nos. II & III are answered accordingly.

RESULT:

The action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Ltd., in imposing the punishment of dismissal from service to Sri Vanaparthi Rajam is neither legal nor justified. Proceeding No. BHP/PER/20-D/655 dated 8.2.2008 issued by Respondent is declared as illegal and is hereby set aside It is ordered that the workman Sri Vanaparthi Rajam be taken into service as a fresh employee i.e., Badli filler in Cat.I, on initial basic pay without back wages and continuity of service, subject to medical fitness by the company Medical Board and the workman be kept under probation for a period of one year. The management is also directed to take an undertaking of good behaviour from the workman at the time of his posting.

The Workman can not claim for his posting in the same place, where he was last employed. The workman shall have to maintain either minimum mandatory 20 musters every month or 180 musters in a year and the management shall have the right to review the work of the workman in every three months. In the event of any short fall of attendance during the period of the three months, the service of the workman will not be terminated and he will be cautioned to improve his performance by issuing him a warning letter. However, in the event of any shortfall of attendance during one year of service of the workman, he will be terminated from service without any further notice and enquiry and in

case the workman completes the probation period of six months successfully he will be allowed to continue in service till the date of his superannuation. The management shall consider any forced absenteeism on account of Mine accidents/ Natural disasters, taking treatment in the company's hospital, as attendance. All other usual terms and conditions of appointment will be applicable i.e., transfer, hours of work, day of rest, holidays etc.. to the workman for appointment afresh.

Award is passed accordingly. Transmit.

Typed to my dictation by Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant and corrected by me on this the 29th day of January, 2018.

MURALIDHAR PRADHAN, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner

NIL

Witnesses examined for the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 9 मार्च, 2018

का.आ. 475.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण-सह-श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ सं. 76/2011) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8.3.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/146/2011-आई.आर. (सीएम-II)]

राजेंद्र सिंह, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 9th March, 2018

S.O. 475.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Corrigendum of Award (Ref. No. 76/2011) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of M/s. Singareni Collieries Company Ltd., and their Workman, received by the Central Government on 08.03.2018.

[No. L-22012/146/2011-IR (CM-II)]

RAJENDER SINGH, Section Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

Present: Sri Muralidhar Pradhan Presiding Officer

Dated the 24th day of January, 2018

INDUSTRIAL DISPUTE No. 76/2011

Between:

Sri M. Venkata Swamy,
SC Workers Union (AITUC),
Com.Gangaram Bhavan, Md. Khasim Basthi,
Bellampalli – 504251

...Petitioner

AND

The General Manager,
M/s. Singareni Collieries Company Ltd.,
Ramagundam-I Division,
Godavarikhani – 505209.

...Respondent

Appearances:

For the Petitioner : Sri S. Bhagawanth Rao, Advocate

For the Respondent : M/s. P.A.V.V.S. Sarma & Vijaya Laxmi Panguluri, Advocates

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No.L-22012/ 146/2011-IR(CM-II) dated 22.11.2011 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 requiring this forum to decide the question:

SCHEDULE

“Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Ltd., Ramagundam Area-I Division in awarding penalty of reduction of Eight Increments with cumulative effect from 4.3.2002 against Sri Thokala Narsaiah, General Mazdoor, EC 0891304 GDK-2 INC is legal and justified? To what relief the concerned workman concerned is entitled to?”

On receipt of the reference this Tribunal has registered and numbered the reference as I.D. No. 76/2011 and issued notices to both the workman and the management. They both appeared before the court and engaged their respective counsels with the leave of the court and consent of either party.

2. The averments made in the claim statement in brief are as follows:

The Petitioner was an employee of the Respondent's company, who was appointed on 14.10.1983 as a badli filler on merit quota and thereafter he was promoted as coal filler and posted to work at GDK 8A Incline. While so, on 4.6.2000 in the III shift, he was deployed to work in Godavarikhani 2 and 2A Incline in pit Magazine, on a report that he has taken away “Telepherma” explosive box containing 25 kgs explosives from the Magazine and scrumptiously kept in a sand heap about 50 meters away from Magazine, the Respondent company foisted two charges against the Petitioner workman, conducted an enquiry and after enquiry deducted eight increments cumulatively from his salary since the date of passing of the order. The charges are as follows:

“25(1): Theft fraud or dishonesty in connection with the employer's business or property.

25(16): Any breach of the Mines Act, 1952 or any other Act or any rules, regulations or bye laws thereunder or non-compliance with instructions with regard to safety given by supervisors or officials of the company.”

It is submitted that the Petitioner has not committed the said theft. In order to prove the charges the management examined Mr. B. Rajamouli and Anjaneyulu who did not say clearly whether the Petitioner has committed the theft. The Petitioner participated in the enquiry. The Chief General Manager has passed the order on 4.3.2002 by reducing eight increments with cumulative effect which caused great economic loss to the Petitioner. One Police case had been initiated against the Petitioner and he got acquittal in the police case on 12.10.2006 in CC No.501/2003 by the JMFC, Peddapalli. It is also stated that the punishment awarded is too arbitrary, illegal and against the principles of natural justice. Therefore, it is prayed to set aside the impugned order passed on 4.3.2002, in order to save the Petitioner from the economic loss caused to him as well as to his family.

3. Respondent filed counter with the averments in brief as follows:

The workman was appointed as Badli filler on 14.10.1983. Later he was absorbed as General Mazdoor. The Petitioner was issued with a chargesheet dated 10.8.2001 under Company's Standing Orders No.25.1 and 25.16 read with contravention of Mandatory rule 5 of Explosive Substances Act, 1908 for the misconduct committed by him. He has submitted explanation to the chargesheet which was found unsatisfactory. Thereafter, one enquiry was conducted wherein the Petitioner was given every opportunity to defend his case, including defence assistance. The charges against the Petitioner were proved and the Petitioner was issued with a show cause notice dated 21.1.2002 along with the copy of enquiry report and enquiry proceeding. The Petitioner submitted his representation. The Disciplinary Authority after considering his representation as well as the material on record, imposed a penalty of reduction of eight increments earned by him in the category/grade as on that date with cumulative effect w.e.f. 4.3.2002. It is also submitted that the charge against the employee was that on 4.6.2000 in III shift he was deployed to work as GDK. No.2 & 2A Incline Pit Magazine, and it was reported that at about 6 AM on 5.6.2000 he has taken away the “Telepherma” explosive box containing 25 Kgs of Explosives from the Magazine and surreptitiously kept under a sand heap about 50 Mtrs away from the Pit Magazine. The charges levelled against the Petitioner were proved, which were grave and serious in nature

warranting punishment with that of dismissal. It is further stated that the Management has taken a lenient view and imposed penalty of reduction of eight increments earned by him in the category/grade as on that date with cumulative effect w.e.f. 4.3.2002. In view of the above submission the Respondent submitted that the present case may be dismissed as devoid of merits.

4. In view of the memo filed by the Learned Counsel for the Petitioner not disputing the validity of the domestic enquiry and to decide the case on merit, the domestic enquiry conducted in the present case is held as legal and valid vide order dated 24.3.2016.

5. I have already heard the counsels for both the side in this matter and perused the written notes of arguments submitted by the Learned Counsel for the Petitioner under Sec.11A of the Industrial Disputes Act, 1947.

6. The points for determination of this case are as follows:

I. Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Ltd., Ramagundam Area-I Division in awarding penalty of reduction of Eight Increments with cumulative effect from 4.3.2002 against Sri Thokala Narsaiah, General Mazdoor, EC 0891304 GDK-2 INC is legal and justified?

II. What other relief the Petitioner is entitled to get?"

7. **Point No. I:** The Learned Counsel appearing on behalf of the workman submitted that the workman/Petitioner was appointed in the Respondent's Management on 14.10.1983 as badli filler and subsequently promoted as coal filler. The Petitioner has rendered 17 years of long service under the Respondent and has worked to the full satisfaction of the superiors of the Respondent's Company. While working on 4.6.2000, in the III shift the Petitioner was deployed to work at GDK II A incline Magazine, wherein it was reported that after about 6 AM on 5.6.2000, the Petitioner has taken away the "Telepherma" explosive box containing 25 Kgs. explosives of Magazine and surreptitiously kept 50 meters away from the Magazine. It is further contended that basing on the above allegation the Respondent Management issued chargesheet to the Petitioner/workman framing two charges under Company's Standing Orders No.25.1 and 25.16. Thereafter, one enquiry was conducted and in that enquiry both the charges were proved and subsequently, the Respondent Management passed order deducting 8 increments with cumulative effect from the salary of the workman. It is further contended that at the same time the Respondent Management lodged a Police complaint against the Petitioner at Godavarikhani Police Station and Police filed chargesheet against the workman who also attended the court and faced the trial. Ultimately the Petitioner/workman was acquitted from the charges levelled against him by the Learned JM, Peddaplalli. It is further contended that even though charge No.1 was in connection with employees business or property it was not proved. It is also contended that during the course of enquiry none of the witnesses supported the above charge, but basing on assumption the Department proved the charges and passed the impugned order. In the criminal case through prosecution, examined as many as 8 witnesses but prosecution witness No.1 being the material witness did not support the allegation made against the chargesheeted employee of the Respondent. PW1, PW2 and PW3 being the circumstantial witnesses whose evidence carries no weight and PW6 and PW7 being the material witnesses who were stated to be the seizer witnesses to the seized property did not support the prosecution story and recovery of stolen property from the Petitioner. Ultimately, the Learned Court passed the order of acquittal. In the criminal case PW1, PW2 and PW3 also turned hostile. He also contended that even though charge No.2 relates to breach of Mines Act and does not arise in the above said case and the Respondent Management failed to establish the charge but imposed the penalty of deducting 8 increments with cumulative effect from the salary of the Petitioner which is not at all maintainable in the eye of Law. He further contended that the domestic enquiry conducted by the Respondent Management is also not legal and valid. He further contended that even though the Petitioner gave reply to the enquiry report, but it was not considered and without considering the plight of the Petitioner/workman, the Respondent Management imposed one major penalty of deduction of 8 increments from his salary. The action of the Respondent is nothing but double jeopardy. As per his contention, no man should be punished twice for the same cause of action. In one hand, the Respondent lodged a false case, threatened and harassed the poor Petitioner for a period of six years by initiating the criminal case and on the other hand, by framing charges conducted an enquiry and deducted 8 increments from the salary of the Petitioner for the same cause of action, causing economical loss to the workman. He further argued during the course of service period the Petitioner has become paralytic. The Petitioner submitted an application to the Respondent to declare him unfit for his paralytic situation and ultimately the Petitioner was declared unfit for further service period on 19.12.2015 and there is no relationship between the Petitioner and the Respondent Company since 19.12.2015. The Petitioner has been harassed like anything. He has already suffered a lot. With the above submission the Learned Counsel for the Petitioner submitted the order passed by the Respondent Management may please be set aside.

8. On the other hand, the Learned Counsel appearing on behalf of the Respondent submitted that on the allegation of theft, fraud, dishonesty in connection with the employees, business or property and in Breach of Mines Act, 1952 charge was framed against the workman Petitioner under Rules 25.1 and 25.16 of the Company's Standing Orders and chargesheet was issued and it was acknowledged by him and he submitted his explanation on 21.8.2001 which was

considered and found to be not satisfactory. The workman was issued notices for enquiry directing him to attend the enquiry. Thereafter Enquiry was conducted in presence of the workman/Petitioner and all the principles of natural justice was followed in the enquiry giving every opportunity to the Petitioner. Ultimately charge was proved and the Petitioner was held guilty of the charges. The Disciplinary Authority taking lenient view imposed a penalty of deduction of 8 increments earned by him in the Category/Grade as on that date with cumulative effect w.e.f. 4.3.2002. It is further contended that the Petitioner raised dispute after lapse of 8 years and on this ground, the reference is liable to be rejected for delay and laches. The authority has rightly passed the order for misconduct under Company's Standing Orders No.25.1 and 25.16. It is further contended that the Petitioner has admitted the domestic enquiry conducted by the Respondent Management as legal and valid and after admitting the legality of the domestic enquiry the Petitioner has no locus standi to question the justification of the penalty imposed by the Respondent Management. In the above circumstances, the Learned Counsel for the Respondent submitted, this Tribunal may not interfere in the order passed by the Respondent Management.

9. On hearing the rival contentions of the counsels of both the sides and on consideration of the averments made by both the sides, it is noticed that in fact the Respondent Management has initiated one Departmental Proceeding against the workman Petitioner and framed two charges and both the parties were proved. There was no eye witness to the alleged theft. Nobody has seen who committed theft of the Telepherma Magazine, and the Department has also not valued the amount of the stolen articles. It is not known what amount of loss caused to the Management due to theft of such articles. Out of presumption the Petitioner was held guilty of the charges and ultimately such an order was passed and at the same time, the Department has initiated one police case against the Petitioner workman. Those persons who were cited as witnesses in the Departmental enquiry were also the witnesses in the police case. But the so called material witnesses to the police case turned hostile. The alleged stolen property has not been recovered from the conscious possession of the workman Petitioner. It has been recovered from a sand heap perhaps 50 meters away from the spot. Nobody has seen who kept the articles there. In spite of that as the prosecution failed to prove the charges, the Court of JMFC, Peddapalli acquitted the workman. After the above order of acquittal in the criminal case in the year 2006, even though the Petitioner workman made a representation to the Respondent Management to consider his case sympathetically it was not considered. When there is no evidence against the Petitioner workman for commission of the alleged theft, out of presumption and assumption it can not be stated that the workman/Petitioner has committed theft of the Telepherma explosive box containing 25 Kgs of explosives from the Magazine and surreptitiously kept it in a sand heap about 50 meters away from the Magazine and only basing on assumptions and presumptions such a heavy penalty was imposed. In such circumstances, the penalty imposed by the Respondent Management on the workman is not at all proper. In the mean while the workman has suffered paralysis and has requested the Respondent management to declare him unfit. The workman has worked for a long period under the Respondent without any remark. Even though a police case was initiated against the workman the prosecution failed to prove the charges levelled against the workman. As because the workman admitted the legality of the domestic enquiry it can not be stated that without any proof either orally or documentary one person will be held guilty. In the case at hand, without considering any of the legal aspects an innocent man has been punished. While imposing punishment to an employee the Management should have thought about the circumstances in which the employee was working. Without considering any of the submissions of the workman, and without verifying the legality of the allegation, a heavy penalty has been imposed on a workman by the Respondent which needs the interference of this Tribunal. Therefore, on consideration of the grounds stated above, it can safely be stated that awarding penalty of reduction of 8 increments with cumulative effect from 4.3.2002 against the workman by the Management is not proper and justified and it needs to be set aside.

Thus, Point No.I is answered accordingly.

10. **Point No.II:** In view of the findings, given in Point No.I, the Petitioner workman is not entitled to get any other relief.

Thus, Point No.II is answered accordingly.

Result:

The reference is answered as under:

The action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Ltd., Ramagundam Area-I Division in awarding penalty of reduction of Eight Increments with cumulative effect from 4.3.2002 against Sri Thokala Narsaiah, General Mazdoor, EC 0891304 GDK-2 INC is neither legal nor justified. The impugned order dated 4.3.2002 is liable to be set aside and it is hereby set aside.

Award is passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her and corrected by me on this the 24th day of January, 2018.

MURALIDHAR PRADHAN, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner

NIL

Witnesses examined for the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 9 मार्च, 2018

का.आ. 476.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स इफको के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण-सह-श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ सं. 518/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9.3.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/74/2002-आई.आर. (सीएम-II)]

राजेंद्र सिंह, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 9th March, 2018

S.O. 476.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 518/2004) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad, as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of M/s. IFFCO and their Workman, received by the Central Government on 09.03.2018.

[No. L-42012/74/2002-IR (CM-II)]

RAJENDER SINGH, Section Officer

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
AHMEDABAD**

Present: Pramod Kumar Chaturvedi, Presiding Officer,
CGIT cum Labour Court,
Ahmedabad,
Dated 12th February, 2018

Reference: (CGITA) No. 518/2004

The State Marketing Manager,
Indian Farmers Fertilizer Co-operative Ltd.,
2nd Floor, Mistry Chambers,
Khanpur, Ahmedabad (Gujarat)

...First Party

V/s

Shri Khodidas Ishwarbhai Prajapati,
7/1015, Laxminagar Prajapativas,
Near Gujarat Stadium,
Sabarmati, Ahmedabad (Gujarat)

...Second Party

For the First Party : Shri K.H. Patel
For the Second Party : Shri Vinod J. Patel

AWARD

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-42012/74/2002-IR(CM-II) dated 05.11.2002 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

SCHEDULE

“Whether the action of State Marketing Manager, IFFCO, Ahmedabad in terminating the service of Shri Khodidas Ishwarbhai Prajapati, Part Time Watchman w.e.f. 01.01.2001 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to and from which date?”

1. The reference dates back to 05.11.2002. In the present reference, both the parties submitted their pleadings and evidences but at the time of final arguments, the second party workman Khodidas Ishwarbhai Prajapati and Shri N.S. Patel, State Marketing Manager, IFFCO, Ahmedabad, submitted the compromise/settlement Ex. 32. Both the parties were identified by their respective advocates namely Shri V.J. Patel and Shri K.H. Patel. The settlement was verified by me by reading over to the parties who stated the settlement as accepted.
2. Thus the reference is decided in terms of settlement Ex. 32. The settlement Ex. 32 will be the part of the award.

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 मार्च, 2018

का.आ. 477.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण-सह-श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ सं. एल.सी. 47/2010) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8.3.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22013/01/2018-आई.आर. (सीएम-II)]

राजेंद्र सिंह, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 9th March, 2018

S.O. 477.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. LC 47/2010) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of M/s. Singareni Collieries Company Ltd., and their Workman, received by the Central Government on 08.03.2018.

[No. L-22013/01/2018-IR (CM-II)]

RAJENDER SINGH, Section Officer

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT
HYDERABAD**

Present: Sri Muralidhar Pradhan, Presiding Officer

Dated the 31st day of January, 2018

INDUSTRIAL DISPUTE L.C. No. 47/2010

Between:

Sri M. Chandraiah,
S/o Banaiah, C/o M/s. G. Vidya Sagar,
Advocates, 719, Sri Venkateswara Temple Lane,
Chikkadpally, Hyderabad – 500 020

...Petitioner

AND

1. The Chairman & Managing Director(PA & W),
M/s. Singareni Collieries Company Ltd.,
Singareni Bhavan, Red Hills, Hyderabad.

2. The General Manager,
M/s. Singareni Collieries Company Ltd.,
Ramagundam Area-IV, Ramagundam,
Karimnagar District

...Respondents

Appearances:

- For the Petitioner : M/s. G. Vidya Sagar, K. Udaya Sri, P. Sudheer Rao &
D. Sunil Kumar, Advocates
For the Respondent : M/s. P.A.V.V.S. Sarma & Vijaya Laxmi Panguluri,
Advocates

AWARD

Sri M. Chandraiah who worked as Driver, Cat-V (who will be referred to as the workman) has filed this petition under Sec. 2A(2) of the Industrial Disputes Act, 1947 against the Respondent M/s. Singareni Collieries Company Ltd., seeking to declare proceeding dated 31.8.2004 issued by the Respondents as illegal, arbitrary and to set aside the same consequently directing the Respondents to reinstate the Petitioner into service duly granting all the consequential benefits such as continuity of service, back wages and all other attendant benefits etc., and such other reliefs as this court may deem fit.

2. **The averments made in the petition in brief are as follows:**

The Petitioner was initially joined the services of the Respondents' company on 11.11.1984 as a temporary general mazdoor and subsequently he was promoted as General Mazdoor. Later his services were confirmed as General mazdoor. After going through due procedure the Petitioner was appointed as Driver category V and posted to transport section, Ramagundam vide order dated 25/27.1.1995. The Petitioner was regular to his duties. The Petitioner submits that he fell sick and took treatment at company hospital, and he remained absent during the year 2003. Later as he could not recover from ill health, he went to his native place by submitting leave application along with medical certificates. He met with a road accident and sustained injuries, causing fracture on his right leg, which was informed to the management. While the matters stood thus, without considering his leave applications, charge sheet dated 23.2.2003 was issued to the Petitioner by the Respondents alleging that the Petitioner absented from duty during the year 2003. Subsequently, one inquiry was conducted and during the time of the enquiry, the Petitioner was not given any opportunity much less valid in nature to put forth his grievances. Basing on such lopsided enquiry, the Enquiry Officer held the charges as proved and basing on the erroneous findings of the Enquiry Officer, the Petitioner was dismissed from service vide order dated 31.8.2004. It is stated that during the course of the enquiry the Petitioner has categorically stated about his inability to perform his duties regularly during the year 2003, as it was only on account of his ill-health. But without considering any of his submissions, the Petitioner was dismissed from service. It is also stated that the action of the Respondents' management in dismissing the Petitioner from service is wholly illegal, arbitrary, violative of the principles of natural justice. The Petitioner has rendered 20 years continuous service in the Respondents' management. The Petitioner approached the Respondents to consider his case sympathetically, but the management did not pay any heed to it. Therefore, the Petitioner was constrained to approach this Tribunal to declare the impugned order dated 31.8.2004 issued by the Respondents is illegal and arbitrary and to set aside the same and consequently to direct the Respondents to reinstate the Petitioner into service duly granting all other attendant benefits such as continuity of service, back wages etc..

3. **The Respondents filed counter denying the averments made in the petition, with the averments in brief which runs as follows:**

In the counter the Respondents while admitting some of the factual aspects to be true, stated that the Petitioner was appointed in the Respondents' company on 11.11.1984 as Temporary General mazdoor and subsequently appointed as General Mazdoor & Driver in the organization. He was dismissed from service on proved charges of absenteeism, after conducting a detailed domestic enquiry duly following the principles of natural justice. though the Petitioner received enquiry notice, he did not choose to attend the enquiry. The enquiry was conducted exparte, purely following the principles of natural justice. It is stated that basing on the evidence adduced before the Enquiry Officer, the Enquiry Officer submitted his report holding the charges levelled against the Petitioner was proved. A copy of the enquiry report and the enquiry proceeding was sent to the Petitioner by way of show cause notice giving him an opportunity to make representation against the findings of the enquiry report; since the charge levelled against the Petitioner is proved and it was serious in nature, punishment warranted was dismissal from service. The Disciplinary Authority has gone through the enquiry proceeding and his past record and found that there was no extenuating circumstances to take a lenient view and lastly, the Respondents were constrained to dismiss the Petitioner from service. It is stated that in fact the Petitioner was irregular to his duties and he did not improve his attendance even after issuing charge sheet to him, and after receiving the show cause notice. It is further stated that the punishment imposed on the Petitioner is justified and legal and as such the claim petition is liable to be dismissed in limini.

4. The domestic enquiry conducted in this case was held valid and legal vide order dated 15.3.2017 as the counsel for the Petitioner did not want to press it.

5. I have already heard from both the parties in this matter under Sec.11(A) of the Industrial Disputes Act, 1947.

6. In view of the above facts, the points for determination are:

I. Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Ltd., in imposing the punishment of dismissal from service to Sri M. Chandraiah is legal and justified?

II. Whether the Petitioner is entitled for reinstatement into service?

III. If not, to what other relief he is entitled?

7. **Point No. I:** During the course of argument, the Learned Counsel appearing on behalf of the Petitioner submitted that due to his illness on account of accident and other family problems, the Petitioner could not be able to attend his duty sincerely. He was getting treatment in company's area hospital. Even in his show cause the Petitioner has mentioned the above facts but it has not been considered during the course of the enquiry and on account of absenteeism capital punishment of dismissal from service was imposed on the Petitioner. When the Petitioner has taken a stand that due to his illness, and other family problems he could not be able to attend his duties regularly and remained absent, the authority should have considered his case while imposing capital punishment. But the authority has not considered any of the submissions of the Petitioner, and has imposed capital punishment to the Petitioner when several modes of punishment are enumerated in the company's Standing Orders.

8. On the other hand, the Learned Counsel appearing on behalf of the Respondents submitted that when the Petitioner was a chronic absentee and was found guilty in the charges levelled against him, the punishment imposed by the Respondents' company is legal and proper. When the Petitioner was not sincere in his duty and failed to maintain minimum musters in a year he is not entitled to be reinstated into service.

9. Admittedly, working in the Mines is hazardous and remaining absent is not unusual. In this case, due to his illness and other family problems, the Petitioner could not be able to be regular in his duty, and has remained absent in his duties and a proceeding was initiated against him for his absenteeism followed by an enquiry. In the enquiry, the charges levelled against the Petitioner were proved. For this, capital punishment was imposed. After dismissal of service, the Petitioner has become jobless and unable to provide a square meal to his family members. He has already realised his mistake and has taken shelter in the court at the age of 48 years, he is now aged about 55 years, and is searching ways and means to provide bread and butter to his family members. The Petitioner being an able bodied and energetic man has already realised his mistake and is coming forward to the court at the age of 55 years to work under the Respondents. In such a circumstances, atleast one chance should be given to the Petitioner to work under the Respondents for himself and for his family members. Admittedly several modes of punishment are enumerated in company's Standing Orders. But the management has selected to impose capital punishment to the Petitioner. The Petitioner is a first offender and has worked for about twenty years under the Respondent. While imposing capital punishment to his employees, the management should think of the condition of the workers as well as his family members. In this case, the punishment imposed by the Respondents for dismissal of service is too harsh. Therefore, it can safely be stated that the action taken by the management in imposing the punishment of dismissal from service to Sri M. Chandraiah is not legal and justified and is liable to be set aside.

Thus, Point No.I is answered accordingly.

10. **Point Nos. II & III:** In Point No.I, it has already been discussed that the punishment of dismissal from service to Sri M. Chandraiah is not legal and justified. After dismissal of service as stated earlier, when the Petitioner has already realised his mistake and has come to the court with a prayer for reinstatement into service he should be given a chance to serve for his family members. After dismissal of service the Petitioner has become jobless and he being the sole bread earner of his family, is unable to provide a square meal to his family members. In such a circumstances atleast the Petitioner should be given a chance to maintain his livelihood and to work under the Respondents' management. But in this case, the Petitioner has not come to the court soon after his dismissal of service. In the opinion of this Tribunal the Petitioner is not entitled to get all the relief as claimed in his claim petition. But he is only entitled to be given a chance to work in the Respondents' management.

Thus, Point Nos. II & III are answered accordingly.

ORDER

Proceeding dated 31.8.2004 issued by the Respondents is declared as illegal and is hereby set aside. It is ordered that the workman Sri M. Chandraiah be taken into service as a fresh employee i.e., Badli filler/ General Mazdoor in Cat.I, on initial basic pay without back wages and continuity of service, subject to medical fitness by the company Medical Board and the workman be kept under probation for a period of six months/one year as per the option of the

Respondents. The management is also directed to take an undertaking of good behaviour from the workman at the time of his posting.

The Workman can not claim for his posting in the same place, where he was last employed. The workman shall have to maintain either minimum mandatory 20 musters every month or 180 musters in a year and the management shall have the right to review the work of the workman in every three months. In the event of any short fall of attendance during the period of the three months, the service of the workman will not be terminated and he will be cautioned to improve his performance by issuing him a warning letter. However, in the event of any shortfall of attendance during six months/one year of service of the workman, he will be terminated from service without any further notice and enquiry and in case the workman completes the probation period of six months/one year successfully he will be allowed to continue in service till the date of attaining his superannuation. The management shall consider any forced absenteeism on account of Mine accidents/ Natural disasters, taking treatment in the company's hospital, as attendance. All other usual terms and conditions of appointment will be applicable i.e., transfer, hours of work, day of rest, holidays etc.. to the workman for appointment afresh.

Award is passed accordingly. Transmit.

Typed to my dictation by Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant and corrected by me on this the 31st day of January, 2018.

MURALIDHAR PRADHAN, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner

NIL

Witnesses examined for the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 9 मार्च, 2018

का.आ. 478.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण-सह-श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ सं. एल. सी. 117/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8.3.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22013/01/2018-आई.आर. (सीएम-II)]

राजेन्द्र सिंह, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 9th March, 2018

S.O. 478.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Corrigendum of Award (Ref. No. LC117/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of M/s. Singareni Collieries Company Ltd., and their Workman, received by the Central Government on 08.03.2018.

[No. L-22013/01/2018-IR (CM-II)]

RAJENDER SINGH, Section Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

Present: Sri Muralidhar Pradhan, Presiding Officer

Dated the 29th day of January, 2018

INDUSTRIAL DISPUTE L.C.No. 117/2006

Between:

Sri Y. Umamaheswara Rao,
S/o Surya Prakasa Rao,
C/o Smt. A. Sarojana,
Advocate, Flat No.G7,
Rajeshwari Gayatri Sadan,
Opp: Badruka Jr. College for Girls,
Kachiguda, Hyderabad

...Petitioner

AND

1. The Managing Director,
S.C.C. Cooperative Central Stores Ltd.,
Kothagudem. Khammam District.
2. The Divisional Manager,
Singareni Collieries Cooperative Central Stores Ltd.,
Bellampalli Adilabad District.

...Respondents

Appearances:

For the Petitioner : M/s. A. Sarojana & K. Vasudeva Reddy, Advocates

For the Respondent : M/s. J. Prabhakar & B. Vijaya Laxmi, Advocates

AWARD

Sri Y. Umamaheswara Rao who worked as a Clerk (who will be referred to as the workman) has filed this petition under Sec. 2A(2) of the Industrial Disputes Act, 1947 against the Respondent S.C.C. Cooperative Central Stores Ltd., seeking to declare proceeding No. MDS/SSB/2005/2237 dated 3.12.2005 issued by the 1st Respondent as illegal, arbitrary and to set aside the same consequently directing the Respondents to reinstate the Petitioner into service duly granting all the consequential benefits such as continuity of service, back wages and all other attendant benefits etc., and such other reliefs as this court may deems fit.

2. **The averments made in the petition in brief are as follows:**

The Petitioner initially joined in the services of the Respondents' stores on 11.8.1976 and got transfer to various places and finally to Bhoopalpally in the year 2006. The Respondents' Stores is being predominantly run by M/s. Singareni Collieries Company Ltd., for the benefit of its workers and its outlets are established in all the regions of the company. The Petitioner submits that during the years 2000 and 2005 he met with two major road accidents, resulting in serious injuries which troubled him for two years recurrently. He was under doctor's treatment recurrently from September, 2000 to October, 2005. Meanwhile whenever the Petitioner was feeling well, he used to attend the office. The Petitioner could not be regular to his duties due to several complications arose on account of the injuries occurred by the accidents. The factum of his ill-health was communicated to the authorities concerned and he reported for duty on 2.6.2004 by producing medical certificate. In the mean while, a charge sheet dated 12.6.2004 was issued to the Petitioner by the Respondents alleging that the Petitioner absented from duty during the years 2001-2004 on various dates, which amounts to misconduct under Rule 19(1)(D) of AP Shops and Establishment Rules, 1990. The Petitioner submitted his explanation to the charge sheet. But without considering the same, one inquiry was conducted and during the time of the enquiry, the Petitioner was not given any opportunity much less valid in nature to put forth his grievances. Basing on such lopsided enquiry, the Enquiry Officer held the charges as proved and basing on the erroneous findings of the Enquiry Officer, the Petitioner was dismissed from service vide order No. MDS/SSB/2005/2237 dated 3.12.2005. It is stated that during the course of the enquiry the Petitioner has categorically stated about his inability to perform his duties regularly during the period from 2001-2004, as it was only on account of his ill-health. But without considering any of his submissions, the Petitioner was dismissed from service. It is also stated that the action of the Respondents' management in dismissing the Petitioner from service is wholly illegal, arbitrary, violative of the principles of natural justice. The Petitioner has rendered 29 years continuous service in the Respondents' management. The Petitioner approached the Respondents to consider his case sympathetically, but the management did not pay any heed to it. Therefore, the Petitioner was constrained to approach this Tribunal to declare the impugned order No. MDS/SSB/2005/2237 dated 3.12.2005 issued by the Respondents is illegal and arbitrary and to set aside the same and consequently to direct the Respondents to reinstate the Petitioner into service duly granting all other attendant benefits such as continuity of service, back wages etc..

3. **The Respondents filed counter denying the averments made in the petition, with the averments in brief which runs as follows:**

In the counter the Respondents while admitting some of the factual aspects to be true, stated that the Petitioner was appointed in the Respondents' Stores and the service conditions of the Petitioner are governed by the provisions of A.P. Shops and Establishments Ac, 1988 and rules made thereunder. Initially he was appointed on 11.8.1976 as a clerk. He was dismissed from service on proved charges of absenteeism, i.e., from 29.9.2000 to 5.5.2001, 16.5.2001 to 3.4.2002 and 15.4.2002 to 31.5.2004, after conducting a detailed domestic enquiry duly following the principles of natural justice. The Petitioner has attended the dates fixed for the enquiry and had fully participated in the enquiry. He was given full, fair and reasonable opportunity to defend himself in the enquiry. The enquiry was conducted purely following the principles of natural justice. It is stated that basing on the evidence adduced before the Enquiry Officer, the Enquiry Officer submitted his report holding the charges levelled against the Petitioner was proved. A copy of the enquiry report and the enquiry proceeding was sent to the Petitioner by way of show cause notice giving him an opportunity to make representation against the findings of the enquiry report; since the charge levelled against the Petitioner is proved and it was serious in nature, punishment warranted was dismissal from service. The Disciplinary Authority has gone through the enquiry proceeding and his past record and found that there was no extenuating circumstances to take a lenient view and lastly, the Respondents were constrained to dismiss the Petitioner from service. It is stated that in fact the Petitioner was irregular to his duties and he did not improve his attendance even after issuing charge sheet to him, and after receiving the show cause notice. It is further stated that the punishment imposed on the Petitioner is justified and legal and as such the claim petition is liable to be dismissed in limini.

4. In view of the memo filed by the Learned Counsel for the Petitioner conceding the domestic enquiry as legal and valid, the domestic enquiry conducted in this case was held valid and legal vide order dated 29.9.2008.

5. I have already heard both the parties under Sec.11(A) of the Industrial Disputes Act, 1947.

6. In view of the above facts, the points for determination are:

I. Whether the action of the management of Singareni Collieries Cooperative Central Stores Ltd., in imposing the punishment of dismissal from service to Sri Y. Umamaheswara Rao is legal and justified?

II. Whether the Petitioner is entitled for reinstatement into service?

III. If not, to what other relief he is entitled?

7. **Point No.I:** During the course of argument, the Learned Counsel appearing on behalf of the Petitioner submitted that due to his illness and other family problems, the Petitioner could not be able to attend his duty sincerely. He was getting treatment in company's area hospital, and also at various hospitals. Even in his show cause the Petitioner has mentioned the above facts but it has not been considered during the course of the enquiry and on account of absenteeism capital punishment of dismissal from service was imposed on the Petitioner. When the Petitioner has taken a stand that due to his illness, and other family problems he could not be able to attend his duties regularly and remained absent, the authority should have considered his case while imposing capital punishment. But the authority has not considered any of the submissions of the Petitioner, and has imposed capital punishment to the Petitioner when several modes of punishment are enumerated in the company's Standing Orders.

8. On the other hand, the Learned Counsel appearing on behalf of the Respondents submitted that when the Petitioner was a chronic absentee and was found guilty of the charges levelled against him, the punishment imposed by the Respondents' company is legal and proper. When the Petitioner was not sincere in his duty and failed to maintain minimum musters in a year he is not entitled to be reinstated into service.

9. Admittedly, working in the premises of the Collieries is hazardous and remaining absent is not unusual. In this case, due to illness and other family problems, the Petitioner could not be able to be regular in his duty, and has remained absent in his duties and a proceeding was initiated against him for his absenteeism followed by an enquiry. In the enquiry, the charges levelled against the Petitioner were proved. For this, capital punishment was imposed. After dismissal of service, the Petitioner became jobless and unable to provide a square meal to his family members. He has already realised his mistake and has taken shelter in the court at the age of 51 years, he is now aged about 62 years, and has attained the age of superannuation and at this age he is searching ways and means to provide bread and butter to his family members. In such a circumstances, atleast one chance should be given to him for his reinstatement into service in order to get all his terminal benefits. Admittedly several modes of punishment are enumerated in company's Standing Orders. But the management decided to impose capital punishment. The Petitioner is a first offender and has worked for about twenty two years under the Respondent. While imposing capital punishment to his employees, the management should think of the condition of the workers as well as his family members. In this case, the punishment imposed by the Respondents for dismissal of service is too harsh. Therefore, it can safely be stated that the action taken by the management in imposing the punishment of dismissal from service to Sri Y. Umamaheswara Rao is not legal and justified.

Thus, Point No.I is answered accordingly.

10. **Point Nos. II & III:** In Point No.I, it has already been discussed that the punishment of dismissal from service to Sri Y. Umamaheswara Rao is not legal and justified. After dismissal of service as stated earlier, when the Petitioner has already realised his mistake and has come to the court with a prayer for reinstatement into service he should be given a chance to serve for his family members. After dismissal of service the Petitioner has become jobless and he being the sole bread earner of his family, is unable to provide a square meal to his family members. In such a circumstances the Petitioner should be given a chance to maintain his livelihood and to work under the Respondents' management. But unfortunately, during the pendency of this case the Petitioner has attained the age of superannuation. So, no question of service under the Respondent is expected from the Petitioner. but only he is to be reinstated into service to get his service benefit and also entitled to get 50% of back wages.

Thus, Point Nos. II & III are answered accordingly.

ORDER

Proceeding No. MDS/SSB/2005/2237 dated 3.12.2005 issued by the 1st Respondent is declared as illegal and is hereby set aside. It is ordered that the workman Sri Y. Umamaheswara Rao be reinstated in service only to get his terminal benefits. He is entitled to get 50% of back wages. The Respondents are directed to give all the terminal benefits along with 50% of back wages to the Petitioner after four months of this order, failing which the Petitioner is at liberty to recover the same through the process of law.

Award is passed accordingly. Transmit.

Typed to my dictation by Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant and corrected by me on this the 29th day of January, 2018.

MURALIDHAR PRADHAN, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner

NIL

Witnesses examined for the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 13 मार्च, 2018

का.आ. 479.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ सं. 1/2014) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12.3.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. जेड-16025/4/2018-आई.आर. (एम)]

डी. के. हिमांशु, अवर सचिव

New Delhi, the 13th March, 2018

S.O. 479.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 1/2014) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of M/s. Life Insurance Corporation of India and their Workman, which was received by the Central Government on 12.03.2018.

[No. Z-16025/4/2018-IR (M)]

D.K. HIMANSHU, Under Secy.

ANNEXURE
BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT
HYDERABAD

Present: Sri Muralidhar Pradhan, Presiding Officer

Dated the 24th day of January, 2018

INDUSTRIAL DISPUTE LC No. 1/2014

Between:

Sri Islavat Rangaiah,
 S/o Shri Narasimha,
 R/o H.No.5-1-122, Badavath Thanda,
 Kothagudem Post, Khammam District

...Petitioner

AND

1. The Divisional Manager,
 Life Insurance Corporation of India,
 Divisional Office, Hanamkonda – 506001.
2. The Branch Manager,
 Life Insurance Corporation of India,
 Kothagudem Branch, Ganesh Puram,
 Writer busty, Kothagudem Post – 507101

...Respondents

Appearances:

For the Petitioner : Sri T. Koteswara Rao, Advocate

For the Respondent : Sri K R L Sarma, Advocate

AWARD

Sri Islavat Rangaiah, the Petitioner who worked as Peon/Casual Labourer in the Respondent Corporation has filed this petition under Sec. 2A(2) of the Industrial Disputes Act, 1947 against the Respondents Life Insurance Corporation of India seeking for declaring the action of the Respondents in terminating the service of the Petitioner as illegal, arbitrary and consequently directing the Respondents to reinstate the Petitioner into service with continuity of service, with full back wages and all other attendant benefits etc., and such other reliefs as this court may deems fit.

2. The Petitioner workman has filed his claim petition and the Respondents also filed their respective counter statement.
3. The case stands posted for hearing and recording of the Petitioner's evidence.
4. Inspite of availing several opportunities to adduce evidence, the Petitioner workman remained absent and there is no representation on behalf of the Petitioner, which clearly indicates that perhaps the dispute of the Petitioner has already been settled. In the circumstances stated above, it is felt that the Petitioner workman has got no claim to raise. Hence, the case of the Petitioner is closed and 'No dispute' award is passed.

Award is passed accordingly. Transmit.

Typed to my dictation by Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant, corrected by me on this the 24th day of January, 2018.

MURALIDHAR PRADHAN, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner

NIL

Witnesses examined for the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 13 मार्च, 2018

का.आ. 480.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ सं. 3/2014) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12.3.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. जेड-16025/4/2018-आई.आर. (एम)]

डी. के. हिमांशु, अवर सचिव

New Delhi, the 13th March, 2018

S.O. 480.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 3/2014) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of M/s. Life Insurance Corporation of India and their Workman, which was received by the Central Government on 12.03.2018.

[No. Z-16025/4/2018-IR (M)]

D.K. HIMANSHU, Under Secy.

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD****Present:** Sri Muralidhar Pradhan, Presiding OfficerDated the 24th day of January, 2018**INDUSTRIAL DISPUTE LC No. 3/2014****Between:**

Sri Ramagiri Anil Kumar,
S/o Shri Venkateswarlu,
R/o H.No. 10-1-122, Ramanjaneya Colony,
Kothagudem Post, Khammam District -507101

...Petitioner

AND

1. The Divisional Manager,
Life Insurance Corporation of India,
Divisional Office, Hanamkonda – 506001.
2. The Branch Manager,
Life Insurance Corporation of India,
Kothagudem Branch, Ganesh Puram,
Writer Busty, Kothagudem Post – 507101.

....Respondents

Appearances:

For the Petitioner : Sri T. Koteswara Rao, Advocate
For the Respondent : Sri K R L Sarma, Advocate

AWARD

Sri Ramagiri Anil Kumar, the Petitioner who worked as Casual Labourer (Sweeper) in the Respondent Corporation has filed this petition under Sec. 2A(2) of the Industrial Disputes Act, 1947 against the Respondents Life Insurance Corporation of India seeking for declaring the action of the Respondents in terminating the service of the Petitioner as illegal, arbitrary and consequently directing the Respondents to reinstate the Petitioner into service with continuity of service, with full back wages and all other attendant benefits etc., and such other reliefs as this court may deems fit.

2. The Petitioner workman has filed his claim petition and the Respondents also filed their respective counter statement.
3. The case stands posted for hearing and recording of the Petitioner's evidence.

4. In spite of availing several opportunities to adduce evidence, the Petitioner workman remained absent and there is no representation on behalf of the Petitioner, which clearly indicates that perhaps the dispute of the Petitioner has already been settled. In the circumstances stated above, it is felt that the Petitioner workman has got no claim to raise. Hence, the case of the Petitioner is closed and 'No dispute' award is passed.

Award is passed accordingly. Transmit.

Typed to my dictation by Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant, corrected by me on this the 24th day of January, 2018.

MURALIDHAR PRADHAN, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner

NIL

Witnesses examined for the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 13 मार्च, 2018

का.आ. 481.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ सं. 4/2014) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12.3.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. जेड-16025/4/2018-आई.आर. (एम)]

डी. के. हिमांशु, अवर सचिव

New Delhi, the 13th March, 2018

S.O. 481.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 4/2014) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of M/s. Life Insurance Corporation of India and their Workman, which was received by the Central Government on 12.03.2018.

[No. Z-16025/4/2018-IR (M)]

D.K. HIMANSHU, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

Present: Sri Muralidhar Pradhan, Presiding Officer

Dated the 24th day of January, 2018

INDUSTRIAL DISPUTE LC No. 4/2014

Between:

Sri Renigunta Satish,
S/o Shri Rayalingu,
R/o H.No. 4-2-91/1, Ramnagar,
Kothagudem Post, Khammam District -507101.

...Petitioner

AND

1. The Divisional Manager,
Life Insurance Corporation of India,
Divisional Office, Hanamkonda – 506001.

2. The Branch Manager,
Life Insurance Corporation of India,
Kothagudem Branch, Ganesh Puram,
Writer Busty, Kothagudem Post – 507101.

...Respondents

Appearances:

For the Petitioner : Sri T. Koteswara Rao, Advocate
For the Respondent : Sri K R L Sarma, Advocate

AWARD

Sri Renigunta Satish, the Petitioner who worked as Casual Labourer (Sweeper) in the Respondent Corporation has filed this petition under Sec. 2A(2) of the Industrial Disputes Act, 1947 against the Respondents Life Insurance Corporation of India seeking for declaring the action of the Respondents in terminating the service of the Petitioner as illegal, arbitrary and consequently directing the Respondents to reinstate the Petitioner into service with continuity of service, with full back wages and all other attendant benefits etc., and such other reliefs as this court may deems fit.

2. The Petitioner workman has filed his claim petition and the Respondents also filed their respective counter statement.

3. The case stands posted for hearing and recording of the Petitioner's evidence.

4. In spite of availing several opportunities to adduce evidence, the Petitioner workman remained absent and there is no representation on behalf of the Petitioner, which clearly indicates that perhaps the dispute of the Petitioner has already been settled. In the circumstances stated above, it is felt that the Petitioner workman has got no claim to raise. Hence, the case of the Petitioner is closed and 'No dispute' award is passed.

Award is passed accordingly. Transmit.

Typed to my dictation by Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant, corrected by me on this the 24th day of January, 2018.

MURALIDHAR PRADHAN, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner

NIL

Witnesses examined for the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 13 मार्च, 2018

का.आ. 482.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ सं. 5/2014) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12.3.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. जेड-16025/4/2018-आई.आर. (एम)]

डी. के. हिमांशु, अवर सचिव

New Delhi, the 13th March, 2018

S.O. 482.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 5/2014) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of M/s. Life Insurance Corporation of India and their Workman, which was received by the Central Government on 12.03.2018.

[No. Z-16025/4/2018-IR (M)]

D.K. HIMANSHU, Under Secy.

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT
HYDERABAD****Present:** Sri Muralidhar Pradhan, Presiding OfficerDated the 24th day of January, 2018**INDUSTRIAL DISPUTE LC No. 5/2014****Between:**

Sri E. Sevalal,
S/o Shri Latchu,
R/o H.No. 5-1-121, Badavath Thanda,
N.K. Nagar, Kothagudem Post,
Khammam District -507101.

...Petitioner

AND

1. The Divisional Manager,
Life Insurance Corporation of India,
Divisional Office, Hanamkonda – 506001.

2. The Branch Manager,
Life Insurance Corporation of India,
Kothagudem Branch, Ganesh Puram,
Writer Busty, Kothagudem Post – 507101.

...Respondents

Appearances:

For the Petitioner : Sri T. Koteswara Rao, Advocate
For the Respondent : Sri K R L Sarma, Advocate

AWARD

Sri E. Sevalal, the Petitioner who worked as Peon/Casual Labourer in the Respondent Corporation has filed this petition under Sec. 2A(2) of the Industrial Disputes Act, 1947 against the Respondents Life Insurance Corporation of India seeking for declaring the action of the Respondents in terminating the service of the Petitioner as illegal, arbitrary and consequently directing the Respondents to reinstate the Petitioner into service with continuity of service, with full back wages and all other attendant benefits etc., and such other reliefs as this court may deems fit.

2. The Petitioner workman has filed his claim petition and the Respondents also filed their respective counter statement.

3. The case stands posted for hearing and recording of the Petitioner's evidence.

4. Inspite of availing several opportunities to adduce evidence, the Petitioner workman remained absent and there is no representation on behalf of the Petitioner, which clearly indicates that perhaps the dispute of the Petitioner has already been settled. In the circumstances stated above, it is felt that the Petitioner workman has got no claim to raise. Hence, the case of the Petitioner is closed and 'No dispute' award is passed.

Award is passed accordingly. Transmit.

Typed to my dictation by Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant, corrected by me on this the 24th day of January, 2018.

MURALIDHAR PRADHAN, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner

NIL

Witnesses examined for the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 13 मार्च, 2018

का.आ. 483.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ सं. 87/2014) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12.3.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-17012/3/2014-आईआर (एम)]

डी. के. हिमांशु, अवर सचिव

New Delhi, the 13th March, 2018

S.O. 483.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 87/2014) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Life Insurance Corporation of India and their Workman, which was received by the Central Government on 12.03.2018.

[No. L-17012/3/2014-IR (M)]

D.K. HIMANSHU, Under Secy.

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD****Present:** Sri Muralidhar Pradhan, Presiding OfficerDated the 29th day of January, 2018**INDUSTRIAL DISPUTE No. 87/2014****Between:**

Sri Jakkani Rajesh,
H.No.3-76, PO: Vampet,
(M) Metpally, Karimnagar,
Karimnagar District-505331.

...Petitioner

AND

1. The Zonal Manager,
LIC of India, Zonal Office,
Opp. Secretariat, Saifabad, Hyderabad-500 004.
2. Sr. Divl. Manager,
LIC of India, Divl. Office,
Karimnagar – 505001.
3. The Branch Manager,
LIC of India, Metpally Branch,
Metpally, Karimnagar District – 505325.

...Respondents

Appearances:

For the Petitioner : Party in person

For the Respondent : Sri K R L Sarma, Advocate

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L- 17012/3/ 2014-IR(M) dated 12.5.2014 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of LIC of India, and their workman. The reference is,

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Life Insurance Corporation of India, Zonal Office, Hyderabad/Divisional Office, Karimnagar and Branch Office, Metpally, Karimnagar Dist. in terminating the

services after crossing 240 days continuous service of Sri Jakkani Rajesh, Ex-Temp. Substaff of LIC of India, Metpally Br. w.e.f. 1.2.2013 is justified or not? If not, to what relief the applicant is entitled for?"

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 87/2014 and notices were issued to the parties concerned.

2. The case stands posted for filing of claim statement and documents by the Petitioner.
3. The Petitioner filed a memo stating therein that he has already got the relief and he does not want to prosecute the case and submits to close the case.
4. Heard the Petitioner. In view of the submission of the Petitioner the case is closed as not pressed.

Award is passed accordingly. Transmit.

Typed to my dictation by Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant, corrected by me on this the 29th day of January, 2018.

MURALIDHAR PRADHAN, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner

NIL

Witnesses examined for the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 13 मार्च, 2018

का.आ. 484.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ सं. 88/2014) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12.3.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-17012/4/2014-आईआर (एम)]

डी. के. हिमांशु, अवर सचिव

New Delhi, the 13th March, 2018

S.O. 484.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 88/2014) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Life Insurance Corporation of India and their Workman, which was received by the Central Government on 12.03.2018.

[No. L-17012/4/2014-IR (M)]

D.K. HIMANSHU, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

Present: Sri Muralidhar Pradhan, Presiding Officer

Dated the 29th day of January, 2018

INDUSTRIAL DISPUTE No. 88/2014

Between:

Sri N. Saikiran,
H.No.1-10-123, Kalanagar,
II street, (P.O. & M) Metpally,

Karimnagar, Karimnagar District-505325.

... Petitioner

AND

1. The Zonal Manager,
LIC of India, Zonal Office,
Opp. Secretariat, Saifabad, Hyderabad-500 004.
2. Sr. Divl. Manager,
LIC of India, Divl. Office,
Karimnagar – 505001.
3. The Branch Manager,
LIC of India, Metpally Branch,
Metpally, Karimnagar District – 505325.

... Respondents

Appearances:

For the Petitioner : Party in person
For the Respondent : Sri K R L Sarma, Advocate

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L- 17012/ 4/ 2014-IR(M) dated 12.5.2014 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of LIC of India, and their workman. The reference is,

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Life Insurance Corporation of India, Zonal Office, Hyderabad/Divisional Office, Karimnagar and Branch Office, Metpally, Karimnagar Dist. in terminating the services after crossing 240 days continuous service of Sri N. Saikiran, Ex-Temp. Substaff of LIC of India, Metpally Br. w.e.f. 1.2.2013 is justified or not? If not, to what relief the applicant is entitled for?”

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 88/2014 and notices were issued to the parties concerned.

2. The case stands posted for filing of claim statement and documents by the Petitioner.
3. The Petitioner filed a memo stating therein that he has already got the relief and he does not want to prosecute the case and submits to close the case.
4. Heard the Petitioner. In view of the submission of the Petitioner the case is closed as not pressed.

Award is passed accordingly. Transmit.

Typed to my dictation by Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant, corrected by me on this the 29th day of January, 2018.

MURALIDHAR PRADHAN, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner

NIL

Witnesses examined for the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 13 मार्च, 2018

का.आ. 485.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स बरसुआ आयरन माइन्स, आरएमडी, सेल के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, भुवनेश्वर के पंचाट (संदर्भ सं. 33/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12.3.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-26011/8/2003-आईआर (एम)]

डी. के. हिमांशु, अवर सचिव

New Delhi, the 13th March, 2018

S.O. 485.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 33/2003) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Bhubanswar now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Barsua Iron Mines, RMD, SAIL and their Workman, which was received by the Central Government on 12.03.2018.

[No. L-26011/8/2003-IR (M)]

D.K. HIMANSHU, Under Secy.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BHUBANESWAR

Present: Shri B.C. Rath, Presiding Officer,
C.G.I.T.-cum-Labour Court,
Bhubaneswar.

INDUSTRIAL DISPUTE CASE NO. 33/2003

Date of Passing Award – 24th January, 2018

Between:

The General Manager,
Barsua Iron Mines, RMD,
Po. Tensa, Dist. Sundargarh, Orissa.

...1st Party-Management.

AND

The Vice President,
United Mines Mazdor Union,
At. Anil Smruti Sadan, Po. Barsuan,
Sundargarh – 770 041.

...2nd Party-Union.

Appearances:

Shri B.B. Tripathy,
Legal Assistant.

... For the 1st Party-
Management.

Shri B.S. Pati,
General Secretary

... For the 2nd Party-
Union.

AWARD

This Award is directed against the reference made by the Government of India, Ministry of Labour vide its letter No. L-26011/8/2003-IR(M), dated 09.10.2003 in exercising its authority under section 2A of Section 10 of the Industrial Disputes Act (herein after referred to as “The Act”) out of a dispute between the management of Barsua Iron Mines, RMD, SAIL and their workman and the terms of reference is :-

“Whether the action of the management of Barsua Iron Mines of Raw Material Division, SAIL, Po. Tensa, Dist. Sundargarh in not rectifying the date of birth of Shri Gurucharan Tanty, PL. No. 45718 of Barsua Iron Mines of RMD, SAIL as 12.3.55 justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. The brief facts giving rise to the dispute as emerged from the pleadings of the parties are that the disputant workman joined as a Piece rated worker (regular) in Kalta Iron Ore Mines of the Management in the year 1972. In the descriptive roll submitted at the time of his joining he was shown 24 years old i.e. born in the year 1948. It is the claim of the disputant workman that at the time of joining he submitted the transfer certificate obtained from his school Lahunipada Govt. M.E. School, Sundargarh and his date of birth is 12.03.1955 as per the said school certificate. Subsequently his service was regularized as Khalasi in Barsua Iron Mines of the Management and as per the office order issued 12.6.1987 his date of birth was shown 12.03.1955. According to him in the medical treatment book issued by the Management and in the service book his date of birth is shown as on 12.03.1955. But, the Management unilaterally decided his date of birth as on 27.12.1948 keeping in view the age shown in descriptive roll prepared by the Management at the time of his joining. It is the claim of the disputant workman that the said descriptive roll was not filled up and prepared by him and the age shown therein was opined by the Medical Officer. When the matter came to his notice he made a representation to the Management with all necessary documents including School Transfer Certificate but to no effect. Hence, he raised a dispute before the Asst. Labour Commissioner (Central) through the Union for correction of

his date of birth in the official record of the Management. It is pertinent to mention here that the workman was superannuated on 31.12.2008 during pendency of the reference.

3. The Management has resisted the claim taking a stand that as per the Mining Act no person below the age of 18 years is allowed to work in the Mines. The disputant workman submitted his descriptive roll showing himself as 24 years old while joining in the Kalta Mines of the Management. Had the School Transfer Certificate is taken into consideration the age of the disputant workman would have been 17 years at the time of his joining and he would not have been allowed to work in the mines in view of age restriction in the Mining Act. As such, the age shown in the School Transfer Certificate cannot be taken into consideration for deciding the age of superannuation of the disputant workman as well as his date of birth to be accepted for official records. The workman did not disclose the name of the school in which he studied in the descriptive roll. When he joined in service, he did not file any document towards proof of his age. But, at the time of regularization of his service in the year 1982 he deliberately made an entry in the descriptive roll showing his age 12.3.1955. When the anomaly came to the knowledge of the Management, the disputant failed to explain the discrepancies. It is the stand of the Management that as per the rules and guidelines governed by the Management in case of any discrepancies in the age of an employee, the age in higher side is to be accepted by the Management. Hence, the date of birth of the disputant workman was 27.12.1948 in view of his age described in the initial descriptive roll submitted at the time of joining of the workman. As such, the Management's action not rectifying the date of birth of the disputant workman in his official records was justified.

4. The following issues have been settled for proper adjudication of the dispute keeping in view the pleadings advanced by the parties.

ISSUES

1. Whether the action of the Management of Barsua Iron Mines of Raw Material Division, SAIL, Po. Tensa, Dist. Sundargarh in not rectifying the date of birth of Shri Gurucharan Tanty, P.L. No. 45718 of Barsua Iron Mines of RMD, SAIL as 12.3.55 is justified.

2. If not, to what relief the workman concerned is entitled?

FINDINGS

5. Both the sides have examined one witness each. Besides examining himself as W.W.-1 the disputant workman has filed documents like copy of the transfer certificate issued to the disputant workman by Headmaster, Lahunipada M.E. School, copy of the appointment order dated 12.6.1987 of the Management SAIL, RSP, Rourkela, copy of the medical treatment book of the disputant workman, copy of the superannuation order dated 4.6.2008 and certified copy of the order dated 10.2.2009 passed by the Hon'ble High Court of Orissa in W.P.(C) No. 13061/2008 marked as Ext.-1 to Ext.-5. On the other hand Shri Pradyumna Kumar Das is examined on behalf of the 1st Party-Management and letters/documents like copy of the appointment order dated 14.4.1972, copy of the descriptive roll dated 27.12.1972, copy of the medical examination report dated 26.12.1972, copy of the offer of appointment dated 22.6.1981, copy of the descriptive roll dated 14.8.1982, copy of relevant pages of the service book of the disputant workman, copy of the circular dated 17.3.1994, copy of the rules regarding determination of date of birth of the Management of SAIL, copy of the Memo dated 23/24.11.1998 issued to the disputant workman, copy of the memo dated 29.11.2001 informing the date of birth of the disputant workman, copy of the superannuation order dated 4.6.2008 are exhibited as Ext.-A to Ext.-K to refute the claim of the workman.

6. For the sake of convenience all the issues are taken into consideration simultaneously and answered as follows:-

As it emerges from the pleadings and evidence of the parties including the documents relied upon by them that the disputant workman joined in the Kalta Mines of the Management in the year 1972. The dispute relating to the date of birth of the workman came to picture much prior to the superannuation of the disputant workman. As per the Management document Ext.-H the disputant was asked to produce his date of birth certificate before his authority within seven days from the date of receipt of said letter Ext.-H issued on 23.11.1998. There is also no serious dispute that pursuant to such letter and order the disputant submitted the School Transfer Certificate and the said certificate was issued by his school authority prior to his joining in the establishment of the Management. The Management has not also challenged the genuinity of the said certificate so also its authenticity towards the date of birth of the disputant workman shown in the said certificate. The Management has not also refuted the claim of the workman in regard to his date of birth shown/mentioned in his service book, medical book and in the order dated 12.6.1987 of the Management by which service of the disputant workman was regularized. The only point of objection of the Management to such entries is that the descriptive roll (Ext.-B) speaks otherwise in which the disputant workman was shown 24 years old at the time of his joining and it is stated by the Management that the said descriptive roll was submitted by the workman himself. On a close scrutiny of the oral testimony of the management witness and the documents filed it is emerging that the witness has no direct knowledge as to the entries made in the descriptive roll so also its author. The said descriptive roll is found to have been signed by the Jr. Medical Officer, Kalta Iron Mine. At the same time it cannot be also over-looked that all other official records including the order of regularization of the disputant workman and service book are prepared by the Management itself wherein the age of the disputant workman is shown as on 12.3.1955.

7. The Management seems to have refused to accept the entry in School Transfer Certificate on a contention that the workman would not be eligible to work in the Mines in the year 1972 had the age shown in the School Transfer Certificate was taken into consideration and the age shown at that time was volunteered by the workman himself. There is no dispute that the Management has its rules regarding determination of date of birth in case of any discrepancies. As per the clause 44 of the said rules the School certificate from educational institution of the employee can be accepted for the purpose of date of birth in case of a person having not passed matriculation/school final examination. In the case at hand undisputedly the workman was an under matriculate and as such the Management could have taken the school Transfer Certificate into consideration while deciding the date of birth of the disputant workman. In case of any conflict towards such age the Management was authorized to consider the opinion of a Medical Board nominated by the Management. As per clause 4(10) those employees whose date of birth has already been recorded in the descriptive roll/declaration form/service book of the employee and signed/thumb impressed by him, the date so recorded shall be deemed as final and binding. Coming to the case at hand no credible evidence has been adduced by the Management to establish that descriptive roll on the basis of which the disputant workman was accepted as 24 years old at the time of his joining was filled up by the disputant workman himself. Therefore, the dispute raised by the disputant workman cannot be brushed aside lightly.

In this regard law is well settled that at the fag end of career a party cannot be allowed to raise a dispute regarding his date of birth. In the case at hand the disputant workman raised the dispute much before his superannuation. That apart, it is also well settled that a Govt. servant who has declared his age at the initial stage of employment, of course, not precluded from making a request later-on for correcting his age. It is opened to a civil servant to claim correction of his date of birth, if he is in possession of irrefutable proof relating to his date of birth as different from the one earlier recorded and even if there is no period of limitation prescribed for seeking correction of date of birth the Govt. servant must do so without any unreasonable delay. It is also well settled by the Hon'ble Apex Court that an application for correction of date of birth should not be dealt with by the courts, Tribunals or by the High Court keeping in view only the public servant concerned, unless a clear case on the basis of materials which can be held to be conclusive in nature, is made by the employee, the court or the Tribunal should not issue a direction, on the basis of materials which make such claim only plausible. The employee has to produce the evidence in support of such claim, which may amount to irrefutable proof relating to his date of birth. Coming to the case at hand there is overwhelming evidence in favour of the disputant workman to show that his date of birth as shown as on 12.3.1955 was furnished at the earliest. Had it been not so, the entries in the service book and medical treatment book and the official order towards regularization of his service would have not reflected his date of birth as on 12.3.1955. Besides the dispute was raised much prior to his superannuation. In the above circumstances the action of the Management determining the date of birth on the basis of the descriptive roll submitted at the initial time of appointment cannot be justified in the court of law.

Coming to the issue of relief to which the workman is entitled to, it cannot be over-sighted that during pendency of the reference the workman was superannuated on 31.12.2008 by the Management keeping in view the age shown in the descriptive roll (Ext.-B). Had the dispute was resolved earlier the workman would have continued in service till 31.3.2015 in view of his date of birth being shown as 12.3.1955 in his service book and official records. Hence no relief of reinstatement can be granted to the disputant workman. However, had his representation for correction of his date of birth was accepted by the Management he could have continued in service till 31.3.2015 and could have availed financial benefits of his pay scale being treated in service. At the same time it cannot be over-looked that he did not render any service after his superannuation on 2008. Hence, to maintain balance and to avoid multiplicity of litigations it is felt just and appropriate to direct the Management to extend 50% of the financial benefits to which the disputant workman would have availed in the event of his continuance in service till 31.3.2015. The above benefits should be paid to the disputant workman within three months of the notification of the award in the official gazette failing which the workman is entitled to get interest at the rate of 6.5% interest on the benefit amount from the date of the award.

10. Reference is answered accordingly.

Dictated & Corrected by me.

B.C. RATH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 13 मार्च, 2018

का.आ. 486.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, जयपुर के पंचाट (संदर्भ सं. 2/2014) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12.3.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-17012/30/2012-आई.आर. (एम)]

डी. के. हिमांशु, अवर सचिव

New Delhi, the 13th March, 2018

S.O. 486.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 2/2014) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jaipur now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Life Insurance Corporation of India and their Workman, which was received by the Central Government on 12.03.2018.

[No. L-17012/30/2012-IR (M)]

D.K. HIMANSHU, Under Secy.

अनुबंध**केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, जयपुर****सी.जी.आई.टी. प्रकरण सं. 2 / 2014****भरत पाण्डेय****पीठासीन अधिकारी****रेफरेन्स नं.-L- 17012/30/2012 –IR(M) दिनांक 11.1.2013**

Shri Shiv Shanker Sharma S/o Sh. Vinod Sharma,
R/o Village Raipur, Post Karnawar,
Tehsil Baswa,
Dist- Dausa (Rajasthan)

V/s

1. The Manager(P&IR),
LIC of India, Divisional Office-II,
A-20 Nangi Plaza, Anita Colony,
Opp, Gandhi Nagar Railway Station,
Dist - Jaipur- 302015 (Rajasthan)
- 2 The Branch Managr,
LIC of India, Jeevan Jyoti,
Collectorate Chourah,
Khan Bhankri Road, Tehsil Baswa,
Dist- Dausa (Rajasthan)

प्रार्थी की तरफ से : श्री कृणाल रावत – एडवोकेट

अप्रार्थी की तरफ से : श्री जुगल किशोर अग्रवाल – एडवोकेट

पंचाट

दिनांक : 14.12.2017

1. केन्द्रीय सरकार द्वारा औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 10 की उपधारा 1 खण्ड (घ) के अन्तर्गत दिनांक 11.1.2013 के आदेश से प्रेषित विवाद के आधार पर यह प्रकरण न्यायनिर्णयन हेतु संस्थित है। केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रेषित विवाद निम्नवत् है :-
“Whether the Claim of the applicant Shri Shiv Shanker Sharma, Workman, LIC of India - II, Jaipur to have worked more than 90 days is fair, legal and justified? What relief the workman is entitled to?”
2. स्टेटमेन्ट ऑफ क्लेम में दिये गये तथ्यों के अनुसार संक्षिप्ततः प्रार्थी का कथन है कि प्रार्थी अप्रार्थी संख्या 2 के यहाँ दिनांक 20.10.2011 के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में सेवा में भर्ती किया गया और 14.11.2011 से विपक्षी के कार्यालय में कैश काउन्टर पर विपक्षी 2 के निर्देशानुसार काम करना शुरू किया। दिनांक 2.6.2012 को विपक्षी संख्या 2 ने प्रार्थी को मौखिक आदेश से सेवा से हटा दिया परन्तु कोई लिखित आदेश सेवा से हटाने के सम्बन्ध में नहीं दिया। तब से विपक्षी प्रार्थी को कार्य पर नहीं रख रहा है।
3. आगे प्रार्थी का कथन है कि विपक्षी की हठधर्मिता के कारण समझौता अधिकारी के सामने सुलहवार्ता सफल नहीं हुई जिसके कारण न्यायनिर्णयन हेतु यह मामला न्यायाधिकरण को प्राप्त हुआ।

4. प्रार्थी के प्रस्तर सात में प्रस्तुत कथन के अनुसार प्रार्थी के कार्य की प्रकृति निरन्तर चलते रहने वाली थी। प्रार्थी की सेवामुक्ति धारा 25 ए, धारा 25 जी एवं धारा 25 एच औद्योगिक विवाद अधिनियम के प्राविधान के उल्लंघन में की गयी है। प्रार्थी को सेवा से हटाने के पूर्व न कोई नोटिस दी गयी न नोटिस के बदले कोई वेतन दिया गया न ही छंटनी मुआवजा दिया गया।
5. माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने लाइफ इन्श्योरेंस कॉरपोरेशन के मामले में आदेश दिया है कि जिन श्रमिकों ने 80 दिन की अवधि से ज्यादा कार्य किया है उन्हें नियमित किया जाय परन्तु नियमित करने के बजाय विपक्ष ने सेवा से मुक्त कर दिया है। विपक्षी ने औद्योगिक विवाद (केन्द्रीय) नियमावली 1957 के नियम 77 एवं 78 का उल्लंघन किया है तथा कोई वरिष्ठता सूची सेवामुक्ति के पूर्व नहीं तैयार की है। प्रार्थी ने लगातार 240 दिनों से अधिक दिन तक कार्य किया है। प्रार्थी की सेवामुक्ति विपक्ष द्वारा अनुचित श्रम व्यवहार है तथा प्रार्थी की सेवामुक्ति उसे सेवा में नियमित करने के दायित्व से बचने के लिए की गयी है। अतः प्रार्थी ने प्रार्थना की है कि सेवामुक्ति आदेश दिनांक 2.6.2012 को शून्य घोषित कर सेवा की निरन्तरता एवं समस्त लाभों सहित उसे सेवा में पुनर्स्थापना का आदेश पारित किया जाय।
6. विपक्ष ने याचिका के प्रस्तरवार जवाब में याचिका के प्रस्तर 1,3,4 एवं 7 के कथन को स्पष्ट अस्वीकार किया है। प्रस्तर 2 के सम्बन्ध में कहा गया है कि रिफरेंस से उसका कोई सम्बन्ध नहीं है। प्रस्तर 5 के सम्बन्ध में कहा गया है कि सेवा शर्तों के अनुसार 4.2.12 को प्रार्थी की सेवा में स्वतः समाप्त हो गयी थी तथा इसके बाद उसे कार्य पर लेने का कोई प्रश्न नहीं था। प्रस्तर 6 के विरुद्ध कहा गया है कि समझौता अधिकारी के समक्ष जवाब प्रस्तुत करने के अतिरिक्त शेष समस्त कथन अस्वीकार है।
7. उक्त के अतिरिक्त आगे यह कहा गया है कि 20.10.11 को प्रार्थी को भर्ती करने का कथन अस्वीकार है तथा सही तथ्य यह है कि 29.10.11 को प्रार्थी साक्षात्कार के लिये बुलाया गया था एवं विपक्ष द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुपालन में याची ने दिनांक 14.11.11 को दौसा में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में प्रार्थी विपक्षी की सेवा में सम्मिलित हुआ। प्रार्थी का कहना गलत है कि उसने कैश काउन्टर पर कार्य शुरू किया क्योंकि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का कैश काउन्टर पर कोई कार्य नहीं है। प्रार्थी ने न्यायाधिकरण को गुमराह करने हेतु कैश काउन्टर पर कार्य करने का उल्लेख किया है एवं प्रार्थी के समझौता अधिकारी के समक्ष कथन तथा न्यायाधिकरण के समक्ष क्लेम में प्रस्तुत कथन में भी भिन्नता है जो उसकी मिथ्यावादिता दर्शाता है।
8. आगे विपक्ष का कथन है कि प्रार्थी ने केवल 85 दिन कार्य किया उसके पश्चात कोई कार्य नहीं किया, अतः 85 दिन पूर्ण होने के पश्चात प्रार्थी की सेवा स्वतः समाप्त हो गयी। प्रार्थी की नियुक्ति पत्र में वर्णित शर्तों के अनुसार 85 दिन के बाद उसकी सेवा स्वतः समाप्त हो गयी जिसका उल्लेख प्रारम्भिक आपत्ति के पैरा चार में भी किया गया है। प्रार्थी का कहना गलत है कि उसे दिनांक 2.6.2012 को हटया गया। प्रार्थी की सेवा 14.11.11 से 85 दिन के पश्चात् स्वतः ही 4.2.12 को समाप्त हो गयी एवं 4.2.12 के बाद उससे आगे काम लेने का कोई प्रश्न नहीं था। प्रार्थी की नियुक्ति एवं निश्चित अवधि के लिए विशिष्ट शर्तों के साथ की गयी थी एवं प्रार्थी को यह जानकारी थी कि उसकी नियुक्ति केवल 85 दिन के लिए की गयी थी। प्रार्थी का मामला धारा 2 (oo) (bb) के प्राविधान से आच्छादित होने के कारण प्रार्थी पर औद्योगिक विवाद अधिनियम के शेष प्राविधान प्रभावी नहीं है, अतः याचिका हर्जे के साथ खारिज की जाय।
9. प्रारम्भिक आपत्ति में कहा गया है कि विपक्षी संगठन “उद्योग” तथा प्रार्थी “कर्मकार” की परिभाषा से आच्छादित नहीं है तथा इस मामले में विवाद को न्यायनिर्णयन हेतु न्यायाधिकरण को भेजने की अधिकारिता श्रम मन्त्रालय में नहीं है अतः याचिका खारिज होने योग्य है। प्रार्थी की नियुक्ति संविदा पर केवल 85 दिन के लिए की गयी थी जो धारा 2 (oo) (bb) के प्राविधान से आच्छादित है एवं “छंटनी” के प्राविधान लागू नहीं होते हैं। प्रार्थी ने याचिका में नियुक्ति की शर्तों को छुपाया है। प्रार्थी का मामला “औद्योगिक विवाद” की परिभाषा में नहीं आता है जैसा कि धारा 2 (के) में प्राविधानित है, अतः प्रार्थी की याचिका खारिज की जाय।
10. रिज्वायन्डर में याची पक्ष ने याचिका के कथन की पुनरावृत्ति की है। 85 दिन के कार्य के कारण सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार याची नियमित होने का हकदार है इस बिन्दु पर भी बल दिया गया है।
11. दिनांक 20.12.16 को पत्रावली याची पक्ष की तरफ से अभिलेख प्रस्तुत करने हेतु नियत थी। दिनांक 27.1.15 से पत्रावली याची पक्ष के रिज्वायन्डर एवं दस्तावेज प्रस्तुति में नियत होती आ रही थी। दिनांक 1.12.15 को प्रार्थी पक्ष ने रिज्वायन्डर प्रस्तुत किया परन्तु कोई दस्तावेज नहीं प्रस्तुत किया। इस प्रकार 27.1.15 से प्रार्थी को दस्तावेज प्रस्तुति का अवसर दिया जा रहा था।
12. दिनांक 20.12.16 को भी याची पक्ष ने दस्तावेज नहीं प्रस्तुत किया एवं याची की मृत्यु के सम्बन्ध में मौखिक सूचना याची के विद्वान प्रतिनिधि ने प्रस्तुत की। तत्पश्चात मृतक याची के विरुद्ध वरासत की कार्यवाही के लिए आदेश दिनांक 20.12.16 को दी गयी। इसके बाद मृतक के उत्तराधिकारियों को वादी पक्ष द्वारा रिकार्ड पर लाने हेतु अनेक अवसर प्रदान किये गये। विपक्ष द्वारा याची पक्ष के विरुद्ध “विवादरहित पंचाट” पारित करने की प्रार्थना 13.4.17 को की गयी, इसके बाद भी याची पक्ष को 5.10.17 को अन्तिम अवसर वरासत की पैरवी करने हेतु प्रदान की गयी एवं याची पक्ष को निर्देशित किया गया कि 26.10.17 तक यदि वरासत की कार्यवाही नहीं की जाती है तो आगे की कार्यवाही समाप्त की जायेगी एवं तदनुसार पंचाट पारित किया जायेगा। दिनांक 5.10.17 एवं 26.10.17 को याची पक्ष उपस्थित नहीं आया।

याची पक्ष की उदासीनता एवं मामले को आगे चलाने में रुचि के अभाव को दृष्टिगत रख आगे की कार्यवाही दिनांक 26.10.17 को समाप्त की गयी।

13. उक्त तथ्य एवं परिस्थिति में मैं इस निष्कर्ष पर हूँ कि वरासत की पैरवी के अभाव में यह मामला उपशमित किये जाने योग्य है।

आदेश

14. याची की मृत्यु पर याची पक्ष द्वारा मृतक याची के विरुद्ध वरासत की कार्यवाही के अभाव में यह मामला उपशमित किया जाता है। न्यायनिर्णयन हेतु प्रेषित निर्देश का उत्तर उक्त प्रकार दिया जाता है। पंचाट तदनुसार पारित किया जाता है।

15. पंचाट की प्रतिलिपि केन्द्रीय सरकार को औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रकाष्ठानार्थ प्रेषित की जाय।

भरत पाण्डेय, पीठासीन अधिकारी

नई दिल्ली, 13 मार्च, 2018

का.आ. 487.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड एवं अन्य के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय-2, मुम्बई के पंचाट (संदर्भ सं. 59/2009) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12.3.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30012/5/2009-आई.आर. (एम)]

डी. के. हिमांशु, अवर सचिव

New Delhi, the 13th March, 2018

S.O. 487.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 59/2009) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-2, Mumbai now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Hindustan Petroleum Corporation Limited and others and their Workman, which was received by the Central Government on 12.03.2018.

[No. L-30012/5/2009-IR (M)]

D.K. HIMANSHU, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO.2, MUMBAI

Present: M. V. Deshpande, Presiding Officer

REFERENCE NO.CGIT-2/59 of 2009

EMPLOYERS IN RELATION TO THE MANAGEMENT OF

(1) **HPCL**

(2) **M/S. 3 STAR SECURITY SERVICES**

The Chief Regional Manager,
HPCL, LPG Filling Plant,
A-2, Usar Industrial Area,
Alibag – Roha Road,
Alibagh – 402 203.

The Chief Executive,
M/s. 03 Star Security Services,
No. 154, Ashoka Pavilion,
Ambedkar Road, Camp
Pune – 411 001.

AND

THEIR WORKMEN

Shri Rajendra Suresh Patil,
Workman, Post Malyan, Taluka: Alibag
Raigad (Maharashtra) -

APPEARANCES:

FOR THE EMPLOYER (1) : Ms. Nandini Menon, Advocate
(2) : Lt. Col. [Retd.] A.L. Joshi Representative

FOR THE WORKMEN : Mr. M.B. Anchan, Advocate
Mumbai, dated the 31st January, 2018.

AWARD

1. This is reference made by the Central Government in exercise of powers under clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 vide Government of India, Ministry of Labour & Employment, New Delhi vide its order No. L-30012/5/2009 – IR (M) dated 24.06.2009. The terms of reference given in the schedule are as follows :

“Whether the action of the management of M/s. 3 Star Security Services, of M/s. HPCL in terminating the services of their workman Shri R.S. Patil is just and legal ? What relief the workman is entitled to ?”

2. After the receipt of the reference, both the parties were served with the notices. They appeared through their respective representatives.

3. Second party workmen filed statement of claim Ex.9. According to the second party workmen, he was working as a Security Guard at HPCL Plant at Usar, Alibaug for more than 9 years. He was employed by M/s. 3 Star Security Services i.e. first party No.2 on the said post. After putting over 9 years of service there was no complaint for disciplinary action against him. However, his services came to be terminated from the above said job from 3.12.2007. The termination was communicated to him orally without giving any notice in advance or without giving any proper explanation and without following the process as stipulated under the I.D. Act. He was compelled to take the said dispute to Petroleum Employees Union, a registered union formed by the workers working in said HPCL plant at Usar, Alibaug. Union by its letter dt. 7.12.07 confronted M/s. 3 Star Security Services regarding his termination from services. But then the employer failed to take any action and also failed to reply the letter dt. 7.12.07. Therefore the said union again by its letter dt. 1.2.08 reiterated the cause but in vein.

4. According to the concerned workman last in first out policy was not followed and as such the employer turned blind eye and deaf ear to the request made by the concerned workman to reinstate him in the service. Therefore he was compelled to address his grievance to the Govt. of India, Ministry of Labour & Employment, Office of Dy. CLC [C]. The Conciliation officer made attempts but did not materialized due to adamant nature & behavior of the employer. The Conciliation officer submitted failure report vide letter dt. 12.12.08.

5. It is then case of the workman that in the register of the persons employed by the contractor in Form – IX, names of the workmen numbering 45 including the name of the concerned workman at Sr. No.14 is maintained with full particulars. The joining dates of the workmen are different from one another. As such the seniority of the concerned workman is observed and therefore employer's claim that all the workmen were appointed afresh on single common date is false. Even thereafter recruitment process is continued and during Sept. 2008 one more workman was employed. As such mode of dismissal by the employer / contractor without having communicated a reason for such termination is illegal. He is therefore asking declaration to the effect that the action of the management of the contractor employer M/s. 3 Star Security Services in terminating his services be declared illegal and the order of termination be set aside. He has also asking for reinstatement with full back wages and continuity of service.

6. The first party No.1 resisted the statement of claim by filing written statement Ex.10 contending therein that there is no employer employee relationship between the concerned workman and the Opposite party No.1. He was engaged as security guard by M/s. 3 Star Security Services. He had never been appointed by corporation. Neither the Corporation had issued any appointment letter, disbursed the salaries, exercise supervision and control over the concerned workman. It is also contended that most of the reliefs sought are against M/s. 3 Star Security Services, Opposite party No.2 and therefore corporation is not the necessary party or proper party to the dispute. As such the reference itself is not maintainable as against Opposite party No.1.

7. It is then contended that Opposite party No.1 HPCL is the Govt. of India undertaking falling under the administrative jurisdiction of Ministry of Petroleum and Natural Gas. It has refinery in Mumbai, Visakhapatnam, Zonal office, Regional offices, Terminals, LPG Plants, TOP's, IRS's, ASF's & T & E stations all over the country. It has one of its LPG plant at Usar under administrative jurisdiction of Regional Manager, Navi Mumbai, LPG Regional office. The Ministry of Labour vide letter dt. 11.11.94 communicated to all public sector undertakings to obtain security services through DGR Sponsored Security Agencies or State Ex-Servicemen Security Corporations as and when existing security arrangements expired and new security arrangements became due. Opposite party No.1 in accordance with guidelines issued by the Ministry of Industries entered into correspondence with concerned authorities of DGR in this regard, requisition was sent to DGR and on the basis of letter of DGR tender enquiry was sent to all vendors sponsored by DGR and after following due procedure the contract of providing security and surveillance at corporation establishment at Usar for 2 years effective from 1.12.07 to 30.11.09 was awarded to M/s. 3 Star Security Services. Accordingly, M/s. 3 Star Security Services engaged their own workmen including security guards. As such Opposite party No.1 has absolutely no concern whatsoever in selection, appointment, supervision and working of the security personnel engaged by M/s. 3 Star Security Services. There is no supervision in any manner by Opposite party No.1 and the contractor on his own had discontinued two security guards namely P.S. Patil i.e. the concerned workman and S.Y. Naik. The first party did not have any role to play in administration decision of M/s. 3 Star Security Services.

8. In view of that the concerned workman is not entitled to any relief as against Opposite party No.1. It has thus sought the dismissal of the reference.

9. Opposite party No.2 by filing written statement Ex.14 also resisted the claim contending therein that in accordance with guidelines of Ministry of Labour, Opposite party No.1 after following procedure entered into contract for providing security on surveillance at the corporation establishment at Usar for 2 years with Opposite party No.2 vide purchase order dt. 31.10.2005 for the strength of one Assistant Security Officer, 3 Security Supervisors and 35 Guards. On completion of duration again Opposite party No.2 was awarded fresh contract vide purchase order dt. 26.11.2007 for the strength of one Assistant Security Officer, 3 Security Supervisors and 33 Guards. The strength of the guards was reduced by two by HPCL. As such the services of the workman were not terminated but since the strength of the guards was reduced by 2 numbers by HPCL while giving fresh contract, his services came to an end. As such there is no violation of I.D. Act.

10. It is also a contention of the Opposite party No.2 that the guards employed according to new purchase order were employed on the same day i.e. on the day on which the contract started and therefore there is no question of last in first out policy. It is then contended that Form – IV register has only four subject heads, such as nature of work on the establishment, nature of work in which the contract labour is to be employed, maximum number of contract labours to be employed at any day and other particulars relevant to the employment of the contract labour. As such no seniority list is maintained. Even there was no recruitment process but since one Assistant Security Officer Mr. Verma proceeded on leave, one Ex-serviceman Mr. Patil was temporarily taken as stop gap arrangement with due approval of the Plant Manager whose services were discontinued on arrival of Mr. Verma, the permanent incumbent. On these premise the Opposite party No.2 has sought dismissal of the reference.

11. Following issues are framed at Ex.15. I reproduce the issues along with my findings thereon for the reasons to follow:

Sr. No.	Issues	Findings
1	Whether the second party workman is an employee of the first party company and whether there exists employee-employer relationship between them ?	No
2.	Whether the termination of service of second party is legal and proper ?	Yes
3.	If not, whether the second party workman is entitled to be reinstated with full back wages ?	No
4.	What Order ?	As per final order

Reasons

Issue No.1 & 2.

12. So far contention go, the concerned workman in his statement of claim itself has stated that he was employed by Opposite party No.2 M/s. 3 Star Security Services as Security Guard and as such M/s. 3 Star Security Services is his employer. Admittedly, therefore he was not appointed by the Corporation Opposite party No.1, neither Opposite party

No.1 has issued any appointment letter to him. Opposite party No.1 has not disbursed the salaries or exercised supervision and control over the work of concerned workman. On the basis of these admitted facts it can be said that there is no employer employee relationship between the concerned workman and HPCL and as such Opposite party No.2, M/s. 3 Star Security Services is the employer of the concerned workman.

13. The concerned workman as per his own contention was employed by the contractor M/s. 3 Star Security Services and therefore in his statement of claim also he has claimed the relief as against M/s. 3 Star Security Services. In view of that also it can be said that the second party workman is not an employee of the first party company HPCL and there exists no employer employee relationship in between them.

14. At the first blush I would observe that second party workman has not adduced his evidence in support of his contention in the statement of claim. He remained absent and thereafter Opposite party No.1 has adduced the evidence as Opposite party No.2 who is the Proprietor of M/s. 3 Star Security Services. According to the evidence of Lt. Col. Retd. Shyam Dethe, HPCL awarded contract to M/s. 3 Star Security Services for providing security over their LPG Bottling Plant at Usar, Alibaug for the period from December '05 to 30.11.2007 as per P.O. No. 50050-OP-2312350 dated 31.10.05 and the strength of the workers to be deployed for this security cover was one Assistant Security Officer, 3 Security Supervisors and 35 security Guards [Total 39]. The said contract was further extended for one year but then as per new purchase order strength of the security guards was reduced by 2 numbers and therefore the concerned workman and Mr. Sandip Patil were not employed. Obviously, it appears from evidence that the services of the concerned workman came to an end after efflux of time i.e. after first contract came to an end since by way of new contract strength of the security guards was reduced, his services came to an end. This would show that his services have not been terminated illegally.

15. Even in his cross examination this witness has stated that the salary and wages of Mr. Patil i.e. concerned workman were paid by security services and the security services have direct supervision on security guards employed by them. Admittedly HPCL had never issued any I-card to these security guards. Admittedly HPCL has not terminated the services of the concerned workman. In view of this sort of evidence, it can be said that the services of the concerned workman came to an end after the first contract of M/s. 3 Star Security Services with the HPCL came to an end and as per new contract, the strength of two guards was reduced.

16. There is absolutely no evidence on record on behalf of the concerned workman that the register in Form – IX was maintained and his name was appearing in the said register at Sr. No. 14. There is no evidence to show that last in first out policy was to be observed since seniority list was maintained. In the absence of evidence of concerned workman the contentions raised by him in his statement of claim shall fall out. He has not adduced evidence in support of his contention nor any document on record to show that any such register was maintained to observe the policy last in first out. Obviously, the concerned workman was the employee of M/s. 3 Star Security Services. HPCL was not his employer and therefore the services of the concerned workman who is the employee of the contractor automatically came to an end after the contract between M/s. 3 Star Security Services & HPCL came to an end. In view of that it will have to be said that there is no evidence to show that the termination of second party workman is illegal and improper. For want of evidence this issue will have to be answered in affirmative.

Issue No.3 & 4

17. In view of my findings to the above issues, second party workman is not entitled to reinstatement with full back wages or to any other reliefs. Hence the reference is liable to be rejected. Thus the order.

ORDER

Reference is rejected with no order as to costs.

Date: 31-01-2018

M.V. DESHPANDE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 13 मार्च, 2018

का.आ. 488.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण एवं अन्य के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय-1, दिल्ली के पंचाट (संदर्भ सं. 221/2017) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12.3.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. जेड-16025/4/2018-आई.आर. (एम)]

डी. के. हिमांशु, अवर सचिव

New Delhi, the 13th March, 2018

S.O. 488.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 221/2017) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-1, Delhi as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Airport Authority of India and others and their Workman, which was received by the Central Government on 12.03.2018.

[No. Z-16025/4/2018-IR (M)]

D.K. HIMANSHU, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE PRESIDING OFFICER: CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT No.1: ROOM No.511, DWARKA COURT COMPLEX, SECTOR 10, DWARKA, DELHI – 110 075

ID No.221/2017

Shri Jay Prakash S/o Shri Ramesh Jaungid, through
Hindustan Engineering and General Mazdoor Union (Regd.4479)
Head Office,D-2/24, Sultanpuri, Delhi

...Workman

Versus

- (i) Airport Authority of India
Safdarjung Airport,
Shri Arvind Marg, New Delhi
- (ii) M/s. Mohans International,
242, D Pocket, J&K Dilshad Garden,
Delhi 110 095
- (iii) M/s. Vishal Enterprises,
71, Kamla Market, Kamla Nagar,
New Delhi – 110 007
- (iv) M/s. Anand & Company,
15/32, East of Punjabi Bagh,
New Delhi – 110 026

...Managements

AWARD

Present dispute has been raised by Shri Jay Prakash (in short the claimant) under the provisions of sub-section (2) of section 2-A of the Industrial Disputes Act, 1947 (in short the Act). A period of 45 days stood expired from the date of making his application before the Conciliation Officer. Sub-section (2) of section 2-A of the Act empowers him to file a dispute before this Tribunal, without being referred by the appropriate Government. His contention stands substantiated by the provisions of sub-section (2) of section 2-A of the Act. Claimant has been given a right by the Act to approach this Tribunal in case of discharge, dismissal, retrenchment or otherwise termination of her service, without a dispute being referred by the appropriate Government under sub-section (1) of section 10 of the Act. Since dispute was within the period of limitation, as enacted by sub section (3), and answered requirements of sub-section (2) of section 2-A of the Act, it was registered as an industrial dispute, even without being referred for adjudication by the appropriate Government, under section 10(1) (d) of the Act.

2. It has been averred that the claimant joined management of Airport Authority of India as helper through M/s Mohans Enterprises, M/s Vishal Enterprises and M/s Anand & Co. and was working continuously with Airport Authority of India on 01.01.2007 and his last drawn wages was Rs.9724.00. Airport Authority of India despite having regular posts, was getting the work done through contractors. The claimant was working under the control and supervision of Airport Authority of India. Management have not obtained the registration certificate under section 7 of Contract Labour (Regulation & Abolition), 1970 (in short the CLRA Act) nor the contractor has obtained licence under section 12 of the said Act, so the above contract was only sham, camouflage and illegal. Hence, the contract between Airport Authority of India and the contractor is sham, ruse and a camouflage.

3. From 2002 to 28.02.2007 management has taken services of the contractor M/s. Mohans International, from 01.03.2007 to 31.12.2008 from M/s Vishal Enterprises and from 01.03.2017 onwards from M/s. Anand & Company.

The claimant was deprived benefits of various beneficial legislations/mandatory legal facilities. The claimant was not provided with appointment letter, wage slip, identity card, ESI card, PF, casual leave and earned leaves, arrears of minimum wages etc. On demanding these benefits, the management was annoyed and he was not allowed to perform duties from 20.02.2017. The action of the management is in blatant violation of Section 2(ra), sub-section 1, 4A, 6 and 15 read with Section 25(t) and 25(u) of the ID Act. The management has engaged fresh worker in place of the claimant. Claimant was terminated from the services without serving any notice or holding any enquiry. The claimant is unemployed from the date of his termination. Finally, it has been prayed that the claimant may be reinstated in service with full back wages.

4. Statement of defence was filed on behalf of Airport Authority of India, wherein various preliminary objections were taken, i.e. non-existence of relationship of employer and employee between the claimant and Airport Authority of India since he was an employee of the contractor, claim being bad for misjoinder of parties, not approaching the court with clean hands, having no locus standi to file the case etc. Airport Authority of India has denied the other material averments contained in the statement of claim.

5. Statement of defence was also filed by M/s Anand & Company who have also taken certain preliminary objections. It has been averred that the claimant joined M/s Anand & Company in March 2016 and worked till 28.02.2017 as a casual/temporary employee. The was caught reporting for duties drunk, misbehaving with staff and hence was warned. Thereafter, he stopped reporting for duties on his own. M/s Anand & Company has never terminated the services of the claimant. Letters were also issued to the claimant, but he neither responded nor did he report for duties. On merits, it has been averred that M/s Anand & Company got the tender for execution of the work for one year and the claimant was working with them and he was given all facilities, i.e. minimum wages, EPF, ESIC etc. as per the applicable labour laws. M/s Anand & Company has denied the other material averments made in the statement of claim.

6. In the meanwhile, the claimant made a statement in court that he is no more interested in pursuing the case on merits due to certain family problems and also because of the fact that he is presently unemployed. He has further stated that he has no claim against any of the managements. Statement of the claimant has been separately recorded. Since the claimant is no more interested in pursuing his case on merits, this Tribunal is left with no alternative but to pass a 'no claim' award. An award is, accordingly, passed. It be sent to the appropriate Government for publication as per Sector 17 of the Act.

Dated: January 24, 2018

A.C. DOGRA, Presiding Officer

**RAKESH
SUKUL**

Digitally signed by
RAKESH SUKUL
Date: 2018.04.18
19:43:43 +05'30'